AKSHANSH
PUBLICATION

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

SI राजस्थान
पुलिस उप निरीक्षक

हिन्दी प्रथम प्रश्न पत्र

नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
अभिकथन-कारण, युग्म, सुमेलित, सत्य- असत्य प्रश्नों के पैटर्न पर

विगत वर्ष के प्रश्न पत्र - 2011, 2018, 2022 (3), 2026 (2), 2025 (प्लाटून कमांडर), 2025 (टेली कम्युनिकेशन)

SI ब्रह्मास्त्र

प्रैक्टिस सेट

6666+
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

मुकेश मारवाड़ी सर

अक्षांश पब्लिकेशन
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

AKSHANSH PUBLICATION

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

SI

राजस्थान

पुलिस उप निरीक्षक

प्रैक्टिस सेट हिन्दी प्रथम प्रश्न पत्र

6666+

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

SI ब्रह्मास्त्र

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक

मुकेश मारवाड़ी सर

सह संपादक

गंगासिंह, अनोपचंद मंडा

सुमेर प्रजापत

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM | INSTAGRAM | YOUTUBE | FACEBOOK | WHATSAPP

बुक कोड - AP0117

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

अनुक्रमणिका

क्र.	अध्याय	
1.	संधि	1 – 8
2.	समास	9 – 16
3.	उपसर्ग	17 – 24
4.	प्रत्यय	25 – 32
5.	तत्सम, अर्द्धतत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी	33 – 38
6.	संज्ञा	39 – 45
7.	सर्वनाम	46 – 52
8.	विशेषण	53 – 59
9.	क्रिया	60 – 65
10.	अव्यय	66 – 72
11.	पर्यायवाची	73 – 79
12.	विलोम शब्द	80 – 86
13.	युग्म शब्द	87 – 99
14.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	100 – 106
15.	शब्द शुद्धि	107 – 113
16.	लिंग	114 – 121
17.	वचन	122 – 128
18.	कारक	129 – 134
19.	काल	135 – 140
20.	पक्ष एवं वृत्ति	141 – 146
21.	वाच्य	147 – 152
22.	वाक्य रचना	153 – 160
23.	वाक्य शुद्धि	161 – 167
24.	विराम चिह्न	168 – 174
25.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	175 – 186
26	पारिभाषिक शब्दावली – प्रशासनिक, विधिक	187 – 195

क्र.	विगत वर्षों के प्रश्न-पत्र	
1.	राज. पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा 06.04.2026 (S-1)	196 – 208
2.	राज. पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा 05.04.2026 (S-1)	209 – 222
3.	PLATOON COMMANDER 22.11.2025 (S-1)	223 – 247
4.	SI TELE COMMUNICATION 09.11.2025 (S-1)	248 – 262
5.	राज. पुलिस उप निरीक्षक परीक्षा (15.09.2022)	263 – 278
6.	राज. पुलिस उप निरीक्षक परीक्षा (14.09.2022)	279 – 293
7.	राज. पुलिस उप निरीक्षक परीक्षा (13.09.2022)	294 – 309
8.	राज. पुलिस उप निरीक्षक परीक्षा (07.10.2018)	310 – 321
9.	राज. पुलिस उप निरीक्षक परीक्षा (25.05.2011)	322 – 337

❑ ❑ ❑ ❑

1. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि)
A. यद्यपि	I. विसर्ग संधि
B. विद्यार्थी	II. यण संधि
C. निश्चय	III. व्यंजन संधि
D. संगम	IV. दीर्घ संधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-II, B-IV, C-III, D-I
(b) A-III, B-I, C- II, D-IV
(c) A-II, B-IV, C-I, D- III
(d) A-IV, B-III, E-I, D- II

2. किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?
(a) संवाद = सम् + वाद
(b) समुद्रोर्मि = समुद्र + उर्मि
(c) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र
(d) सुषुप्ति = सु + सुप्ति

3. निम्नलिखित में त्रुटिपूर्ण संधि-विच्छेद है-
(a) षडानन = षट + आनन
(b) वाङ्मय = वाक् + मय
(c) आच्छादन = आ + छादन
(d) पित्रनुमति = पितृ + अनुमति

4. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) तिरः + कार = तिरस्कार (b) परः + पर = परस्पर
(c) पुरः + कृत = पुरष्कृत (d) श्रेयः + कर = श्रेयस्कर

5. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) निः + कपट = निष्कपट
(b) दुः + कर = दुष्कर
(c) आविः + कार = आविष्कार
(d) चतुः + पथ = चतुस्पथ

6. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) मनः + कामना = मनोकामना
(b) प्रातः + काल = प्रातःकाल
(c) अन्तः + करण = अन्तःकरण
(d) अधः + पतन = अधःपतन

7. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) दुः + चरित्र = दुश्चरित्र (b) निः + चय = निश्चय
(c) मनः + ताप = मनशताप (d) निः + तेज़ = निस्तेज

8. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) मनः + हर = मनोहर (b) वयः + वृद्ध = वयोवृद्ध
(c) यशः + दा = यशोदा (d) निः + रस = निरस

9. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि का भेद)
A. रमेश	I. अयादि स्वर संधि
B. पवन	II. वृद्धि स्वर संधि
C. एकैक	III. गुण स्वर संधि
D. स्वागत	IV. यण स्वर संधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-III, B-I, C-IV, D-II (b) A-III, B-I, C-II, D-IV
(c) A-IV, B-II, C-III, D-I (d) A-I, B-III, C-II, D-IV

10. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि का भेद)
A. उल्लास	I. जशत्व व्यंजन संधि (प्रथम वर्ण का तृतीय होना)
B. वागीश	II. अनुनासिक व्यंजन संधि (प्रथम वर्ण का पंचम होना)
C. सत्कार	III. ल्-त्व व्यंजन संधि (त्/द् का ल् होना)
D. उन्मुख	IV. चत्व व्यंजन संधि (द् का त् होना)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-III, B-I, C-IV, D-II (b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II (d) A-II, B-I, C-IV, D-III

11. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि का भेद)
A. मनोरथ	I. सकार (स्) विसर्ग संधि
B. नीरस	II. उत्व (ओ) विसर्ग संधि
C. दुराशा	III. विसर्ग लोप व स्वर दीर्घीकरण संधि
D. हरिश्चंद्र	IV. रत्व (र्) विसर्ग संधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-II, B-III, C-I, D-IV (b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I (d) A-IV, B-I, C-II, D-III

12. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (संधि का भेद)
A. उच्छवास	I. मूर्धन्यीकरण व्यंजन संधि (स् का ष् होना)
B. विषम	II. चकार-आगम व्यंजन संधि (च् का जुड़ना)
C. परिच्छेद	III. शकार-छकार विपरिवर्तन नियम
D. उज्ज्वल	IV. जकार-परिवर्तन व्यंजन संधि (त् का ज् होना)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-III, B-I, C-II, D-IV
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-II, C-I, D-IV
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

13. सूची-I में दिए गए शब्दों का मिलान सूची-II में दी गई उनकी उपयुक्त हिन्दी की अपनी (तद्भव) संधि के साथ कीजिए:

सूची-I (शब्द)	सूची-II (परिवर्तन का नियम)
A. कभी	I. आदि-स्वर का ह्रस्वीकरण (बड़े स्वर का छोटा होना)
B. लड़कपन	II. महाप्राणीकरण संधि (ब + ह = भ)
C. अमचूर	III. अंतिम स्वर का लोप
D. पोद्दार	IV. घोषीकरण संधि (त् का द् होना)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-II, B-I, C-IV, D-III
(b) A-II, B-I, C-III, D-IV
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

14. निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (उदाहरण समूह)	सूची-II (मुख्य संधि)
(A) नद्यामुख, मन्वन्तर, पित्र अनुमति	(1) अयादि स्वर संधि
(B) नायक, पवित्र, गवेषणा	(2) यण स्वर संधि
(C) मतैक्य, महौषध, धनैषणा	(3) दीर्घ स्वर संधि
(D) कपीन्द्र, चमूत्तम, होत्राकार	(4) वृद्धि स्वर संधि

कूट:
(a) A-2, B-1, C-4, D-3 (b) A-1, B-2, C-4, D-3
(c) A-2, B-1, C-3, D-4 (d) A-4, B-3, C-1, D-2

15. निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (उदाहरण समूह)	सूची-II (मुख्य संधि)
(A) उच्छृङ्खल, सच्छास्त्र, उच्छ्वसित	(1) चकार-आगम व्यंजन संधि
(B) छायांकन, मातृच्छाया, तरुच्छाया	(2) शकार-छकार विपरिवर्तन नियम
(C) रामायण, ऋण, विष्णवे	(3) मूर्धन्यीकरण व्यंजन संधि
(D) अनुषंग, निषेध, सुषुप्ति	(4) णत्व-विधान व्यंजन संधि

कूट:
(a) A-1, B-2, C-4, D-3 (b) A-2, B-1, C-4, D-3
(c) A-2, B-1, C-3, D-4 (d) A-3, B-4, C-1, D-2

16. निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (उदाहरण समूह)	सूची-II (मुख्य संधि)
(A) दुश्चरित्र, निश्चल, अंतश्चेतना	(1) मूर्धन्य 'ष्' विसर्ग संधि
(B) निस्तेज, मनस्ताप, दुस्तर	(2) तालव्य 'श्' विसर्ग संधि
(C) निष्पाप, दुष्कर्म, आविष्कृत	(3) दंत्य 'स्' विसर्ग संधि
(D) पुनरुक्ति, दुरात्मा, बहिरागत	(4) रत्व 'र्' विसर्ग संधि

कूट:
(a) A-2, B-3, C-1, D-4 (b) A-3, B-2, C-1, D-4
(c) A-2, B-3, C-4, D-1 (d) A-1, B-4, C-3, D-2

17. निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (उदाहरण समूह)	सूची-II (मुख्य संधि)
(A) चिन्मय, वाङ्मय, षण्मास	(1) ल्-त्व व्यंजन संधि
(B) अब्ज, सद्धर्म, अजन्त	(2) अनुनासिक व्यंजन संधि (प्रथम का पंचम वर्ण होना)
(C) उल्लास, तल्लीन, उल्लेख	(3) जशत्व व्यंजन संधि (प्रथम का तृतीय वर्ण होना)
(D) विपज्जाल, उज्ज्वल, तज्जन्य	(4) जकार-परिवर्तन व्यंजन संधि (त् का ज् होना)

कूट:
(a) A-3, B-2, C-1, D-4 (b) A-2, B-3, C-4, D-1
(c) A-2, B-3, C-1, D-4 (d) A-4, B-1, C-3, D-2

18. निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए–

सूची-I (उदाहरण समूह)	(मुख्य संधि / नियम)
(A) अक्षौहिणी, प्रौढ़, स्वाइरी	(1) विसर्ग का सुरक्षित रहना (प्रकृतिभाव)
(B) प्रातस्कण, मनसकामना, रजस्कण	(2) स्वर संधि के विशिष्ट नियम / अपवाद
(C) रमेश, जलोर्मि, महर्षि	(3) दंत्य 'स्' का आगम (विसर्ग अपवाद)
(D) प्रातःकाल, अंतःकरण, अधःपतन	(4) गुण स्वर संधि

कूट:
(a) A-2, B-3, C-4, D-1 (b) A-1, B-2, C-3, D-4
(c) A-2, B-4, C-3, D-1 (d) A-3, B-2, C-4, D-1

19. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद का अवलोकन कर सही युग्मों की पहचान कीजिए:
A. अन्वेषण = अनु + एषण **B. उल्लास = उल + लास**
C. निश्छल = निः + छल **D. स्वागत = स्व + आगत**
E. यशोदा = यशः + दा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल A, C और E (b) केवल B, D और E
(c) केवल A, B और C (d) केवल C, D और E

20. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद का अवलोकन कर सही युग्मों की पहचान कीजिए:
A. नयन = ने + अन **B. वागीश = वाक् + ईश**
C. रामायण = राम + आयण **D. गिरीश = गिरि + ईश**
E. निरोग = निर + ओग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल C, D और E (b) केवल A, B और C
(c) केवल A, B और D (d) केवल B, C और E

21. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद का अवलोकन कर गलत (त्रुटिपूर्ण) युग्मों की पहचान कीजिए:
A. महर्षि = महा + ऋषि **B. दिगंबर = दिग् + अंबर**
C. मनोरथ = मनो + रथ **D. पावक = पौ + अक**
E. उच्छवास = उत् + श्वास
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल A और D (b) केवल B और C
(c) केवल C और E (d) केवल B, C और D

22. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद का अवलोकन कर सही युग्मों की पहचान कीजिए:
A. परिच्छेद = परि + छेद **B. नमस्कार = नमः + कार**
C. मन्वन्तर = मन + अन्तर **D. उल्लेख = उद् + लेख**
E. एकैक = एक + एक
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल A, B, D और E (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, C और E (d) केवल C, D और E

23. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद का अवलोकन कर सही युग्मों की पहचान कीजिए:
A. अत्यावश्यक = अति + आवश्यक
B. सन्मार्ग = सत् + मार्ग
C. दुष्कर्म = दुस् + कर्म
D. कविन्द्र = कवि + इन्द्र
E. हरिश्चंद्र = हरि + चंद्र
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल B, C और E (b) केवल A, B और D
(c) केवल A, C और D (d) केवल A, B, D और E

24. निम्नांकित में से व्यंजन सन्धि का उदाहरण है:
(a) हिम+आलय = हिमालय (b) नदी+ईश = नदीश
(c) दया+आनंद = दयानंद (d) उत्+लेख = उल्लेख

25. इनमें से किस विकल्प में सही संधि विच्छेद है?
(a) मतैक्य - मत + ऐक्य (b) समुद्रोर्मि - समुद्र + उर्मी
(c) महौदार्य - महा + ओदार्य (d) महैश्वर्य - महा + एश्वर्य

26. संधि के नियमों की दृष्टि से सही विकल्प नहीं है-
(a) नमः + कार = नमस्कार (b) पुरः + कार = पुरस्कार
(c) भाः + स्कर = भास्कर (d) भा:+ पति = भास्पति

27. **वृद्धि संधि के संधि विच्छेद की दृष्टि से उपयुक्त उदाहरण नहीं है-**
(a) एक + एक = एकैक
(b) प्रति + एक = प्रत्येक
(c) सदा + एव = सदैव
(d) वन + औषध = वनौषध

28. **इनमें से किस विकल्प में सही संधि नहीं हुई है?**
(a) योगी+ईश =योगेश (b) षट्+आनन=षडानन
(c) नव+ऊढा=नवोढा (d) वर्षा+ऋतु = वर्षुर्तु

29. **किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है-**
(a) पर्याप्त=परि + आप्त (b) उत्तरायण= उत्तर+अयन
(c) मतैक्य = मत + एक्य (d) स्वच्छंद=स्व + छंद

30. **इनमें से किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?**
(a) स्वच्छ= सु + अच्छ (b) मतैक्य = मत + एक्य
(c) महीश = मही + ईश (d) विषाद = वि + साद

31. **किस विकल्प में गलत संधि-विच्छेद है?**
(a) सर्वेक्षण = सर्व+ ईक्षण (b) पुत्रैषणा पुत्र + ऐषणा
(c) उपर्युक्त = उपरि+उक्त (d) आशातीत= आशा+अतीत

32. **किस विकल्प में गलत संधि है?**
(a) दिक्+नाग = दिङ्नाग (b) पितृ+अनुमति= पित्रनुमति
(c) नदी+अर्पण = नद्यर्पण (d) सत् + शास्त्र = सद्शास्त्र

33. **किस क्रमांक में शब्द का सही संधि-विच्छेद है?**
(a) मरुद्धारिणी=मरुत्+धारिणी
(b) अन्वीक्षा-अनु + ईक्षा
(c) अभीप्सित-अभि+इप्सित
(d) अन्वेषणा-अनु+ऐषण

34. **संधि-विच्छेद का उदाहरण है-**
(a) तथैव = तथा + ऐव (b) स्वच्छ= स्व + च्छ
(c) महर्षि= महा + ऋषि (d) अन्वेषण-अनु+ऐषण

35. **इनमें से कौन-सा संधि-शब्द सही नहीं है-**
(a) रवि + इन्द्र = रविन्द्र (b) तथा+एव =तथैव
(c) निः+रोग = नीरोग (d) मनः+ताप = मनस्ताप

36. **इनमें से किस विकल्प का सही संधि है?**
(a) उत्तर + अयन= उत्तरायन (b) तथा + एव = तथेव
(c) सत् + मति =सद्मति (d) सत् + गति = सद्गति

37. **किस क्रम में अयादि संधि नहीं है?**
(a) नि + अस्त = न्यस्त (b) श्रौ + अंक = श्रावक
(c) गो + इन्द्र = गवेन्द्र (d) गै + अन = गायन

38. **निम्न उदाहरणों को उनके संधि रूपों के साथ सुमेलित कीजिए-**

(A) खगेश, सहोदर, प्रेक्षक	**(1) वृद्धि स्वर संधि**
(B) दिग्देवता, वाग्देवी, तन्मय	**(2) गुण स्वर संधि**
(C) पयोधर, सरोवर, पुरोधा	**(3) व्यंजन संधि**
(D) परमौदार्य, महौत्सुक्य, महैन्द्रजालिक	**(4) विसर्ग संधि**

कुट:
(a) A-2, B-3, C-4, D-1 (b) A-1, B-2, C-4, D-3
(c) A-3, B-2, C-4, D-1 (d) A-2, B-3, C-1, D-4

39. **इसमें से किस विकल्प की संधि सही नहीं है?**
(a) जल+ओघ=जलौघ (b) एक+एक=एकेक
(c) षट्+मास=षण्मास (d) सु+अच्छ=स्वच्छ

40. **इनमें कौन-सा संधि-शब्द गलत है?**
(a) मातृ+ आज्ञा = मात्राज्ञा (b) देवी+ अर्पण = देव्यर्पण
(c) वाक् + ईश = वागीश (d) वर्षा + ऋतु = वर्षार्तु

41. **किस क्रम में वृद्धि संधि नहीं है?**
(a) स्व + ऐच्छिक = स्वैच्छिक (b) महा + ऊर्जा = महोर्जा
(c) जल + ओक = जलौक (d) वसुधा + एव = वसुधैव

42. **किस क्रमांक में सही विच्छेद है-**
(a) वधूल्लास = वधु+उल्लास (b) पद्धति = पत्+हति
(c) कुलटा = कुल्+अटा (d) जलोर्मि=जल+उर्मि

43. **किस क्रमांक में सही सन्धि का उदाहरण है?**
(a) शिशु+ऐक्य = शिश्वैक्य (b) गो+इन्द्र = गावेन्द्र
(c) षट्+मुख = षड्मुख (d) चतुः+कपाल = चतुर्कपाल

44. **निम्नलिखित में से संधि से निर्मित सही शब्द नहीं है-**
(a) मही + इन्द्र = महेन्द्र (b) इति + आदि = इत्यादि
(c) उपरि + उक्त = उपर्युक्त (d) रवि + इन्द्र = रवीन्द्र

45. **किस क्रम में अयादि संधि का उदाहरण है?**
(a) देवी + अर्पण-देव्यर्पण (b) वि + ऊह-व्यूह
(c) दै + इनी- दायिनी (d) अभि + अर्थी-अभ्यर्थी

46. **निम्न में से कौन-सा संधि-विच्छेद स्वर संधि का उदाहरण नहीं है?**
(a) विद्या + आलय (b) वार्ता + आलाप
(c) रजनी + ईश (d) जगत् + नाथ

47. **किस क्रमांक में सही संधि हुई है?**
(a) पूर्व+अहन्=पूर्वाह्न (b) मीरा+अयन= मीरायन
(c) कृ+तव्य= कर्त्तव्य (d) मनस् + ईषा = मनीषा

48. **किस क्रम में संधि का सही प्रयोग नहीं हुआ है?**
(a) शब्द+इतर=शब्देतर (b) अनु+दित = अनुदित
(c) रजनी+ईश=रजनीश (d) अहम्+कार-अहंकार

49. **निम्नलिखित शब्दों के संधि-विच्छेद का अवलोकन कर सही युग्मों की पहचान कीजिए।**
A. प्रत्येक = प्रति + एक **B. निस्सार = नि: + सार**
C. सदैव = सत् + ऐव **D.अभ्युदय = अभि + उदय**
E. मनोबल = मनो + बल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) केवल C और E (b) केवल A, B और D
(c) केलव A, B, C और D (d) केवल C, D और E

50. **किस शब्द की संधि सही नहीं है?**
(a) सत् + मति = सन्मति (b) षट् + वदन =षडवदन
(c) तृष् + ना = तृष्णा (d) स्व + छंद = स्वच्छंद

51. **संधि-विच्छेद की दृष्टि से कौन-सा विकल्प सही नहीं है?**
(a) मतैक्य = मत + ऐक्य
(b) ऊहापोह = ऊह + अपोह
(c) अन्वीक्षण = अनु + ईक्षण
(d) विवादास्पद = विवाद + अस्पद

52. **निम्नलिखित में गलत संधि विच्छेद है -**
(a) निषेध = नि + सेध (b) पद्धति = पद् + हति
(c) जगदीश = जगत + ईश (d) प्रतिष्ठा = प्रति + स्था

53. **किस शब्द की संधि सही है?**
(a) गुरु + उपदेश = गुरुपदेश (b) उपरि + उक्त = उपरोक्त
(c) मही + इंद्र = महींद्र (d) मातृ + इच्छा = मातृच्छा

54. **किस शब्द का संधि-विच्छेद सही है?**
(a) सदाचार = सदा + आचार (b) पित्राज्ञा = पित्र + आज्ञा
(c) स्वल्प = स्व + अल्प (d) चिदाभास = चित् + आभास

55. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में सही संधि-विच्छेद है?**
(a) अम्बूर्मि = अम्बु + ऊर्मि (b) अन्वेषण = अनु + इषण
(c) अत्युत्तम = अति + उतम (d) अन्वय = अनु + वय

56. इनमें कौन-सा संधि-शब्द सही नहीं है?
(a) कृष्ण + अयन = कृष्णायन (b) वात + अयन = वातायन
(c) दक्षिण + अयन = दक्षिणायन (d) उत्तर + अयन = उत्तरायन

57. इनमें से कौन-सा संधि-शब्द सही है?
(a) प्रति + ईक्षा = प्रतिक्षा (b) नदी + अर्पण = नद्यार्पण
(c) सत् + नारी = सन्नारी (d) त्रि + अंबक = त्रयम्बक

58. इनमें से किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?
(a) निरीक्षण = नि: + इक्षण
(b) वयोवृद्ध = वय: + वृद्ध
(c) अंततोगत्वा = अन्तत: + गत्वा
(d) पुनरुक्ति = पुन: + उक्ति

59. इनमें से किस विकल्प में गलत संधि है?
(a) पितृ + आदेश = पित्रादेश (b) मधु + आलय = मध्वालय
(c) अति + ऊष्म = अत्यूष्म (d) गुरु + औदार्य = गुर्वोदार्य

60. किस शब्द की संधि सही नहीं है?
(a) तत् + उपरांत = तदोपरांत (b) षट् + आनन = षडानन
(c) वाक् + ईश = वागीश (d) सत् + चरित्र = सच्चरित्र

61. किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?
(a) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र (b) आद्योपांत = आदि + उपांत
(c) परिणत = परि + नत (d) अनुष्ठान = अनु + स्थान

62. इनमें से कौन-सा संधि-शब्द सही नहीं है?
(a) रवि + इन्द्र = रविन्द्र (b) तथा + एव = तथैव
(c) नि: + रोग = नीरोग (d) मन: + ताप = मनस्ताप

63. इनमें से कौन-सा संधि-शब्द गलत है?
(a) सत् + जन = सज्जन (b) चित् + मय = चिन्मय
(c) सत् + गति = सद्गति (d) सत् + मार्ग = सद्मार्ग

64. निम्नलिखित में से किस शब्द की संधि सही है?
(a) स्त्री + उचित = स्त्रीयोचित (b) गति + अवरोध = गत्यावरोध
(c) शीत + ऋतु = शीतर्तु (d) राम + ईश = रमेश

65. किस शब्द की संधि सही है?
(a) स्त्री + उचित = स्त्रीयोचित (b) नदी + अर्पण = नद्यार्पण
(c) एक + एक = एकेक (d) पितृ + अनुमति = पित्रनुमति

66. किस शब्द का संधि-विच्छेद गलत है?
(a) प्रतीक्षा = प्रति + इक्षा (b) मध्वरि = मधु + अरि
(c) यथेष्ट = यथा + इष्ट (d) पावक = पौ + अक

67. किस शब्द की संधि सही नहीं है?
(a) सत् + धर्म = सद्धर्म (b) सत् + नारी = सदनारी
(c) महा + उदय = महोदय (d) वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु

68. किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है?
(a) महामात्य = महा + आमात्य
(b) भयाक्रांत = भय + आक्रांत
(c) स्नेहाविष्ट = स्नेह + आविष्ट
(d) कंटकाकीर्ण = कंटक + आकीर्ण

69. इनमें से किस शब्द की संधि सही नहीं है?
(a) अधि + आदेश = अध्यादेश (b) अभि + आगत = अभ्यागत
(c) अधि + अधीन = अध्याधीन (d) अभि + अर्थी = अभ्यर्थी

70. किस विकल्प में सही संधि नहीं है?
(a) सत् + मति = सम्मति (b) सु + अल्प = स्वल्प
(c) लघु + उत्तर = लघूत्तर (d) उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट

71. इनमें से किस शब्द की संधि अशुद्ध है?
(a) देवी + अवतरण = देव्यवतरण
(b) स्त्री + उपयोगी = स्त्रीयोपयोगी
(c) अधि + अधीन = अध्यधीन
(d) सत् + मार्ग = सन्मार्ग

72. किस शब्द का संधि-विच्छेद अशुद्ध है?
(a) कदापि = कदा + अपि (b) जगज्जननी = जगत + जननी
(c) चिदानंद = चित् + आनंद (d) वीरांगना = वीर + अंगना

73. इनमें से किस विकल्प में संधि सही है?
(a) दिक् + मण्डल = दिग्मण्डल (b) एक + एक = एकैक
(c) स्त्री + उचित = स्त्रियोचित (d) पितृ + इच्छा = पितृच्छा

74. 'प्रेरणास्पद' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–
(a) प्रेरणा + स्पद (b) प्रेरणा + आस्पद
(c) प्रेरणा + पद (d) प्रेरणा + अस्पद

75. 'वृक्षच्छाया' का संधि-विच्छेद होगा-
(a) वृक्षः + छाया (b) वृक्षः + च्छाया
(c) वृक्षच् + छाया (d) वृक्ष + छाया

76. 'सद्भावना का संधि-विच्छेद है-
(a) स + भावना (b) स + द्भावना
(c) सद + भावना (d) सत् + भावना

♦♦♦♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [c]

व्याख्या:-

➢ यद्यपि = यदि + अपि (यण् स्वर संधि)
विद्यार्थी = विद्या + अर्थी (दीर्घ स्वर संधि)
निश्चय = नि: + चय (विसर्ग संधि)
संगम = सम् + गम (व्यंजन संधि)

2. [b]

व्याख्या:-

➢ संवाद = सम् + वाद (व्यंजन संधि)
समुद्रोर्मि = समुद्र + ऊर्मि (गुण स्वर संधि)
सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र (व्यंजन संधि)
सुषुप्ति = सु + सुप्ति (दीर्घ स्वर संधि)

3. [a]

व्याख्या:-

➢ **त्रुटिपूर्ण संधि-विच्छेद -** षडानन = षट + आनन
➢ **शुद्ध संधि-विच्छेद -** षडानन = षट् + आनन (व्यंजन संधि)
➢ वाङ्मय = वाक् + मय (व्यंजन संधि)
➢ आच्छादन = आ + छादन
➢ पित्रनुमति = पितृ + अनुमति (यण स्वर संधि)

4. [c]

व्याख्या:-

➢ विसर्ग संधि के नियमानुसार यदि विसर्ग से पहले 'अ' या 'आ' स्वर हो और बाद में 'क' वर्ण आए, तो विसर्ग का दंत्य **'स्'** हो जाता है। अतः पुरः + कृत मिलकर **'पुरस्कृत'** बनेगा, 'पुरष्कृत' (मूर्धन्य ष् के साथ) लिखना अशुद्ध है।
➢ अन्य सभी विकल्प— तिरस्कार, परस्पर, और श्रेयस्कर— नियम सम्मत और शुद्ध हैं।

5. [d]

व्याख्या:-

➢ नियम के अनुसार, यदि विसर्ग के पहले **'इ' या 'उ'** स्वर हो और बाद में क, ख, प, फ वर्ण आएँ, तो विसर्ग का मूर्धन्य **'ष्'** (षटकोण वाला) हो जाता है। इसलिए चतुः + पथ मिलकर **'चतुष्पथ'** बनेगा, 'चतुस्पथ' (दंत्य स् के साथ) लिखना अशुद्ध है।
➢ अन्य सभी विकल्प— निष्कपट, दुष्कर, और आविष्कार— इसी मूर्धन्यीकरण नियम के सटीक उदाहरण हैं।

6. [a]

व्याख्या:-

➢ विसर्ग संधि का एक विशेष अपवाद नियम है कि यदि विसर्ग के पहले 'अ' स्वर हो और बाद में 'क' या 'प' वर्ण आए, तो विसर्ग में **कोई परिवर्तन नहीं होता (प्रकृतिभाव)**, वह वैसा ही सुरक्षित रहता है। अतः मनः + कामना का शुद्ध संधि रूप **'मनःकामना'** ही रहता है, 'मनोकामना' लिखना व्याकरणिक रूप से अशुद्ध है।
➢ बाकी सभी विकल्प— प्रातःकाल, अन्तःकरण, और अधःपतन— विसर्ग सुरक्षित रहने के शुद्ध नियम पर आधारित हैं।

7. [c]

व्याख्या:-

➢ विसर्ग संधि के नियमानुसार, यदि विसर्ग के बाद 'त' या 'थ' वर्ण आए, तो विसर्ग का परिवर्तन दंत्य **'स्'** में होता है। अतः मनः + ताप मिलकर **'मनस्ताप'** बनता है, 'मनशताप' (श् के साथ) अशुद्ध रूप है।
➢ यदि विसर्ग के बाद 'च' या 'छ' आए, तो विसर्ग का तालव्य **'श्'** होता है (जैसे- दुश्चरित्र, निश्चय)।

8. [d]

व्याख्या:-

➢ विसर्ग संधि के विशिष्ट नियम के अनुसार, यदि विसर्ग के पहले ह्रस्व 'इ' या 'उ' हो और बाद में 'र' वर्ण आए, तो विसर्ग का लोप हो जाता है और विसर्ग के पहले का स्वर **दीर्घ** (बड़ा) हो जाता है। अतः निः + रस मिलकर **'नीरस'** बनता है (न में बड़ी 'ई' की मात्रा), 'निरस' लिखना अशुद्ध है।
➢ अन्य सभी विकल्प— मनोहर, वयोवृद्ध, और यशोदा— उत्व विसर्ग संधि (विसर्ग का 'ओ' होना) के बिल्कुल शुद्ध नियम पर आधारित हैं।

9. [b]

व्याख्या:-

➢ **रमेश** = रमा + ईश (आ + ई = ए, गुण स्वर संधि)
➢ **पवन** = पो + अन (ओ + अ = अव्, अयादि स्वर संधि)
➢ **एकैक** = एक + एक (अ + ए = ऐ, वृद्धि स्वर संधि)
➢ **स्वागत** = सु + आगत (उ + आ = वा, यण स्वर संधि)

10. [a]

व्याख्या:-

➢ **उल्लास** = उत् + लास (त् के बाद ल् आने पर त् का 'ल्' होना)
➢ **वागीश** = वाक् + ईश (क् का अपने वर्ग के तीसरे वर्ण 'ग्' में बदलना)
➢ **सत्कार** = सद् + कार (द् के बाद अघोष वर्ण आने पर द् का 'त्' होना)
➢ **उन्मुख** = उत् + मुख (त् का अपने वर्ग के पाँचवें वर्ण 'न्' में बदलना)

11. [c]

व्याख्या:-

➢ **मनोरथ** = मनः + रथ (विसर्ग का 'ओ' में परिवर्तन)
➢ **नीरस** = निः + रस (विसर्ग लोप होकर ह्रस्व 'नि' का दीर्घ 'नी' होना)
➢ **दुराशा** = निः + आशा - दुः + आशा (विसर्ग का 'र्' में परिवर्तन)
➢ **हरिश्चंद्र** = हरिः + चंद्र (विसर्ग के बाद च् होने से विसर्ग का 'श्' होना)

12. [a]

व्याख्या:-

➢ **उच्छ्वास** = उत् + श्वास (त् का च् और श् का छ् होना)
➢ **विषम** = वि + सम (इ स्वर के बाद आने वाले दंत्य 'स्' का मूर्धन्य 'ष्' होना)
➢ **परिच्छेद** = परि + छेद (स्वर के बाद छ् आने पर बीच में 'च्' का आगम)
➢ **उज्ज्वल** = उत् + ज्वल (त् के बाद ज् आने पर त् का 'ज्' होना)

13. [b]

व्याख्या:-

➢ **कभी** = कब + ही ('ब' और 'ह' मिलकर महाप्राण 'भ' बने)
➢ **लड़कपन** = लड़का + पन ('लड़का' के आदि-स्वर 'आ' का लोप/ह्रस्वीकरण होकर 'लड़क' बना)
➢ **अमचूर** = आम + चूर ('आम' के अंतिम स्वर 'अ' का लोप होकर 'अम' बना)
➢ **पोद्दार** = पोत + दार (त् के बाद घोष वर्ण आने से त् का 'द्' बना)

14. [a]

व्याख्या:-

➢ **नद्यामुख, मन्वन्तर, पित्रअनुमति - यण स्वर संधि** (नदी + आमुख, मनु + अन्तर, पितृ + अनुमति)
➢ **नायक, पवित्र, गवेषणा - अयादि स्वर संधि** (नै + अक, पो + इत्र, गो + एषणा)
➢ **मतैक्य, महौषध, धनैषणा - वृद्धि स्वर संधि** (मत + ऐक्य, महा + औषध, धन + एषणा)
➢ **कपीन्द्र, चमूत्तम, होत्राकार - दीर्घ स्वर संधि** (कपि + इन्द्र, चमू + उत्तम, होतृ + ऋकार)

15. [b]

व्याख्या:-

➢ **उच्छृङ्खल, सच्छास्त्र, उच्छ्वसित - शकार-छकार नियम** (उत् + शृंखल, सत् + शास्त्र, उत् + श्वसित - जहाँ त् का च् और श् का छ् होता है)

➢ **छायांकन, मातृच्छाया, तरुच्छाया - चकार-आगम नियम** (छाया + अंकन, मातृ + छाया, तरु + छाया - जहाँ स्वर के बाद छ् आने पर 'च्' का आगम होता है)

➢ **रामायण, ऋण, विष्णवे - णत्व-विधान नियम** (राम + अयन, ऋ + न, विष्णु + ए - जहाँ र्, ऋ, ष् के प्रभाव से न का ण होता है)

➢ **अनुषंग, निषेध, सुषुप्ति - मूर्धन्यीकरण नियम** (अनु + संग, नि + सेध, सु + सुप्ति - जहाँ इ/उ स्वर के बाद दंत्य स् का मूर्धन्य ष् होता है)

16. [a]

व्याख्या:

➢ **दुश्चरित्र, निश्चल, अंतश्चेतना - तालव्य 'श्' विसर्ग संधि** (दुः + चरित्र, निः + चल, अन्तः + चेतना - विसर्ग के बाद च्/छ् होने से)

➢ **निस्तेज, मनस्ताप, दुस्तर - दंत्य 'स्' विसर्ग संधि** (निः + तेज, मनः + ताप, दुः + तर - विसर्ग के बाद त्/थ् होने से)

➢ **निष्पाप, दुष्कर्म, आविष्कृत - मूर्धन्य 'ष्' विसर्ग संधि** (निः + पाप, दुः + कर्म, आविः + कृत - इ/उ के बाद क/प होने से)

➢ **पुनरुक्ति, दुरात्मा, बहिरागत - रत्व 'र्' विसर्ग संधि** (पुनः + उक्ति, दुः + आत्मा, बहिः + आगत - विसर्ग का र् होना)

17. [c]

व्याख्या:-

➢ **चिन्मय, वाङ्मय, षण्मास - अनुनासिक नियम** (चित् + मय, वाक् + मय, षट् + मास)

➢ **अब्ज, सद्धर्म, अजन्त - जशत्व नियम** (अप् + ज, सत् + धर्म, अच् + अन्त)

➢ **उल्लास, तल्लीन, उल्लेख - ल्-त्व नियम** (उत् + लास, तत् + लीन, उत् + लेख)

➢ **विपज्जाल, उज्ज्वल, तज्जन्य - जकार नियम** (विपत् + जाल, उत् + ज्वल, तत् + जन्य)

18. [a]

व्याख्या:-

➢ **अक्षौहिणी, प्रौढ़, स्वाइरी - स्वर संधि के अपवाद** (अक्ष + ऊहिनी, प्र + ऊढ़, स्व + ईरी - जहाँ नियमतः गुण होना चाहिए था परंतु वृद्धि हुई है)

➢ **प्रातस्कण, मनसकामना, रजस्कण - दंत्य 'स्' का आगम** (प्रातः + कण, मनः + कामना, रजः + कण - जहाँ विसर्ग सुरक्षित रहने के बजाय 'स्' का रूप लेता है)

➢ **रमेश, जलोर्मि, महर्षि - गुण स्वर संधि** (रमा + ईश, जल + ऊर्मि, महा + ऋषि)

➢ **प्रातःकाल, अंतःकरण, अधःपतन - विसर्ग का सुरक्षित रहना** (प्रातः + काल, अन्तः + करण, अधः + पतन)

19. [a]

व्याख्या:

➢ **A, C और E के विच्छेद पूर्णतः सही हैं:** अन्वेषण (यण संधि), निश्छल (विसर्ग संधि), यशोदा (विसर्ग संधि)।

➢ **त्रुटिपूर्ण युग्मों का शुद्ध रूप:**
उल्लास = **उत् + लास** (व्यंजन संधि)
स्वागत = **सु + आगत** (यण संधि)

20. [c]

व्याख्या:-

➢ **A, B और D के विच्छेद पूर्णतः सही हैं:** नयन (अयादि संधि), वागीश (व्यंजन संधि), गिरीश (दीर्घ संधि)।

➢ **त्रुटिपूर्ण युग्मों का शुद्ध रूप:**
रामायण = **राम + अयन** (व्यंजन/दीर्घ संधि - 'न' का 'ण' होना)
निरोग = **निः + रोग** (विसर्ग संधि - विसर्ग लोप व स्वर दीर्घीकरण)

21. [b]

व्याख्या:-

➢ **B और C के विच्छेद गलत हैं,** इसलिए कूट अनुसार यही सही उत्तर है।

➢ **त्रुटिपूर्ण युग्मों का शुद्ध रूप:**
दिगंबर = **दिक् + अंबर** (व्यंजन संधि - क् का ग् होना)
मनोरथ = **मनः + रथ** (विसर्ग संधि - विसर्ग का ओ होना)

➢ अन्य विकल्प (A, D, E) पूरी तरह शुद्ध हैं।

22. [a]

व्याख्या:-

➢ **A, B, D और E के विच्छेद पूर्णतः सही हैं:** परिच्छेद (चकार-आगम व्यंजन संधि), नमस्कार (विसर्ग संधि), उल्लेख (व्यंजन संधि - उद् या उत् दोनों मान्य हैं), एकैक (वृद्धि संधि)।

➢ **त्रुटिपूर्ण युग्म का शुद्ध रूप:**
मन्वन्तर = **मनु + अन्तर** (यण स्वर संधि - उ + अ = व होना)

23. [b]

व्याख्या:-

➢ **A, B और D के विच्छेद पूर्णतः सही हैं:** अत्यावश्यक (यण संधि), सन्मार्ग (व्यंजन संधि), कविन्द्र (दीर्घ संधि)।

➢ **त्रुटिपूर्ण युग्मों का शुद्ध रूप:**
दुष्कर्म = **निः/दुः + कर्म - दुः + कर्म** (विसर्ग संधि - विसर्ग का ष् होना)
हरिश्चंद्र = **हरिः + चंद्र** (विसर्ग संधि - विसर्ग का श् होना)

24. [d]

व्याख्या:-

व्यंजन संधि

➢ उत्+लेख = उल्लेख

➢ व्यंजन के बाद यदि किसी स्वर या व्यंजन के आने से उस व्यंजन में जो परिवर्तन होता है, वह 'व्यंजन संधि' कहलाता है।
उत् + घाटन = उद्घाटन

25. [a]

व्याख्या:-

➢ मतैक्य - मत + ऐक्य
समुद्रोर्मि - समुद्र + ऊर्मि
महौदार्य - महा +औदार्य
महैश्वर्य - महा + ऐश्वर्य

26. [c]

व्याख्या:-

➢ नमः + कार = नमस्कार (विसर्ग संधि)

➢ पुरः + कार = पुरस्कार (विसर्ग संधि)

➢ भाः+ पति = भास्पति (विसर्ग संधि)

➢ भाः + स्कर = भास्कर (विसर्ग संधि)

27. [b]

व्याख्या:-

➢ प्रति + एक = प्रत्येक (यण स्वर संधि)

➢ एक + एक = एकैक (वृद्धि स्वर संधि)

➢ सदा + एव = सदैव (वृद्धि स्वर संधि)

➢ वन + औषध = वनौषध (वृद्धि स्वर संधि)

28. [a]

व्याख्या:-

➢ विकल्प (a) में सही संधि नहीं हुई है।

➢ योगेश शब्द में गुण स्वर संधि है। इसका संधि विच्छेद है– योग + ईश = योगेश।

अन्य विकल्प–
- ➢ षट् + आनन = षडानन – व्यंजन सन्धि
- ➢ नव + ऊढा = नवोढा – गुण संधि
- ➢ वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु – गुण सन्धि

29. [c]
व्याख्या:-
➢ पर्याप्त = परि + आप्त (यण् स्वर संधि)
उत्तरायण = उत्तर+अयन (दीर्घ स्वर संधि)
मतैक्य = मत + ऐक्य (वृद्धि स्वर संधि)
स्वच्छंद = स्व + छंद (व्यंजन संधि)

30. [b]
व्याख्या:-
➢ मतैक्य = मत + ऐक्य (वृद्धि स्वर संधि)
अ/आ + ए/ऐ = ऐ
अ/आ + ओ/औ = औ

31. [b]
व्याख्या:-
➢ पुत्रैषणा शब्द का संधि विच्छेद गलत है जिसका सही रूप पुत्र + एषणा होगा।

32. [d]
व्याख्या:-
➢ सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र
➢ संधि का नियम (त् + श = च्छ) (व्यंजन संधि)
जैसे –
उत् + श्वास = उच्छ्वास
उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट

33. [b]
व्याख्या:-
- ➢ अन्वीक्षा–अनु + ईक्षा में सही संधि–विच्छेद है।
- ➢ "अन्वीक्षा" शब्द में यण संधि है।

34. [c]
व्याख्या:-
- ➢ तथैव = तथा + एव
- ➢ स्वच्छ = सु + अच्छ
- ➢ महर्षि = महा + ऋषि
- ➢ अन्वेषण = अनु + एषण

35. [a]
व्याख्या:-
- ➢ रवीन्द्र शब्द में **दीर्घ स्वर संधि** है।
- ➢ रवि + इन्द्र = रवीन्द्र

36. [d]
व्याख्या:-
- ➢ उत्तर + अयन= उत्तरायण (दीर्घ स्वर संधि)
- ➢ तथा + एव = तथैव (वृद्धि स्वर संधि)
- ➢ सत् + मति = सन्मति (व्यंजन संधि)

37. [a]
व्याख्या:-
➢ नि + अस्त = न्यस्त (यण् स्वर संधि)

38. [a]
व्याख्या:-
➢ सही उत्तर विकल्प (a) है।

खगेश, सहोदर, प्रेक्षक	**गुण स्वर संधि**
दिग्देवता, वाग्देवी, तन्मय	**व्यंजन संधि**
पयोधर, सरोवर, पुरोधा	**विसर्ग संधि**
परमौदार्य, महौत्सुक्य, महैन्द्रजालिक	**वृद्धि स्वर संधि**

39. [b]
व्याख्या:-
➢ एक + एक = एकैक (वृद्धि स्वर संधि)

40. [d]
व्याख्या:-
➢ वर्ष + ऋतु = वर्षर्तु (गुण संधि)

41. [b]
व्याख्या:-
➢ महा + ऊर्जा = महोर्जा (गुण संधि)

42. [b]
व्याख्या:-
➢ वधूल्लास = वधू +उल्लास (दीर्घ संधि)
कुलटा = कुल + अटा (दीर्घ संधि का अपवाद)
जलोर्मि=जल + ऊर्मि (गुण संधि)

43. [a]
व्याख्या:-
- ➢ गो + इन्द्र = गवेन्द्र (अयादि संधि)
- ➢ षट् + मुख = षण्मुख (व्यंजन संधि)
- ➢ चतु + कपाल = चतुष्कपाल (विसर्ग संधि)

44. [a]
व्याख्या:-
➢ मही + इन्द्र = महीन्द्र (दीर्घ स्वर संधि)

45. [c]
व्याख्या:-
➢ विकल्प (c) में अयादि संधि का उदाहण है।

46. [d]
व्याख्या:-
➢ जगत् + नाथ = जगन्नाथ (व्यंजन संधि)

47. [b]
व्याख्या:-
- ➢ विकल्प (b) ‘मीरा+अयन= मीरायन।’
- ➢ मीरायन" शब्द में गुण स्वर संधि है। इसका संधि विच्छेद है: "मीरा + आयन"।
- ➢ यहाँ "मीरा" के अंतिम वर्ण "अ" और "आयन" के पहले वर्ण "आ" के मिलने से "आ" बनता है, जो कि गुण स्वर संधि का नियम है।

48. [b]
व्याख्या:-
➢ अन् + उदित = अनुदित

49. [b]
व्याख्या:-
➢ सदैव = सदा + एव
मनोबल = मन: + बल

50. [b]
व्याख्या:-
➢ षट् + वदन = षड्वदन

51. [d]
व्याख्या:-
- ➢ मतैक्य = मत + ऐक्य (वृद्धि संधि)
- ➢ ऊहापोह = ऊह + अपोह (दीर्घ संधि)
- ➢ अन्वीक्षण = अनु + ईक्षण (यण् संधि)

52. [c]
व्याख्या:-
- ➢ निषेध = नि + सेध (व्यंजन संधि)
- ➢ पद्धति = पद् + हति (व्यंजन संधि)
- ➢ प्रतिष्ठा = प्रति + स्था (व्यंजन संधि)

53. [c]

व्याख्या:-

➢ उपरि + उक्त = उपर्युक्त (यण संधि)
➢ मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा (यण संधि)
➢ गुरु + उपदेश = गुरूपदेश (दीर्घ संधि)।
➢ आद्य + उपांत = आद्योपांत (गुण संधि)
➢ यथा + इष्ट (आ + इ = ए) = यथेष्ट (गुण संधि)

54. [d]

व्याख्या:-

➢ सदाचार = सत् + आचार (व्यंजन संधि)
➢ पित्राज्ञा = पितृ + आज्ञा (यण् संधि)
➢ स्वल्प = सु +अल्प (यण् संधि)
➢ पितृ + आदेश = पित्रादेश (यण् संधि)
➢ मधु + आलय = मध्वालय (यण् संधि)
➢ अति + ऊष्म = अत्यूष्म (यण् संधि)
➢ गुरु + औदार्य = गुर्योदार्य (यण् संधि)

55. [a]

व्याख्या:-

➢ अन्वेषण = अनु + एषण (यण् संधि)
➢ अत्युत्तम = अति + उत्तम (यण् संधि)
➢ अन्वय = अनु + अय (यण् संधि)
➢ स्त्री + उचित [ई + उ + यु] = स्व्युचित (यण् + संधि)
➢ नदी + अर्पण [ई + अ = य] = नद्यर्पण (यण् संधि)

56. [d]

व्याख्या:-

➢ उत्तर + अयन = उत्तरायण् होगा (दीर्घ संधि)

57. [c]

व्याख्या:-

➢ प्रति + इक्षा = प्रतीक्षा (दीर्घ संधि)
➢ नदी + अर्पण = नद्यर्पण (यण् संधि)
➢ त्रि + अंबक = त्र्यम्बक (यण् संधि)
➢ सत् + नारी = सन्नारी (व्यंजन संधि)

58. [a]

व्याख्या:-

➢ निरीक्षण = निः + ईक्षण

59. [d]

व्याख्या:-

➢ गुरु + औदार्य = गुर्वौदार्य (यण् संधि)

60. [a]

व्याख्या:-

➢ तत् + उपरांत = तदुपरांत

61. [b]

व्याख्या:-

➢ आद्य + उपांत = आद्योपांत (गुण संधि)

62. [a]

व्याख्या:-

➢ रवि + इंद्र (इ + इ= ई) = रवीन्द्र
➢ गिरि + ईश (इ + ई = ई) = गिरीश
➢ रजनी + ईश (ई + ई = ई) = रजनीश

63. [d]

व्याख्या:-

➢ सत् + मार्ग = सन्मार्ग
➢ वाक्+ईश = वागीश
➢ दिक्+गज = दिग्गज
➢ वाक्+दान = वाग्दान

64. [c]

व्याख्या:-

➢ स्त्री + उचित = स्र्युचित (यण् संधि)
➢ गति + अवरोध = गत्यवरोध (यण् संधि)
➢ रमा + ईश = रमेश (गुण संधि)

65. [d]

व्याख्या:-

➢ स्त्री + उचित = स्र्युचित (यण् संधि)
➢ नदी + अर्पण = नद्यर्पण (यण् संधि)
➢ एक + एक = एकैक (वृद्धि संधि)
➢ पितृ + अनुमति = पित्रनुमति (यण् संधि)

66. [a]

व्याख्या:-

➢ प्रतीक्षा = प्रति + ईक्षा (दीर्घ संधि)

67. [b]

व्याख्या:-

➢ सत् + नारी = सन्नारी (व्यंजन संधि)

68. [a]

व्याख्या:-

➢ महामात्य = महा + अमात्य (दीर्घ संधि)

69. [c]

व्याख्या:-

➢ अधि + अधीन = अध्यधीन (यण संधि)

70. [a]

व्याख्या:-

➢ सत् + मति = सन्मति (व्यंजन संधि)
नियम– त् + म = न्म

71. [b]

व्याख्या:-

➢ स्त्री + उपयोगी = स्र्युपयोगी (यण् स्वर संधि)

72. [b]

व्याख्या:-

➢ जगज्जननी = जगत् + जननी (व्यंजन संधि– त् का ज् हो जाता है।)

73. [b]

व्याख्या:-

➢ दिक् + मण्डल = दिङ्मण्डल
➢ स्त्री + उचित = स्र्युचित
➢ पितृ + इच्छा = पित्रिच्छा

74. [b]

व्याख्या:-

➢ प्रेरणास्पद = प्रेरणा + आस्पद

75. [d]

व्याख्या:-

➢ वृक्षच्छाया = वृक्ष + छाया (व्यंजन संधि)

76. [d]

व्याख्या:-

➢ **सद्भावना =** 'सत् + भावना (व्यंजन संधि)

♦♦♦♦

1. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (समास)	सूची-II (विशेषता)
(A) अव्ययीभाव समास	(I) जिस समास में दोनों खंड प्रधान न हो
(B) तत्पुरुष समास	(II) जिस समास का उत्तर खंड प्रधान
(C) द्वंद्व समास	(III) जिस समास के दोनों खंड प्रधान
(D) बहुव्रीहि समास	(IV) जिस समास का पूर्व खंड प्रधान

(a) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
(b) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
(c) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)
(d) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

2. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (समास) [3, 4]	सूची-II (उदाहरण / विग्रह)
(A) अव्ययीभाव समास	(I) माता और पिता (माता-पिता)
(B) तत्पुरुष समास	(II) नीला है जो कंठ जिसका अर्थात शिव (नीलकंठ)
(C) द्वंद्व समास	(III) शक्ति के अनुसार (यथाशक्ति)
(D) बहुव्रीहि समास	(IV) राजा का पुत्र (राजपुत्र)

(a) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
(b) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
(c) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(d) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

3. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (द्वंद्व समास के भेद)	सूची-II (उदाहरण)
(A) इतरेतर द्वंद्व	(I) थोड़ा-बहुत
(B) वैकल्पिक द्वंद्व	(II) दाल-रोटी
(C) समाहार द्वंद्व	(III) हरि-हर

(a) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III)
(b) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II)
(c) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I)
(d) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I)

4. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (तत्पुरुष के भेद)	सूची-II (उदाहरण)
(A) कर्म तत्पुरुष	(I) रोगमुक्त
(B) करण तत्पुरुष	(II) जेबकतरा
(C) सम्प्रदान तत्पुरुष	(III) तुलसीकृत
(D) अपादान तत्पुरुष	(IV) रसोईघर

(a) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)
(b) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(c) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)
(d) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

5. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (समास)	सूची-II (परिभाषा / विशेषता)
(A) द्विगु समास	(I) पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है।
(B) कर्मधारय समास	(II) पहला पद निषेध सूचक (न, अन) होता है।
(C) नञ् तत्पुरुष समास	(III) पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है।

(a) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III)
(b) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I)
(c) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II)
(d) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I)

6. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (शब्द)	सूची-II (समास)
(A) चंद्रमुख	(I) बहुव्रीहि समास
(B) पंचामृत	(II) कर्मधारय समास
(C) लंबोदर	(III) अव्ययीभाव समास
(D) आकंठ	(IV) द्विगु समास

(a) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
(b) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
(c) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
(d) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

7. जिस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता और दोनों पद मिलकर किसी तीसरे अर्थ की ओर संकेत करते हैं, उसे क्या कहते हैं?
(a) केवल बहुव्रीहि समास (b) केवल कर्मधारय समास
(c) केवल द्विगु समास (d) केवल तत्पुरुष समास

8. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) देशप्रेम = देश के लिए प्रेम
(b) ऋणमुक्त = ऋण से मुक्त
(c) वनवास = वन का वास
(d) गृहप्रवेश = गृह में प्रवेश

9. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) रसोईघर = रसोई के लिए घर
(b) राजमाता = राजा की माता
(c) घुड़सवार = घोड़े का सवार
(d) ध्यानावस्थित = ध्यान में अवस्थित

10. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) तुलसीकृत = तुलसी द्वारा कृत
(b) पापमुक्त = पाप और मुक्त
(c) रोगग्रस्त = रोग से ग्रस्त
(d) कष्टसाध्य = कष्ट से साध्य

11. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) पीतांबर = पीला है जो अंबर
(b) यथासमय = समय के अनुसार
(c) कृष्णसर्प = कृष्ण का सर्प
(d) नराधम = नरों में अधम

12. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) भरपेट = पेट भरकर
(b) जनार्दन = जनता के लिए अर्दन
(c) शताब्दी = शत (सौ) अब्दों (वर्षों) का समूह
(d) चंद्रशेखर = चंद्र है शिखर पर जिसके (शिव)

13. निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -
(a) आमरण - अव्ययीभाव समास
(b) चौराहा - द्विगु समास
(c) गुरुदक्षिणा - बहुव्रीहि समास
(d) लंबोदर - बहुव्रीहि समास

14. **निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -**
(a) पाप-पुण्य - द्वंद्व समास (b) महादेव - कर्मधारय समास
(c) प्रतिदिन - अव्ययीभाव समास (d) ऋणमुक्त - द्विगु समास

15. **निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -**
(a) राधेश्याम - द्वंद्व समास
(b) गजानन - अव्ययीभाव समास
(c) महाकवि - कर्मधारय समास
(d) हस्तलिखित - तत्पुरुष समास

16. **निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -**
(a) नीलकमल - कर्मधारय समास (b) आजन्म - अव्ययीभाव समास
(c) रोगमुक्त - द्वंद्व समास (d) जेबकतरा - तत्पुरुष समास

17. **निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -**
(a) पंचवटी - द्विगु समास (b) यथासमय - अव्ययीभाव समास
(c) देशाटन - कर्मधारय समास (d) भाई-बहन - द्वंद्व समास

18. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (समस्त पद) [1]	सूची–II (समास)
A. यथाशक्ति	I. बहुव्रीहि
B. देशभक्त	II. द्वंद्व
C. पीतांबर	III. तत्पुरुष
D. माता-पिता	IV. अव्ययीभाव

(a) A–IV, B–III, C–I, D–II (b) A–III, B–IV, C–II, D–I
(c) A–IV, B–I, C–III, D–II (d) A–I, B–III, C–IV, D–II

19. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (समस्त पद) [1]	सूची–II (तत्पुरुष के भेद)
A. कष्टसाध्य	I. अपादान तत्पुरुष
B. विद्यालय	II. अधिकरण तत्पुरुष
C. पथभ्रष्ट	III. करण तत्पुरुष
D. वनवास	IV. सम्प्रदान तत्पुरुष

(a) A–II, B–IV, C–I, D–III (b) A–III, B–IV, C–I, D–II
(c) A–III, B–I, C–IV, D–II (d) A–IV, B–III, C–II, D–I

20. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (समस्त पद) [1]	सूची–II (समास)
A. पंचवटी	I. कर्मधारय
B. घनश्याम	II. द्विगु
C. प्रतिदिन	III. बहुव्रीहि
D. चक्रपाणि	IV. अव्ययीभाव

(a) A–II, B–I, C–IV, D–III (b) A–I, B–II, C–IV, D–III
(c) A–II, B–III, C–IV, D–I (d) A–IV, B–I, C–II, D–III

21. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (समस्त पद) [1]	सूची–II (समास)
A. आमरण	I. नञ् तत्पुरुष
B. लंबोदर	II. कर्मधारय
C. अधर्म	III. अव्ययीभाव
D. नीलकमल	IV. बहुव्रीहि

(a) A–III, B–IV, C–I, D–II (b) A–IV, B–III, C–II, D–I
(c) A–III, B–I, C–IV, D–II (d) A–I, B–IV, C–III, D–II

22. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (समस्त पद) [1]	सूची–II (समास)
A. शरणागत	I. द्वंद्व
B. सतसई	II. अव्ययीभाव
C. बेफ़ायदा	III. तत्पुरुष
D. भला-बुरा	IV. द्विगु

(a) A–III, B–IV, C–II, D–I (b) A–IV, B–III, C–I, D–II
(c) A–III, B–II, C–IV, D–I (d) A–II, B–IV, C–III, D–I

23. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:**
कथन–I: द्विगु समास का पहला पद हमेशा संख्यावाचक विशेषण होता है और यह पूरे समूह का बोध कराता है।
कथन–II: वाक्य में जहाँ अल्पविराम से कुछ अधिक ठहरना हो, वहाँ पूर्ण विराम (।) चिह्न का प्रयोग होता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(b) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।
(c) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(d) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

24. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:**
कथन–I: अव्ययीभाव समास में शब्दों की पुनरावृत्ति होने पर भी अव्ययीभाव समास ही माना जाता है, जैसे 'हाथों-हाथ'।
कथन–II: जब किसी के कथन को ज्यों का त्यों उद्धृत किया जाता है, तब वहाँ कोष्ठक चिह्न ( ) का प्रयोग होता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

25. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:**
कथन–I: बहुव्रीहि समास में दोनों पद मिलकर किसी तीसरे (अन्य) पद की प्रधानता को दर्शाते हैं।
कथन–II: लिखते समय जब कोई शब्द या अंश छूट जाता है, तो उसे दिखाने के लिए हंसपद/त्रुटिबोधक चिह्न (^) का प्रयोग किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

26. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:**
कथन–I: कर्मधारय समास में पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है, या दोनों पदों में उपमान-उपमेय का संबंध होता है।
कथन–II: शब्दों को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए निर्देशक चिह्न (—) का प्रयोग किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।
(b) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(c) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(d) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

27. **नीचे दो कथन दिए गए हैं:**
कथन–I: तत्पुरुष समास में हमेशा पूर्व पद (पहला पद) प्रधान होता है और विग्रह करने पर विभक्तियाँ गायब हो जाती हैं।
कथन–II: प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में हमेशा प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग किया जाता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

28. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. विद्या और धन
B. तत्पुरुष	II. विद्या रूपी धन
C. द्वंद्व	III. विद्या के लिए धन

(a) A–II, B–III, C–I (b) A–I, B–II, C–III
(c) A–III, B–I, C–II (d) A–II, B–I, C–III

29. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. आनन्द में मग्न
B. तत्पुरुष	II. आनन्द रूपी मग्न
C. बहुव्रीहि	III. आनन्द ही है मग्न जिसका

(a) A–I, B–II, C–III (b) A–II, B–I, C–III
(c) A–III, B–I, C–II (d) A–II, B–III, C–I

30. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. महान है जो आत्मा
B. तत्पुरुष	II. महान आत्माओं का समूह
C. द्विगु	III. महान की आत्मा
D. बहुव्रीहि	IV. महान है आत्मा जिसकी (अर्थात् साधु)

(a) A–I, B–III, C–II, D–IV (b) A–IV, B–II, C–III, D–I
(c) A–I, B–II, C–III, D–IV (d) A–III, B–I, C–IV, D–II

31. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. कृष्ण और सर्प
B. तत्पुरुष	II. कृष्ण (काला) है जो सर्प
C. द्वंद्व	III. कृष्ण का सर्प

(a) A–II, B–III, C–I (b) A–I, B–II, C–III
(c) A–III, B–I, C–II (d) A–II, B–I, C–III

32. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. अम्बर (वस्त्र) और पीत (पीला)
B. द्वंद्व	II. पीला है जो अंबर
C. बहुव्रीहि	III. पीले हैं अम्बर (वस्त्र) जिसके (अर्थात् कृष्ण)

(a) A–II, B–I, C–III (b) A–I, B–II, C–III
(c) A–III, B–II, C–I (d) A–II, B–III, C–I

33. निम्न में से कौन-सा द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है?
(a) घर-आँगन (b) पाप-पुण्य
(c) लाभ-अलाभ (d) नेक-नाम

34. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) सुखप्रद = सुख देने वाला (b) जलमग्न = जल में मग्न
(c) आपबीती = अपने पर बीती (d) स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग में प्राप्त

35. समास की दृष्टि से कौनसा विकल्प असंगत है?
(a) देशभक्ति-संप्रदान तत्पुरुष
(b) विद्याभ्यास-संबंध तत्पुरुष
(c) कलाप्रवीण-अधिकरण तत्पुरुष
(d) पदच्युत-करण तत्पुरुष

36. निम्न में से द्वंद्व समास का उदाहरण नहीं है -
(a) सेठ - साहूकार (b) धर्माधर्म
(c) अठवाड़ा (d) पाप – पुण्य

37. निम्न में से शुद्ध विकल्प नहीं है -
(a) यथाविधि - अव्ययीभाव समास
(b) तुलसीकृत - द्वन्द्व समास
(c) नीलगाय - कर्मधारय समास
(d) राजपुत्र - तत्पुरुष समास

38. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए:

सूची–I (समस्त पद)	सूची–II (समास)
A. अनुरूप	I. तत्पुरुष
B. निर्भय	II. द्वंद्व
C. अमोघ	III. बहुव्रीहि
D. धनुर्बाण	IV. अव्ययीभाव

(a) A–II, B–III, C–IV, D–I
(b) A–IV, B–III, C–I, D–II
(c) A–I, B–IV, C–III, D–II
(d) A–III, B–I, C–II, D–IV

39. नीचे दो कथन दिए गए हैं–:
कथन–I– द्वंद्व समास के दो पदों के बीच योजक चिह्न का प्रयोग होता है।
कथन–II– विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा, प्रेम आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों के आगे निर्देशक चिह्न का प्रयोग होता है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(b) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।
(c) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(d) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

40. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए:

सूची–I (समास)	सूची–II (अर्थभेद)
A. कर्मधारय	I. सत्य और व्रत
B. तत्पुरुष	II. सत्य का व्रत
C. द्वंद्व	III. सत्य ही व्रत
D. बहुव्रीहि	IV. सत्य है व्रत जिसका

(a) A–II, B–IV, C–III, D–I (b) A–I, B–II, C–IV, D–III
(c) A–III, B–II, C–I, D–IV (d) A–III, B–I, C–II, D–IV

41. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन (I): 'हाथों–हाथ' में अव्ययीभाव समास है।
कथन (II): 'ध्यानमग्न' द्वंद्व समास का एक उदाहरण है।
उपर्युक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) कथन (I) गलत है, लेकिन कथन (II) सही है।
(b) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं।
(c) कथन (I) और (II) दोनों गलत हैं।
(d) कथन (I) सही है, लेकिन कथन (II) गलत है।

42. 'तत्पुरुष' समास के भेद हैं–
(A) इतरेतर (B) संप्रदान
(C) अपादान (D) समाहार
(E) अधिकरण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल (B), (C), और (E) (b) केवल (A), (B), और (C)
(c) केवल (B), (D), और (E) (d) केवल (A), (D), और (E)

43. सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए।

सूची–I (पद)	सूची–II (समास)
(A) देशभक्त	(I) द्वंद्व
(B) दोपहर	(II) द्विगु
(C) वीणापाणि	(III) तत्पुरुष
(D) शिवपार्वती	(IV) बहुव्रीहि

(a) (A)–(I), (B)–(II), (C)–(III), (D)–(IV)
(b) (A)–(II), (B)–(III), (C)–(IV), (D)–(I)
(c) (A)–(III), (B)–(II), (C)–(IV), (D)–(I)
(d) (A)–(IV), (B)–(I), (C)–(II), (D)–(III)

44. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) नरबलि – नर के लिए बलि
(b) हवन सामग्री – हवन के लिए सामग्री
(c) हाथ–पांव – हाथ पाँव आदि
(d) ऋषिराज – ऋषियों में राजा

45. किस सामासिक पद का विग्रह सही नहीं है?
(a) दिनोंदिन – दिन प्रतिदिन / दिन ही दिन में
(b) शोकाकुल – शोक से आकुल
(c) सत्याग्रह – सत्य का आग्रह
(d) सिरदर्द – सिर में दर्द

46. किस सामासिक पद का विग्रह त्रुटिपूर्ण है?
(a) स्मृतिभ्रंश – स्मृति का भ्रंश
(b) सुखासक्त – सुख में आसक्त
(c) सुधासिक्त – सुधा से सिक्त
(d) सुर–ताल – सुर के लिए ताल

47. समास–विग्रह की दृष्टि से असंगत विकल्प चुनिए:
(a) चक्षुश्रवा – वह जो चक्षुओं से देखता है।
(b) मंदोदरी – वह जिसका उदर मंद है।
(c) निर्जन – जो स्थान जन से रहित है।
(d) षाण्मातुर – छह माताओं वाला।

48. समास विग्रह की दृष्टि से असंगत विकल्प चुनिए:
(a) भोजनार्थ – भोजन के लिए
(b) जीवनभर – पूरे जीवन
(c) लाजवाब – जवाब के साथ
(d) देशाटन – देश में अटन

49. समास विग्रह की दृष्टि से कौन–सा विकल्प असंगत है?
(a) दीनानाथ – दीन का नाथ
(b) सर्वमन्य – सर्व में व्याप्त
(c) मीनाक्षी – मीन पर अक्षि
(d) यथेच्छा – इच्छा के अनुसार

50. समास के संबंध में असंगत कथन है–
(a) जहाँ प्रथम पद निषेध का वाचक हो उसे 'नञ् तत्पुरुष' समास कहते हैं।
(b) कर्मधारय विशेषण–विशेष्य का समास होता है।
(c) अधिकरण तत्पुरुष के समस्त पदों में अधिकरण कारक चिह्न 'में, पे, पर' का प्रयोग होता है।
(d) समस्त पद बनाते समय समास में प्रथम पद के साथ विभक्ति चिह्न का लोप किया जाता है।

51. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है?
(a) पाप–पुण्य (b) यथाशक्ति
(c) राजा–प्रजा (d) जीवन–मरण

52. 'पुत्रशोक' का सही सामासिक विग्रह तथा भेद है–
(a) पुत्र में शोक–तत्पुरुष समास
(b) पुत्र पर शोक–कर्मधारय समास
(c) पुत्र के लिए शोक–तत्पुरुष समास
(d) पुत्र और शोक–द्विगु समास

53. निम्नलिखित में से कौन–सा समास विग्रह सही नहीं है?
(a) धर्मपरायण – धर्म में परायण
(b) भयभीत – भय के द्वारा भीत
(c) कृष्णाश्रित – कृष्ण को आश्रित
(d) राष्ट्रपति – राष्ट्र का पति

54. सामासिक पदों में निहित समास के संबंध में अनुचित विकल्प चुनिए–
(a) गुरुदक्षिणा – कर्मधारय समास
(b) अत्युत्तम– अव्ययीभाव समास
(c) षड्ऋतु – द्विगु समास
(d) क्षपानाथ –बहुव्रीहि समास

55. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्द कर्मधारय समास के है?
(a) निशाचर, हुक्मनामा (b) पनभरा, छुटभैया
(c) शुभागमन, चरण–कमल (d) गृहस्थ, देशभक्ति

56. किस विकल्प के सभी शब्द संप्रदान तत्पुरुष समास के उदाहरण हैं?
(a) रसोईघर, देशभक्ति
(b) गुरुभाई, आशातीत
(c) राहखर्च, देश निकाला
(d) पदच्युत, रोकड़बही

57. किस विकल्प में सभी शब्द 'संप्रदान तत्पुरुष' समास के उदाहरण हैं?
(a) मुँहबोला, रसोईघर (b) पूजाघर, यशप्राप्त
(c) घोड़ागाड़ी, दानपेटी (d) सत्याग्रह, राहखर्च

58. कौन समास-विग्रह सही नहीं है?
(a) दाल-रोटी : दाल और रोटी
(b) पंचानन : पाँच हैं जिसके आनन (शिव)
(c) पुस्तकालय : पुस्तक और आलय
(d) सुलोचना : सुंदर हैं लोचन जिसके

♦♦♦♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [c]

व्याख्या:-

➢ **अव्ययीभाव समास** – पूर्व खंड (अव्यय) प्रधान, जैसे यथाशक्ति
➢ **तत्पुरुष समास** – उत्तर खंड प्रधान, जैसे देशभक्त
➢ **द्वंद्व समास** – दोनों खंड प्रधान, जैसे माता–पिता
➢ **बहुव्रीहि समास** – दोनों खंड गौण, तीसरा अर्थ प्रधान, जैसे दशानन

2. [a]

व्याख्या:-

➢ यथाशक्ति में अव्ययीभाव, राजपुत्र में तत्पुरुष (सम्बन्ध), माता-पिता में द्वंद्व और नीलकंठ में बहुव्रीहि समास है।

3. [b]

व्याख्या:-

➢ हरि-हर (हरि और हर) इतरेतर है। थोड़ा-बहुत (थोड़ा या बहुत) वैकल्पिक है। दाल-रोटी (दाल-रोटी आदि भोजन) समाहार द्वंद्व है।

4. [a]

व्याख्या:-

➢ जेब को कतरने वाला (कर्म), तुलसी द्वारा कृत (करण), रसोई के लिए घर (सम्प्रदान), रोग से मुक्त (अपादान)।

5. [c]

व्याख्या:-

➢ द्विगु में पहला पद संख्या (जैसे- चौराहा), कर्मधारय में उपमान-उपमेय/विशेषण-विशेष्य (जैसे- चरणकमल) और नञ् तत्पुरुष में नकारात्मकता (जैसे- अधर्म) होती है।

6. [a]

व्याख्या:-

➢ चंद्र के समान मुख (कर्मधारय), पांच अमृत्वों का समूह (द्विगु), लंबा है उदर जिनका अर्थात् गणेश (बहुव्रीहि), कंठ तक (अव्ययीभाव)।

7. [a]

व्याख्या:-

➢ बहुव्रीहि समास में दोनों पद गौण होते हैं और वे किसी अन्य संज्ञा के विशेषण के रूप में कार्य करते हैं। जैसे– 'दशानन' (दस हैं आनन जिसके अर्थात् रावण)।

8. [c]

व्याख्या:-

➢ 'वनवास' का सही विग्रह **'वन में वास'** (अधिकरण तत्पुरुष) होता है, न कि 'वन का वास'।

9. [c]

व्याख्या:-

➢ 'घुड़सवार' का सही विग्रह **'घोड़े पर सवार'** (अधिकरण तत्पुरुष) होता है।

10. [b]

व्याख्या:-

➢ 'पापमुक्त' का सही विग्रह **'पाप से मुक्त'** (अपादान तत्पुरुष) होता है, यह द्वंद्व समास नहीं है।

11. [c]

व्याख्या:-

➢ 'कृष्णसर्प' का सही विग्रह **'कृष्ण (काला) है जो सर्प'** (कर्मधारय समास) होता है, यहाँ 'कृष्ण' रंग की विशेषता बता रहा है।

12. [b]

व्याख्या:-

➢ 'जनार्दन' का सही विग्रह **'जन (जनता) को अर्दित (याचना/नाश) करने वाले अर्थात् विष्णु'** (बहुव्रीहि समास) होता है।

13. [c]

व्याख्या:-

➢ 'गुरुदक्षिणा' का समास विग्रह **'गुरु के लिए दक्षिणा'** होता है, जो कि **सम्प्रदान तत्पुरुष समास** का उदाहरण है, बहुव्रीहि का नहीं।

14. [d]

व्याख्या:-

➢ 'ऋणमुक्त' का समास विग्रह **'ऋण से मुक्त'** होता है। यहाँ अलग होने का भाव है, इसलिए यह **अपादान तत्पुरुष समास** का उदाहरण है।

15. [b]

व्याख्या:-

➢ 'गजानन' का समास विग्रह **'गज के समान आनन (मुख) है जिसका अर्थात् गणेश'** होता है। यह **बहुव्रीहि समास** का उदाहरण है।

16. [c]

व्याख्या:-

➢ 'रोगमुक्त' का समास विग्रह **'रोग से मुक्त'** होता है, जो कि **अपादान तत्पुरुष समास** का उदाहरण है।

17. [c]

व्याख्या:-

➢ 'देशाटन' का समास विग्रह **'देश में अटन (भ्रमण)'** होता है, जो कि **अधिकरण तत्पुरुष समास** का उदाहरण है।

18. [a]

व्याख्या:-

➢ यथाशक्ति (शक्ति के अनुसार) – अव्ययीभाव, देशभक्त (देश का भक्त) – तत्पुरुष, पीतांबर (पीला है वस्त्र जिसका अर्थात् कृष्ण) – बहुव्रीहि, माता-पिता (माता और पिता) – द्वंद्व समास।

19. [b]

व्याख्या:-

➢ कष्टसाध्य (कष्ट से साध्य) – करण, विद्यालय (विद्या के लिए आलय) – सम्प्रदान, पथभ्रष्ट (पथ से भ्रष्ट/अलग) – अपादान, वनवास (वन में वास) – अधिकरण तत्पुरुष।

20. [a]

व्याख्या:-

➢ पंचवटी (पाँच वटों का समूह) – द्विगु, घनश्याम (घन के समान श्याम) – कर्मधारय, प्रतिदिन (प्रत्येक दिन) – अव्ययीभाव, चक्रपाणि (चक्र है पाणि/हाथ में जिसके अर्थात् विष्णु) – बहुव्रीहि समास।

21. [a]

व्याख्या:-

➢ आमरण (मरण तक) – अव्ययीभाव, लंबोदर (लंबा है उदर जिसका अर्थात् गणेश) – बहुव्रीहि, अधर्म (न धर्म) – नञ् तत्पुरुष, नीलकमल (नीला है जो कमल) – कर्मधारय समास।

22. [a]

व्याख्या:-

➢ शरणागत (शरण को आगत) – तत्पुरुष, सतसई (सात सौ का समाहार) – द्विगु, बेफ़ायदा (फ़ायदे के बिना) – अव्ययीभाव, भला-बुरा (भला या बुरा) – द्वंद्व समास।

23. [a]

व्याख्या:-

➢ कथन-I सत्य है क्योंकि द्विगु समास की यही विशेषता है (जैसे- चौराहा)। कथन-II असत्य है, क्योंकि अल्पविराम से कुछ अधिक ठहरने के लिए **अर्धविराम (;)** का प्रयोग होता है, पूर्ण विराम का नहीं।

24. [c]

व्याख्या:-

➢ कथन-I बिल्कुल सत्य है, शब्दों के दोहराव वाले पद अव्ययीभाव होते हैं (जैसे- रातों-रात, साफ-साफ)। कथन-II असत्य है, क्योंकि किसी के कथन को हूबहू लिखने के लिए **उद्धरण चिह्न (" ") या अवतरण चिह्न** का प्रयोग किया जाता है।

25. [a]

व्याख्या:-

➢ दोनों कथन सत्य हैं। बहुव्रीहि में तीसरा अर्थ प्रधान होता है (जैसे- लंबोदर)। इसी तरह, वाक्य में छूटे हुए शब्द को लिखने के लिए हंसपद चिह्न (^) का ही प्रयोग किया जाता है।

26. [b]

व्याख्या:-

➢ कथन-I सत्य है (जैसे- चरणकमल, नीलकमल)। कथन-II असत्य है, क्योंकि शब्दों को छोटा या संक्षिप्त करने के लिए **लाघव चिह्न (०)** का प्रयोग किया जाता है, जैसे 'डॉक्टर' के लिए 'डॉ०'।

27. [d]

व्याख्या:-

➢ कथन-I असत्य है, क्योंकि तत्पुरुष समास में पहला पद नहीं, बल्कि **उत्तर पद (दूसरा पद) प्रधान** होता है। कथन-II पूरी तरह सत्य है क्योंकि प्रश्न पूछने वाले वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगता है।

28. [a]

व्याख्या:-

➢ विद्या रूपी धन (विद्याधन) में **कर्मधारय** (रूपक अलंकार व विशेषण-विशेष्य भाव) है। विद्या के लिए धन (विद्या-धन जैसे पाठशाला फंड) में **सम्प्रदान तत्पुरुष** है। विद्या और धन में दोनों पद प्रधान होने से **द्वंद्व समास** है।

29. [b]

व्याख्या:-

➢ आनन्द रूपी मग्न या आनन्द रूपी रस **कर्मधारय** के अंतर्गत आता है। आनन्द में मग्न (आनन्दमग्न) **अधिकरण तत्पुरुष** का सटीक उदाहरण है। 'आनन्द ही है मग्न जिसका' (विशेष व्यक्ति हेतु) **बहुव्रीहि समास** की विशेषता प्रकट करता है।

30. [a]

व्याख्या:-

➢ महान है जो आत्मा (महात्मा) – **कर्मधारय**। महान की आत्मा – **सम्बन्ध तत्पुरुष**। महान आत्माओं का समूह – **द्विगु** (संख्या/समूहवाचक दृष्टि से)। महान है आत्मा जिसकी अर्थात् विशेष व्यक्ति – **बहुव्रीहि समास**।

31. [a]

व्याख्या:-

➢ कृष्ण (काला) है जो सर्प (कृष्णसर्प) में विशेषण होने से **कर्मधारय** है। कृष्ण का सर्प में सम्बन्ध विभक्ति के कारण **तत्पुरुष** है। कृष्ण और सर्प (दोनों अलग-अलग संज्ञा पद) होने से **द्वंद्व समास** है।

32. [a]

व्याख्या:-

➢ पीला है जो अंबर (पीतांबर) – **कर्मधारय** (विशेषण-विशेष्य)। अम्बर और पीत – **द्वंद्व समास**। पीले हैं अम्बर जिसके अर्थात् श्री कृष्ण – **बहुव्रीहि समास** (अन्य पद प्रधान)।

33. [d]

व्याख्या:-

➢ जब दो या अधिक शब्द समान रूप से प्रधान होते हैं और उनका योगात्मक (और) अर्थ निकलता है, तो वहाँ द्वंद्व समास होता है; जैसे - राम-लक्ष्मण (राम और लक्ष्मण), पाप-पुण्य (पाप और पुण्य) आदि।

➢ नेक-नाम द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है।

34. [d]

व्याख्या:-

➢ स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त (कर्म तत्पुरुष समास)

35. [d]

व्याख्या:-

➢ विद्याभ्यास – संबंध तत्पुरुष (का/ की/ के)

➢ विद्याभ्यास = विद्या का अभ्यास

➢ देशभक्ति – संप्रदान तत्पुरुष (के लिए)

➢ देशभक्ति = देश के लिए भक्ति

➢ कलाप्रवीण – अधिकरण तत्पुरुष (में/पर)

➢ कलाप्रवीण = कला में प्रवीण

➢ पदच्युत – अपादान तत्पुरुष (से अलग होना)

➢ पदच्युत = पद से च्युत (गिरा हुआ)

36. [c]

व्याख्या:-

➢ द्वंद्व समास में दो या दो से अधिक समान महत्व वाले शब्द जुड़ते हैं, और उनमें "और", "या" जैसे अर्थ छिपे होते हैं।

उदाहरण: राम-लक्ष्मण, पाप–पुण्य, धर्म–अधर्म आदि। दोनों पद प्रधान होते हैं।

सेठ – साहूकार (द्वन्द्व समास)

➢ दोनों शब्द समान अर्थ के हैं और मिलकर एक ही प्रकार के व्यक्ति को सूचित करते हैं।

➢ पाप-पुण्य – पाप और पुण्य (द्वन्द्व समास)

➢ धर्माधर्म – धर्म या अधर्म (द्वन्द्व समास)

37. [b]

व्याख्या:-

➢ तुलसीकृत - द्वन्द्व समास यह सही सुमेलित नहीं है।

➢ तुलसीकृत का समास विग्रह "तुलसी द्वारा रचित" होगा, जो तत्पुरुष समास (करण तत्पुरुष) का उदाहरण है।

38. [b]

व्याख्या:-

➢ अनुरूप (रूप के अनुकूल) – **अव्ययीभाव समास** (प्रथम पद अव्यय)

➢ निर्भय (जिसका भय नहीं) – **बहुव्रीहि समास** (तीसरा अर्थ: व्यक्ति)

➢ अमोघ (जो मोघ न हो) – **तत्पुरुष समास** (नञ् तत्पुरुष)

➢ धनुर्बाण (धनुष और बाण) – **द्वंद्व समास** (दोनों पद समान)

39. [a]

व्याख्या:-

- कथन–I सत्य है, क्योंकि द्वंद्व समास में पदों के बीच योजक चिह्न (–) प्रयोग होता है, जैसे 'माता–पिता'।
- कथन–II असत्य है, क्योंकि विस्मय, हर्ष आदि भावों के लिए विस्मयादि चिह्न (!) प्रयोग होता है, न कि निर्देशक चिह्न (:), जो व्याख्या या सूची के लिए प्रयुक्त होता है।

40. [c]

व्याख्या:-

- कर्मधारय – सत्य ही व्रत (विशेषण–विशेष्य)
- तत्पुरुष– सत्य का व्रत (षष्ठी तत्पुरुष)
- द्वंद्व– सत्य और व्रत (समान महत्व)
- बहुव्रीहि– सत्य है व्रत जिसका (तीसरा अर्थ)

41. [d]

व्याख्या:-

- कथन (I) सही है, क्योंकि 'हाथों–हाथ' (हाथ से हाथ) **अव्ययीभाव समास** है।
- कथन (II) गलत है, क्योंकि 'ध्यानमग्न' (ध्यान में मग्न) **तत्पुरुष समास** (सप्तमी तत्पुरुष) है, न कि द्वंद्व समास है।

42. [a]

व्याख्या:-

- तत्पुरुष समास के भेद **कारक के आधार** पर होते हैं, जिनमें संप्रदान (चतुर्थी, जैसे 'पितृभक्त'), अपादान (पंचमी, जैसे 'पापमुक्त'), और अधिकरण (सप्तमी, जैसे 'वनवास') शामिल हैं।
- **इतरेतर (द्वंद्व का प्रकार)** और **समाहार (द्वंद्व का भेद)** के भेद हैं।

43. [c]

व्याख्या:-

- देशभक्त (देश का भक्त) – **तत्पुरुष समास (षष्ठी)**
- दोपहर (दो पहर का समूह) – **द्विगु समास (संख्या–संज्ञा)**
- वीणापाणि (वीणा हाथ में रखने वाला) – **बहुव्रीहि समास (तीसरा अर्थ)**
- शिव पार्वती (शिव और पार्वती) – **द्वंद्व समास (समान महत्व)**

44. [a]

व्याख्या:-

- 'नरबलि' का सही विग्रह है= 'नर की बलि' (षष्ठी तत्पुरुष), न कि 'नर के लिए बलि' (**संप्रदान तत्पुरुष समास**)।
- हवन सामग्री = **संप्रदान तत्पुरुष समास**
- हाथ–पांव = **द्वंद्व समास**,
- ऋषिराज = **कर्मधारय समास**

45. [c]

व्याख्या:-

- **'सत्याग्रह'** का सही विग्रह है= 'सत्य के लिए आग्रह' (संप्रदान तत्पुरुष), न कि 'सत्य का आग्रह' (षष्ठी तत्पुरुष)।
- दिनोंदिन = (**अव्ययीभाव समास**)
- शोकाकुल = (**करण तत्पुरुष समास**)
- सिरदर्द= (**अधिकरण तत्पुरुष समास**) के विग्रह सही हैं।

46. [d]

व्याख्या:-

- 'सुर–ताल' का सही विग्रह है = 'सुर और ताल' (द्वंद्व समास), न कि 'सुर के लिए ताल' = (**संप्रदान तत्पुरुष समास**)।
- स्मृतिभ्रंश = (**षष्ठी तत्पुरुष समास**),
- सुखासक्त = (अधिकरण तत्पुरुष),
- सुधासिक्त = (करण तत्पुरुष) के विग्रह सही हैं।

47. [a]

व्याख्या:-

- 'चक्षुश्रवा' का सही विग्रह है 'चक्षु से श्रवण करने वाला' (बहुव्रीहि, जैसे ऐरावत), न कि 'वह जो चक्षुओं से देखता है' (गलत अर्थ)।

48. [c]

व्याख्या:-

- 'लाजवाब' का सही विग्रह है= 'जवाब से रहित' (नञ् तत्पुरुष), न कि 'जवाब के साथ' (गलत अर्थ)।

49. [c]

व्याख्या:-

- 'मीनाक्षी' का सही विग्रह है= 'मीन–जैसी अक्षि' (कर्मधारय, मछली – जैसी आँखों वाली), न कि 'मीन पर अक्षि' (गलत अर्थ)।
- दीनानाथ (षष्ठी तत्पुरुष),
- सर्वमन्य (अधिकरण तत्पुरुष),
- यथेच्छा (अव्ययीभाव) सही हैं।

50. [c]

व्याख्या:-

- **अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष)** में कारक चिह्न 'में, पर' विग्रह में होते हैं, जैसे 'वनवास' (वन में वास), लेकिन समस्त पद में ये लुप्त हो जाते हैं।
- कथन [c] गलत है, क्योंकि समस्त पद में कारक चिह्न नहीं रहता।

अन्य उदाहरण–

- चार है आनन जिसके अर्थात् –ब्रह्मा
- तीन है नेत्र जिसके अर्थात्– शिव

51. [b]

व्याख्या:-

- विकल्प 2 यथाशक्ति शब्द **द्वन्द्व समास** का उदाहरण नहीं है, क्योंकि यह शब्द **अव्ययीभाव समास** का उदाहरण है।
- अन्य तीनों विकल्पों में द्वन्द्व समास हैं।
- पाप–पुण्य = पाप और पुण्य
- राजा– प्रजा = राजा और प्रजा
- जीवन– मरण = जीवन और मरण

52. [c]

व्याख्या:-

- पुत्रशोक' शब्द का सही सामासिक विग्रह और समास भेद इस प्रकार है-
- पुत्रशोक –पुत्र के लिए शोक
- पुत्रशोक शब्द में **संप्रदान तत्पुरुष समास** है।

53. [b]

व्याख्या:-

- विकल्प 2 भयभीत– भय के द्वारा भीत समास विग्रह सही नहीं है। इसका समास विग्रह इस प्रकार होगा– भयभीत– भय से भीत (डरा हुआ) करण तत्पुरुष समास।
- धर्मपरायण – धर्म में परायण (अधिकरण तत्पुरुष)
- राष्ट्रपति – राष्ट्र का पति (संबंध तत्पुरुष)

54. [a]

व्याख्या:-

- गुरुदक्षिणा– कर्मधारय समास विकल्प 1 अनुचित है, क्योंकि गुरुदक्षिणा शब्द में **कर्मधारय नहीं बल्कि** तत्पुरुष समास समास होगा।
- गुरु के लिए दक्षिणा
- अत्युत्तम– उत्तम से अधिक (अव्ययीभाव समास)
- षडऋतु – छह ऋतुओं का समूह (द्विगु समास)

55. [c]

व्याख्या:-

- ➢ कर्मधारय समास में एक पद विशेष या उपमेय तथा एक पद विशेष या उपमान होता है।
- ➢ शुभागमन = शुभ है जो आगमन। (कर्मधारय समास)
- ➢ चरण–कमल = चरण है जिसके कमल से। (कर्मधारय समास)
- ➢ निशाचर = निशा में विचरण करने वाला (राक्षस) (बहुव्रीही समास)
- ➢ हुक्मनामा = हुक्म का नाम (तत्पुरुष समास)
- ➢ छुटभैया = जो भैया छोटा हो। (नेताओं का पिट्टू) (बहुव्रीही समास)
- ➢ गृहस्थ = गृह में स्थित (तत्पुरुष समास)
- ➢ देशभक्त = देश की भक्ति (तत्पुरुष समास)

56. [a]

व्याख्या:-

- ➢ जिस समस्तपद में दूसरा पद प्रधान हो और प्रथम पद के कारक – चिह्न का लोप हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
- ➢ विभक्तियों के आधार तत्पुरुष समास के निम्नलिखित छः भेद हैं–
  (क) कर्म तत्पुरुष – स्वर्गगत = स्वर्ग को गया हुआ
  (ख) करण तत्पुरुष – गुणहीन = गुणों से हीन
  (ग) सम्प्रदान तत्पुरुष – मार्ग–व्यय = मार्ग के लिए व्यय
  (घ) अपादान तत्पुरुष – पथभ्रष्ट = पथ से भ्रष्ट
  (ङ) संबंध तत्पुरुष – कुलदीप = कुल का दीप
  (च) अधिकरण तत्पुरुष – आप–बीती = आप पर बीती
- ➢ रसोईघर – रसोई के लिए घर (सम्प्रदान तत्पुरुष)
- ➢ देशभक्ति– देश के लिए भक्ति (सम्प्रदान तत्पुरुष)

57. [d]

व्याख्या:-

- ➢ जिस समस्तपद में दूसरा पद प्रधान हो और प्रथम पद के कारक–चिह्न का लोप हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
- ➢ सम्प्रदान तत्पुरुष - इसमें दो पदों के बीच सम्प्रदान कारक छिपा होता है। सम्प्रदान कारक का चिह्न या विभक्ति “के लिए” होती है।

विद्यालय	विद्या के लिए आलय
रसोईघर	रसोई के लिए घर
सभाभवन	सभा के लिए भवन
विश्रामगृह	विश्राम के लिए गृह
गुरुदक्षिणा	गुरु के लिए दक्षिणा
प्रयोगशाला	प्रयोग के लिए शाला
देशभक्ति	देश के लिए भक्ति
परीक्षाभवन	परीक्षा के लिए भवन
स्नानघर	स्नान के लिए घर
बालामृत	बालकों के लिए अमृत
सभामंडप	सभा के लिए मंडप
सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह
यज्ञशाला	यज्ञ के लिए शाला
डाकगाड़ी	डाक के लिए गाड़ी

58. [c]

व्याख्या-

- ➢ दाल-रोटी - दाल और रोटी= द्वन्द्व समास
- ➢ पंचानन- पाँच है जिसके आनन (शिव) = बहुव्रीहि समास
- ➢ सुलोचना - सुंदर है लोचन जिसके = बहुव्रीहि समास
- ➢ पुस्तकालय- पुस्तक के लिए आलय = तत्पुरुष समास

♦♦♦♦

1. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है–**
(a) आबालवृद्ध, अपकीर्ति
(b) झगड़ालू, ससुराल
(c) अलौकिकता, प्रशासनिक
(d) अनुकरणीय, निश्चल

2. **इनमें से किस विकल्प के सभी शब्दों में एक से अधिक उपसर्गों का प्रयोग हुआ है?**
(a) असुरक्षित, अत्यंत (b) अत्याचार, अध्यात्म
(c) निकृष्ट, अभ्यर्थी (d) प्रत्याघात, अप्रत्यक्ष

3. **'अभि' उपसर्ग किस अर्थ में प्रयुक्त होता है?**
(a) अपवाद, विपरीत (b) सामने, पास, विशेष
(c) नीचा, बुरा, हीन (d) पीछे, समान

4. **किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?**
(a) उज्ज्वल, धीमान् (b) क्रमशः, अभ्यागत
(c) मनस्वी, स्वत्व (d) उल्लेख, उद्घाटन

5. **इनमें से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है–**
(a) अप्रत्याशित, करणीय (b) परिपूर्णता, अधार्मिक
(c) अनुमानित, अत्याचार (d) घुमक्कड़, मुस्कराहट

6. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है–**
(a) उनतीस, वर्तमान (b) भुलक्कड़, हँसोड़ा
(c) फिलहाल, अधकचरा (d) सुवासिक, अभिमानी

7. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'प्रति' उपसर्ग का प्रयोग है?**
A. प्रत्येक **B. प्रयोग**
C. प्रसार **D. प्रतिकार**
E. प्रत्यक्ष
(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और D
(c) केवल C, D और E (d) केवल A, D और E

8. **सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए–**

सूची–I (उपसर्ग/प्रत्यय)	सूची–II (शब्द रूप)
A. प्रति	I. संस्कार
B. सम्	II. कृत्य
C. य	III. प्रतिकार
D. मान	IV. विद्यमान

(a) A–IV, B–II, C–III, D–I
(b) A–III, B–I, C–II, D–IV
(c) A–I, B–IV, C–II, D–III
(d) A–II, B–III, C–I, D–IV

9. **'प्र' उपसर्ग से बने शब्द का चयन कीजिए।**
1. प्रा + बल **2. प्र + बल**
3. प्राब + ल **4. प्रति + बल**
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) केवल 4

10. **किस विकल्प में 'प्र' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) प्रणाम, प्रदान, प्रकाशन (b) प्रणव, प्रदर्शन, प्रकट
(c) प्रण, प्रताप, प्रकृति (d) प्रणय, प्रतीक्षा, प्रक्रिया

11. **किस विकल्प के शब्द दो से अधिक उपसर्गों से निर्मित हैं?**
(a) प्राचार्य, सहानुभूति (b) अध्यापक, पारितोषिक
(c) दुरध्यवसाय, समुदाहरण (d) प्रतिवाद, अज्ञानता

12. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग है?**
A. विज्ञान **B. विदेश**
C. विवेक **D. व्याकरण**
E. विशाल
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) केवल A, B और C (b) केवल A, B और D
(c) केवल B, C और E (d) केवल C, D और E

13. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'अति' उपसर्ग का प्रयोग है?**
A. अत्यंत **B. अत्याचार**
C. अतुल **D. अत्यधिक**
E. अतिथि
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) केवल A, B और D (b) केवल B, C और E
(c) केवल A, C और D (d) केवल B, D और E

14. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'सु' उपसर्ग का प्रयोग है?**
A. स्वागत **B. सुंदर**
C. सुपुत्र **D. सुलभ**
E. सुरेखा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, C और D (d) केवल C, D और E

15. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'दुर्' (या दुस्) उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?**
A. दुर्दशा **B. दुराचार**
C. दुकान **D. दुष्कर्म**
E. दुबला
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) केवल A, B और C (b) केवल B, C और E
(c) केवल C, D और E (d) केवल A, B और D

16. **निम्नलिखित में से किन शब्दों में 'अनु' उपसर्ग का प्रयोग है?**
A. अनुज **B. अन्वय**
C. अनूप **D. अनुवाद**
E. अन्वेषण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) केवल A, B और D (b) केवल B, D और E
(c) केवल A, C और E (d) केवल B, C और D

17. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?**
(a) ऐतिहासिक, अलौकिक (b) परिपूर्णता, अमानवीय
(c) दुर्बलता, लिखावट (d) बचपना, परोपकार

18. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?**
(a) परतंत्रता, व्यावहारिक (b) चमकीला, घबराहट
(c) दुस्साहसी, सुसंस्कृत (d) बाकायदा, नालायकी

19. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?**
(a) निर्दोष, सजावट (b) अज्ञानता, स्वाभाविकता
(c) बुढ़ापा, अधखिला (d) प्रतिदिन, सपेरा

20. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?**
(a) बदकिस्मती, गैरहाजिरी (b) बेईमान, समझदार
(c) लावारिस, दुकानदार (d) हमउम्र, अनपढ़

21. **निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?**
(a) अत्यधिक, बनावट (b) वैज्ञानिक, बचपन
(c) असफलता, अलौकिकता (d) अनुपम, उपकार

22. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (उपसर्ग/प्रत्यय)	सूची–II (शब्द रूप)
A. वि	I. सामाजिक
B. दुर्	II. विज्ञान
C. इक	III. लुहार
D. आर	IV. दुर्दशा

(a) A–II, B–IV, C–I, D–III (b) A–I, B–II, C–IV, D–III
(c) A–II, B–I, C–IV, D–III (d) A–IV, B–III, C–I, D–II

23. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (उपसर्ग/प्रत्यय)	सूची–II (शब्द रूप)
A. अति	I. लिखावट
B. परि	II. नैतिक
C. आवट	III. अत्यंत
D. इक	IV. पर्यावरण

(a) A–III, B–I, C–IV, D–II (b) A–III, B–IV, C–I, D–II
(c) A–IV, B–III, C–II, D–I (d) A–I, B–IV, C–III, D–II

24. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए:**

सूची–I (उपसर्ग/प्रत्यय)	सूची–II (शब्द रूप)
A. अन्	I. दर्शनीय
B. सु	II. अनादर
C. ईय	III. बुढ़ापा
D. पा	IV. सुपुत्र

(a) A–II, B–IV, C–I, D–III (b) A–IV, B–II, C–III, D–I
(c) A–II, B–I, C–IV, D–III (d) A–III, B–IV, C–I, D–II

25. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए (उर्दू-फारसी उपसर्ग व प्रत्यय):**

सूची–I (उपसर्ग/प्रत्यय)	सूची–II (शब्द रूप)
A. बे	I. मददगार
B. ना	II. बेईमान
C. गार	III. मसालेदार
D. दार	IV. नालायक

(a) A–II, B–I, C–IV, D–III (b) A–IV, B–II, C–I, D–III
(c) A–II, B–IV, C–I, D–III (d) A–I, B–IV, C–III, D–II

26. **सूची–I के साथ सूची–II का मिलान कीजिए (कठिन संधि आधारित शब्द):**

सूची–I	साथ सूची–II
A. उत्	I. भावुक
B. अभि	II. उज्ज्वल
C. उक	III. राष्ट्रीय
D. ईय	IV. अभ्युदय

(a) A–II, B–IV, C–I, D–III (b) A–IV, B–II, C–III, D–I
(c) A–II, B–I, C–IV, D–III (d) A–III, B–IV, C–I, D–II

27. **किस विकल्प में 'वि' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) विकास, विज्ञान, विदेश (b) विवाद, विशेष, विभाग
(c) विलोम, विहार, विकार (d) विचार, विवेक, विजय

28. **किस विकल्प में 'सु' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) सुबोध, सुपुत्र, सुगम (b) सुलभ, सुंदर, सुशिक्षित
(c) सुयश, सुमति, सुवास (d) सुकृत, सुकाल, सुदूर

29. **किस विकल्प में 'अति' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) अत्यंत, अत्याचार, अत्यधिक
(b) अतिशय, अतिरेक, अतिक्रमण
(c) अतिशयोक्ति, अतीव, अतीत
(d) अतिथि, अतिमानव, अतिवृष्टि

30. **किस विकल्प में 'अनु' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) अनुवाद, अनुकरण, अनुशासन
(b) अनूप, अनुपम, अनुचित
(c) अनुज, अनुराग, अनुकंपा
(d) अनुरूप, अनुगामी, अनुवादक

31. **किस विकल्प में 'अभि' उपसर्ग रहित शब्द भी हैं?**
(a) अभिमान, अभिनव, अभिनय
(b) अभिभाषण, अभियोग, अभिभूत
(c) अभिन्न, अभिराम, अभिलाषा
(d) अभ्युदय, अभीप्सित, अभ्यास

32. **किस विकल्प के सभी शब्द दो से अधिक उपसर्गों से निर्मित हैं?**
(a) पर्यावरण, असुरक्षित (b) अव्यवहारिकता, सद्व्यवहार
(c) निराकरण, प्रतिउपकार (d) अनियंत्रित, अप्रत्यक्ष

33. **सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:**

सूची-I (शब्दरूप)	सूची-II (उपसर्ग)
(A) अत्याचार	(I) अनु
(B) अन्वय	(II) अव
(C) अवनति	(III) अभि
(D) अभ्यास	(IV) अति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-IV, B-I, C-II, D-III (b) A-III, B-II, C-I, D-IV
(c) A-IV, B-II, C-I, D-III (d) A-I, B-IV, C-II, D-III

34. **सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:**

सूची-I (शब्दरूप)	सूची-II (उपसर्ग)
(A) पर्यावरण	(I) वि
(B) व्याकरण	(II) सम्
(C) संकल्प	(III) सु
(D) स्वागत	(IV) परि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-II, B-I, C-IV, D-III (b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I (d) A-I, B-IV, C-II, D-III

35. **सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए (हंस/हलंत और विसर्ग संधियों पर आधारित):**

सूची-I (शब्दरूप)	सूची-II (उपसर्ग)
(A) दुराचार	(I) उत्
(B) दुष्कर्म	(II) दुर्
(C) उज्ज्वल	(III) दुस्
(D) उद्गम	(IV) उद्

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-II, B-III, C-I, D-IV (b) A-III, B-II, C-I, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I (d) A-IV, B-I, C-II, D-III

36. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए (उर्दू और फारसी उपसर्ग):

सूची-I (शब्दरूप)	सूची-II (उपसर्ग)
(A) खुशबू	(I) गैर
(B) लावारिस	(II) बद
(C) बदनाम	(III) ला
(D) गैरहाजिर	(IV) खुश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-IV, B-III, C-I, D-II (b) A-IV, B-III, C-II, D-I
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I (d) A-I, B-II, C-III, D-IV

37. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए (कठिन शब्द संरचना):

सूची-I	सूची-II
(A) अध्यक्ष	(I) उन्
(B) उन्मुख	(II) निस्
(C) निश्छल	(III) अधि
(D) अपेक्ष	(IV) अप

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-III, B-I, C-II, D-IV (b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I (d) A-IV, B-I, C-II, D-III

38. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (शब्दरूप)	सूची-II (उपसर्ग)
(A) प्रत्येक	(I) नि
(B) निरोध	(II) प्र
(C) निर्भय	(III) निर्
(D) प्रगति	(IV) प्रति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A-IV, B-I, C-II, D-III (b) A-III, B-II, C-I, D-IV
(c) A-II, B-I, C-III, D-IV (d) A-IV, B-I, C-III, D-II

39. कथन (A): 'अतिशय', 'अत्यन्त' तथा 'अत्युक्ति' में प्रयुक्त उपसर्ग समान अर्थ का बोध कराता है।
कारण (R): 'अति' उपसर्ग का अर्थ 'अधिक' अथवा 'सीमा से परे' होता है।
(a) और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, किन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

40. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–
1. अधिकार 2. अध्यक्ष
3. अधिपति 4. अधीन
उपरोक्त में से कितने 'अधि' उपसर्ग से बने हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) सभी 4

41. मिलान कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अपव्यय	(i) विशेष
(b) विनाश	(ii) विपरीत
(c) प्रतिकूल	(iii) बुरा
(d) निस्सीम	(iv) अभाव

कूट :
(a) a-iii, b-iv, c-ii, d-i (b) a-ii, b-iii, c-i, d-iv
(c) a-iii, b-i, c-ii, d-iv (d) a-iv, b-ii, c-iii, d-i

42. समूह पर विचार कीजिए–
अभ्यागत, अभ्यर्थी, अभिलाषा, अभिभाषण
निम्न में से कौन-सा निष्कर्ष सर्वाधिक उपयुक्त है?
(a) सभी में 'अभि' उपसर्ग प्रयुक्त है।
(b) सभी में श्रेष्ठता का भाव है।
(c) सभी में अभाव का भाव है।
(d) सभी में विपरीतता का भाव है।

43. कथन (A): 'अनुपम' तथा 'अनंत' में प्रयुक्त उपसर्ग अभाव का बोध कराता है।
कारण (R): 'अन्' उपसर्ग का अर्थ 'नहीं' होता है।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

44. निम्न में से कौन-सा समूह पूर्णतः सही है?
1. उपवन 2. उपदेश
3. उपस्थिति 4. उपनाम
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

45. कथन (A): 'दुस्साहस' और 'दुष्कर' में प्रयुक्त उपसर्ग समान भाव व्यक्त करता है।
कारण (R): 'दुस्' उपसर्ग कठिनता अथवा बुरे अर्थ का बोध कराता है।
(a) A और R दोनों सत्य तथा R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

46. मिलान कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अवनति	(i) बाहर/रहित
(b) निर्भय	(ii) हीन
(c) परिक्रमा	(iii) चारों ओर
(d) सुयश	(iv) अच्छा

कूट:-
(a) a-ii, b-i, c-iii, d-iv (b) a-i, b-ii, c-iii, d-iv
(c) a-iii, b-ii, c-i, d-iv (d) a-ii, b-iv, c-i, d-iii

47. निम्न समूह पर विचार कीजिए–
निर्दोष, निर्भय, निर्जीव, निरर्थक
कौन-सा निष्कर्ष उचित है?
(a) सभी में 'निर्' उपसर्ग है तथा अभाव का बोध है।
(b) सभी में 'नि' उपसर्ग है।
(c) सभी में विशेषता का बोध है।
(d) सभी में श्रेष्ठता का बोध है।

48. निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. 'प्रकाश' में 'प्र' उपसर्ग है।
2. 'प्रयत्न' में 'प्र' उपसर्ग है।
3. 'प्रतिकार' में 'प्र' उपसर्ग है।
4. 'प्रगति' में 'प्र' उपसर्ग है।
सही कथनों का चयन कीजिए।
(a) केवल 1, 2, 4 (b) केवल 1, 3, 4
(c) केवल 2, 3, 4 (d) सभी

49. कथन (A): 'पराजय', 'पराभव' तथा 'पराभूत' में प्रयुक्त उपसर्ग समान अर्थ का बोध कराता है।
कारण (R): 'परा' उपसर्ग का एक प्रमुख अर्थ 'विपरीत' अथवा 'उल्टा' होता है।
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

50. निम्नलिखित पर विचार कीजिए–
1. परिणाम **2. परिक्रमा**
3. परिवार **4. परिधि**
इनमें से कितने शब्द 'परि' उपसर्ग से बने हैं?
(a) केवल 2 (b) केवल 4,3
(c) 1,2,3,4 (d) केवल 1,2,3

51. मिलान कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) प्रगति	(i) विपरीत
(b) प्रतिदान	(ii) आगे
(c) विनाश	(iii) अभाव
(d) सुगम	(iv) अच्छा

कूट:
(a) a-i, b-ii, c-iv, d-iii (b) a-ii, b-i, c-iii, d-iv
(c) a-iii, b-ii, c-i, d-iv (d) a-ii, b-iii, c-i, d-iv

52. निम्न समूह का अध्ययन कीजिए–
निश्छल, निष्कपट, निस्संदेह, निश्शंक
कौन-सा निष्कर्ष सर्वाधिक उपयुक्त है?
(a) सभी में 'निस्' उपसर्ग है। (b) सभी में 'नि' उपसर्ग है।
(c) सभी में 'निर्' उपसर्ग है। (d) सभी में 'अन्' उपसर्ग है।

53. कथन (A): 'विकास', 'विभाग', 'वियोग' तथा 'विनाश' में समान उपसर्ग प्रयुक्त है।
कारण (R): 'वि' उपसर्ग विशेषता, भिन्नता अथवा अभाव का बोध कराता है।
(a) A और R दोनों सत्य तथा R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

54. निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. 'उल्लास' में उद् उपसर्ग है।
2. 'उत्कृष्ट' में उद् उपसर्ग है।
3. 'उद्घाटन' में उद् उपसर्ग है।
4. 'उपदेश' में उद् उपसर्ग है।
सही कथनों का चयन कीजिए।
(a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) सभी

55. मिलान कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अवनति	(i) आगे
(b) प्रगति	(ii) हीन
(c) अनुकरण	(iii) पीछे
(d) परिक्रमा	(iv) चारों ओर

कूट:
(a) a-ii, b-i, c-iii, d-iv (b) a-i, b-ii, c-iv, d-iii
(c) a-iii, b-i, c-ii, d-iv (d) a-ii, b-iv, c-iii, d-i

56. समूह पर विचार कीजिए–
निर्भय, निर्दोष, निर्जीव, निरर्थक
निम्न में से कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है?
(a) सभी में 'रहित' का भाव है।
(b) सभी में 'अधिकता' का भाव है।
(c) सभी में 'श्रेष्ठता' का भाव है।
(d) सभी में 'निकटता' का भाव है।

57. कथन (A): 'उपकार', 'उपदेश' तथा 'उपस्थिति' में प्रयुक्त उपसर्ग निकटता का बोध कराता है।
कारण (R): 'उप' उपसर्ग का अर्थ पास अथवा सहायक होता है।
(a) A और R दोनों सत्य तथा R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

58. निम्न में कौन-सा शब्द समूह अन्य से भिन्न है?
(a) अतिशय, अत्यन्त, अत्युक्ति
(b) पराजय, पराभव, पराभूत
(c) सुयश, सुजन, सुमार्ग
(d) परिणाम, परिक्रमा, परामर्श

59. मिलान कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अभिलाषा	(i) अच्छा
(b) सुयश	(ii) पास
(c) अनंत	(iii) नहीं
(d) प्रतिकार	(iv) विपरीत

कूट:
(a) a-ii, b-i, c-iii, d-iv (b) a-i, b-ii, c-iv, d-iii
(c) a-iii, b-i, c-ii, d-iv (d) a-ii, b-iii, c-i, d-iv

60. यदि किसी शब्द में 'सु' उपसर्ग लगा हो तो निम्न में से कौन-सा भाव सामान्यतः अपेक्षित होगा?
(a) बुराई (b) अभाव
(c) अच्छाई/श्रेष्ठता (d) निषेध

61. कथन (A): 'अवनति' और 'अवमानव' में प्रयुक्त उपसर्ग समान अर्थ व्यक्त करता है।
कारण (R): 'अव' उपसर्ग हीनता, नीचता अथवा निम्नता का बोध कराता है।
(a) A और R दोनों सत्य तथा R सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य परन्तु R सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य, R असत्य
(d) A असत्य, R सत्य

62. निम्न में से कौन-सा शब्द-समूह पूर्णतः 'प्रति' उपसर्ग से निर्मित है?
(a) प्रतिदिन, प्रतिकार, प्रतिलोम, प्रतिमाह
(b) प्रतिदिन, परिणाम, प्रतिमाह, प्रतिरूप
(c) प्रतिकार, प्रगति, प्रतिदान, प्रत्यक्ष
(d) प्रतिदिन, प्रकाश, प्रतिकार, प्रतिदान

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. 'अनु' और 'प्रति' दोनों किसी दिशा अथवा संबंध का बोध करा सकते हैं।
2. 'निर्' तथा 'अन्' दोनों कई शब्दों में अभाव का अर्थ व्यक्त करते हैं।
3. 'सु' तथा 'उद्' दोनों कुछ संदर्भों में श्रेष्ठता का भाव व्यक्त कर सकते हैं।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

♦ ♦ ♦ ♦

उत्तर सहित व्याख्या:-

1. [c]

व्याख्या:-

➢ **अलौकिकता और प्रशासनिक** शब्दों में **उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग** हुआ है।
➢ अलौकिकता = (अ उपसर्ग + लोक + इक + ता प्रत्यय)
➢ प्रशासनिक = (प्र उपसर्ग + शासन + इक प्रत्यय)

2. [d]

व्याख्या:-

➢ **प्रत्याघात और अप्रत्यक्ष** शब्दों में **एक से अधिक उपसर्गों** का प्रयोग हुआ है।
➢ प्रति + आघात = प्रत्याघात
➢ आ+ घात = आघात
➢ इस प्रकार प्रत्याघात में 'प्रति' और 'आ' उपसर्ग हैं।
➢ अ + प्रत्यक्ष = अप्रत्यक्ष
➢ प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष
➢ इस प्रकार अप्रत्यक्ष में भी दो उपसर्गों का प्रयोग हुआ हैं।

3. [b]

व्याख्या:-

➢ 'अभि' उपसर्ग सामने, पास व विशेष के अर्थ में प्रयुक्त होता है।
➢ 'अनु' उपसर्ग का अर्थ पीछे , समान होता है।

4. [d]

व्याख्या:-

➢ उद् + लेख = उल्लेख
➢ उद् + घाटन = उद्घाटन
➢ अभ्यागत शब्द में 'अभि' उपसर्ग है।
➢ उज्ज्वल शब्द में 'उद्' उपसर्ग है।

5. [b]

व्याख्या:-

➢ सही उत्तर विकल्प (2) है।
➢ **परिपूर्णता** "परि" उपसर्ग है और "पूर्ण" मूल शब्द है तथा "ता" प्रत्यय है।
➢ **अधार्मिक –** "अ" उपसर्ग है और "धर्म" मूल शब्द है तथा "इक" प्रत्यय है।
➢ **अप्रत्याशित, करणीय –** "अप्रत्याशित" में "अ" उपसर्ग और "इत" प्रत्यय है। "करणीय" में "कर" मूल शब्द है और "णीय" प्रत्यय है, लेकिन उपसर्ग नहीं है।
➢ **अनुमानित, अत्याचार –**"अनुमानित" में "अनु" उपसर्ग और "इत" प्रत्यय है। "अत्याचार" में "अति" उपसर्ग और "आचार" मूल शब्द है, लेकिन प्रत्यय नहीं है।
➢ **घुमक्कड़, मुस्कराहट –** "घुमक्कड़" में "घुम" मूल शब्द है और "अक्कड़" प्रत्यय है। "मुस्कराहट" में "मुस्कुरा" मूल शब्द है और "आहट" प्रत्यय है, लेकिन उपसर्ग नहीं है।

6. [d]

व्याख्या:-

➢ 'सुवासिक, अभिमानी' शब्द में **उपसर्ग और प्रत्यय** दोनों प्रयुक्त हुए हैं।
➢ सुवासिक शब्द का मूल शब्द 'बास' है, जिसका अर्थ 'गंध' होता है। इस शब्द में 'सु' उपसर्ग और 'इक' प्रत्यय जुड़ कर ये शब्द बना है, जिसका अर्थ 'सुगंधित' होता है।
➢ 'अभिमानी' शब्द का मूल शब्द 'मान' है, जिसका अर्थ 'प्रतिष्ठा' होता है। इस शब्द में 'अभि' उपसर्ग और 'ई' प्रत्यय जुड़ कर ये शब्द बना है, जिसका अर्थ 'अहंकार, घमंड' होता है।

7. [d]

व्याख्या:-

➢ 'प्रति' उपसर्ग का अर्थ 'विरुद्ध' या 'प्रतिफल' होता है।
➢ प्रत्येक– प्रति + एक ➢ प्रयोग– प्र + योग
➢ प्रसार– प्र + सार ➢ प्रतिकार– प्रति + कार
➢ प्रत्यक्ष– प्रति + अक्ष

8. [b]

व्याख्या:-

➢ प्रति → प्रतिकार (प्रति + कार)
➢ सम् → संस्कार (सम् + कार)
➢ य → कृत्य (कृ + य)
➢ मान → विद्यमान (विद् + मान)

9. [b]

व्याख्या:-

➢ 'प्र' उपसर्ग का अर्थ 'आगे' होता है।
➢ प्र + बल: सही, प्रबल (आगे की शक्ति)।

10. [d]

व्याख्या:-

➢ प्रणय (प्र + नय), प्रतीक्षा (प्रति + ईक्षा), प्रक्रिया (प्र + क्रिया); प्रणय में 'प्र', लेकिन प्रतीक्षा में 'प्रति', जो भिन्न है।

11. [c]

व्याख्या:-

➢ दुरध्यवसाय: दुर् + अधि + अव + साय
➢ समुदाहरण: सम् + उद् + आ+ हरण ।

12. [b]

व्याख्या:-

➢ **वि + ज्ञान = विज्ञान** ➢ **वि + देश = विदेश**
➢ **वि + आकरण = व्याकरण** (यण संधि नियम से)
➢ 'विवेक' और 'विशाल' मूल शब्द हैं, इनमें 'वि' कोई उपसर्ग नहीं है।

13. [a]

व्याख्या:-

➢ **अति + अंत = अत्यंत** (यण संधि नियम)
➢ **अति + आचार = अत्याचार** (यण संधि नियम)
➢ **अति + अधिक = अत्यधिक** (यण संधि नियम)
➢ 'अतुल' में 'अ' उपसर्ग है और 'अतिथि' में 'अ' उपसर्ग (जिसकी तिथि निश्चित न हो) है।

14. [c]

व्याख्या:-

➢ **सु + आगत = स्वागत** (यण संधि नियम)
➢ **सु + पुत्र = सुपुत्र**
➢ **सु + लभ = सुलभ**
➢ 'सुंदर' एक रूढ़/मूल शब्द है। 'सुरेखा' में भी 'सु' उपसर्ग के रूप में नहीं बल्कि मूल नाम का हिस्सा है।

15. [d]

व्याख्या:-

➢ **दुर् + दशा = दुर्दशा** ➢ **दुर् + आचार = दुराचार**
➢ **दुस् + कर्म = दुष्कर्म**
➢ 'दुकान' फारसी का मूल शब्द है और 'दुबला' में हिंदी का 'दु' (कम) उपसर्ग है, न कि संस्कृत का दुर्/दुस्।

16. [b]

व्याख्या:-

➢ **अनु + अय = अन्वय** (यण संधि नियम)
➢ **अनु + वाद = अनुवाद**
➢ **अनु + एषण = अन्वेषण** (यण संधि नियम)

- 'अनुज' में अनु (पीछे) + ज (जन्मा) योग है जहाँ 'ज' प्रत्यय की तरह आता है। 'अनूप' में 'अन् + ऊप' का योग होता है।

17. [b]

व्याख्या:-

- **परिपूर्णता** = परि (उपसर्ग) + पूर्ण (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)
- **अमानवीय** = अ (उपसर्ग) + मानव (मूल शब्द) + ईय (प्रत्यय) (विकल्प 'a' में ऐतिहासिक में केवल 'इक' प्रत्यय है, उपसर्ग नहीं है।)

18. [a]

व्याख्या:-

- **परतंत्रता** = पर (उपसर्ग) + तंत्र (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)
- **व्यावहारिक** = वि + अव (दो उपसर्ग) + हार (मूल शब्द) + इक (प्रत्यय)

19. [b]

व्याख्या:-

- **अज्ञानता** = अ (उपसर्ग) + ज्ञान (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)
- **स्वाभाविकता** = स्व (उपसर्ग) + भाव (मूल शब्द) + इक + ता (दो प्रत्यय)

20. [a]

व्याख्या:-

- यह उर्दू/फारसी उपसर्गों पर आधारित है:
- **बदकिस्मती** = बद (उपसर्ग) + किस्मत (मूल शब्द) + ई (प्रत्यय)
- **गैरहाजिरी** = गैर (उपसर्ग) + हाजिर (मूल शब्द) + ई (प्रत्यय) (अन्य विकल्पों में बेईमान, लावारिस और हमउम्र में प्रत्यय नहीं है।)

21. [c]

व्याख्या:-

- **असफलता** = अ (उपसर्ग) + सफल (मूल शब्द) + ता (प्रत्यय)
- **अलौकिकता** = अ (उपसर्ग) + लोक (मूल शब्द) + इक + ता (दो प्रत्यय)

22. [a]

व्याख्या:-

- वि → विज्ञान (वि + ज्ञान), दुर् → दुर्दशा (दुर् + दशा), इक → सामाजिक (समाज + इक), आर → लुहार (लोहा + आर)।

23. [b]

व्याख्या:-

- अति → अत्यंत (अति + अंत), परि → पर्यावरण (परि + आवरण), आवट → लिखावट (लिख + आवट), इक → नैतिक (नीति + इक)।

24. [a]

व्याख्या:-

- अन् → अनादर (अन् + आदर), सु → सुपुत्र (सु + पुत्र), ईय → दर्शनीय (दर्शन + ईय), पा → बुढ़ापा (बूढ़ा + पा)।

25. [c]

व्याख्या:-

- बे → बेईमान (बे + ईमान), ना → नालायक (ना + लायक), गार → मददगार (मदद + गार), दार → मसालेदार (मसाला + दार)।

26. [a]

व्याख्या:-

- उत् → उज्ज्वल (उत् + ज्वल), अभि → अभ्युदय (अभि + उदय), उक → भावुक (भाव + उक), ईय → राष्ट्रीय (राष्ट्र + ईय)।

27. [d]

व्याख्या:-

- 'विवेक' और 'विजय' मूल/रूढ़ शब्द हैं, इनमें 'वि' कोई उपसर्ग नहीं है। अन्य सभी विकल्पों में 'वि' उपसर्ग का स्पष्ट प्रयोग हुआ है।

28. [b]

व्याख्या:-

- 'सुंदर' एक मूल शब्द है, इसमें 'सु' उपसर्ग नहीं है। बाकी सभी शब्दों में 'सु' (अच्छा/सहज) उपसर्ग लगा हुआ है।

29. [d]

व्याख्या:-

- 'अतिथि' में 'अ' उपसर्ग है (जिसकी आने की तिथि निश्चित न हो), न कि 'अति'। बाकी सभी शब्दों में संधि या संयोग नियम से 'अति' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

30. [b]

व्याख्या:-

- 'अनूप' (अन् + ऊप), 'अनुपम' (अन् + उपम) और 'अनुचित' (अन् + उचित) में **'अन्' (हलंत)** उपसर्ग का प्रयोग हुआ है, 'अनु' का नहीं।

31. [c]

व्याख्या:-

- 'अभिन्न' शब्द **'अ + भिन्न'** के योग से बना है, जिसमें 'अ' उपसर्ग है, 'अभि' नहीं। विकल्प (d) के सभी शब्दों में यण और दीर्घ संधि नियम से 'अभि' उपसर्ग जुड़ा हुआ है।

32. [b]

व्याख्या:-

- **अव्यवहारिकता:** अ + वि + अव + हार + इक + ता (यहाँ 'अ', 'वि', और 'अव' तीन उपसर्ग हैं)
- **सद्व्यवहार:** सत् + वि + अव + हार (यहाँ 'सत्', 'वि', और 'अव' तीन उपसर्ग हैं)

33. [a]

व्याख्या:-

- अत्याचार = अति + आचार (यण संधि), अन्वय = अनु + अय (यण संधि), अवनति = अव + नति, अभ्यास = अभि + आस (यण संधि)।

34. [b]

व्याख्या:-

- पर्यावरण = परि + आवरण, व्याकरण = वि + आकरण, संकल्प = सम् + कल्प, स्वागत = सु + आगत।

35. [a]

व्याख्या:-

- दुराचार = दुर् + आचार, दुष्कर्म = दुस् + कर्म (व्याकरणिक नियम से संस्कृत में दुस् उपसर्ग होता है), उज्ज्वल = उत् + ज्वल, उद्गम = उद् + गम (या उत् + गम)।

36. [b]

व्याख्या:-

- खुशबू = खुश + बू, लावारिस = ला + वारिस, बदनाम = बद + नाम, गैरहाजिर = गैर + हाजिर।

37. [a]

व्याख्या:-

- अध्यक्ष = अधि + अक्ष (यण संधि), उन्मुख = उन् + मुख (या उत् + मुख), निश्छल = निस् + छल, अपेक्ष = अप + ईक्ष।

38. [d]

व्याख्या:-

- प्रति + एक = प्रत्येक
  - प्रति + कार = प्रतिकार
- प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष
- प्रति उपसर्ग का अर्थ – विपरीत, प्रत्येक, ओर।

39. [d]

व्याख्या:-

- प्रत्येक– प्रति + एक
- निरोध– नि + रोध
- निर्भय– निर् + भय
- प्रगति– प्र + गति।

40. [d]

व्याख्या:-

➢ प्रत्येक = प्रति + एक
➢ निरोध = नि + रोध
➢ निर्भय = निर् + भय
➢ प्रगति = प्र + गति

39. [a]

व्याख्या -

➢ अतिशय = अत्यधिक
➢ अत्यन्त = बहुत अधिक
➢ अत्युक्ति = आवश्यकता से अधिक कथन
➢ तीनों शब्दों में 'अति' उपसर्ग अधिकता का बोध कराता है। कारण भी यही स्पष्ट करता है। अतः दोनों सत्य हैं और कारण सही व्याख्या है।

40. [d]

व्याख्या:-

➢ अधिकार = अधि + कार
➢ अध्यक्ष = अधि + अक्ष
➢ अधिपति = अधि + पति
➢ अधीन = अधि + ईन
➢ चारों में 'अधि' उपसर्ग है जो ऊपर, श्रेष्ठता अथवा अधिकता का बोध कराता है।

41. [a]

व्याख्या:-

➢ अपव्यय → 'अप' = बुरा
➢ विनाश → 'वि' = अभाव
➢ प्रतिकूल → 'प्रति' = विपरीत
➢ निस्सीम → 'निस्' = विशेष/बहुत अधिक
➢ अतः a-iii, b-iv, c-ii, d-i

42. [a]

व्याख्या:-

चारों शब्दों में 'अभि' उपसर्ग है।

➢ अभ्यागत
➢ अभ्यर्थी
➢ अभिलाषा
➢ अभिभाषण
➢ 'अभि' का अर्थ पास या सामने है।

43. [a]

व्याख्या:-

➢ अनुपम = जिसकी उपमा न हो
➢ अनंत = जिसका अंत न हो
➢ दोनों में 'अन्' = नहीं
➢ इसलिए कथन व कारण दोनों सत्य हैं।

44. [d]

व्याख्या:-

चारों शब्दों में 'उप' उपसर्ग प्रयुक्त है।

➢ उपवन
➢ उपदेश
➢ उपस्थिति
➢ उपनाम

45. [a]

व्याख्या:-

➢ दुस्साहस = कठिन साहस
➢ दुष्कर = कठिन कार्य
➢ दोनों में 'दुस्' उपसर्ग कठिनता का बोध कराता है।

46. [a]

व्याख्या:-

➢ अवनति → अव = हीन
➢ निर्भय → निर् = रहित
➢ परिक्रमा → परि = चारों ओर
➢ सुयश → सु = अच्छा

47. [a]

व्याख्या:-

➢ निर्दोष = दोष रहित
➢ निर्भय = भय रहित
➢ निर्जीव = जीवन रहित
➢ निरर्थक = अर्थ रहित
➢ चारों में 'निर्' उपसर्ग है।

48. [a]

व्याख्या:-

➢ प्रकाश → प्र
➢ प्रयत्न → प्र
➢ प्रतिकार → प्रति
➢ प्रगति → प्र

49. [a]

व्याख्या:-

➢ पराजय = हार
➢ पराभव = परास्त होना
➢ पराभूत = पराजित
➢ तीनों में 'परा' उपसर्ग विपरीत अथवा परास्त होने का भाव देता है। अतः दोनों सत्य हैं और कारण सही व्याख्या है।

50. [c]

व्याख्या:-

चारों शब्दों में 'परि' उपसर्ग है।

➢ परिणाम
➢ परिक्रमा
➢ परिवार
➢ परिधि

51. [b]

व्याख्या

➢ प्रगति → प्र = आगे
➢ प्रतिदान → प्रति = प्रत्युत्तर/विपरीत दिशा
➢ विनाश → वि = अभाव
➢ सुगम → सु = अच्छा

52. [a]

व्याख्या:-

चारों शब्द निस् उपसर्ग से बने हैं।

➢ निश्छल
➢ निष्कपट
➢ निस्संदेह
➢ निश्शंक

53. [a]

व्याख्या:-

चारों शब्दों में 'वि' उपसर्ग है।

➢ विकास
➢ विभाग
➢ वियोग
➢ विनाश
➢ 'वि' विभिन्न संदर्भों में विशेष, भिन्न अथवा अभाव का अर्थ देता है।

54. [a]

व्याख्या

- उल्लास → उद्
- उत्कृष्ट → उद्
- उद्घाटन → उद्
- उपदेश → उप
- अतः 1, 2, 3 सही हैं।

55. [a]

व्याख्या:-

- अवनति → अव = हीन
- प्रगति → प्र = आगे
- अनुकरण → अनु = पीछे/अनुसरण
- परिक्रमा → परि = चारों ओर

56. [a]

व्याख्या:-

- निर्भय = भय रहित
- निर्दोष = दोष रहित
- निर्जीव = जीवन रहित
- निरर्थक = अर्थ रहित

चारों में अभाव या रहित होने का अर्थ है।

57. [a]

व्याख्या:-

- उपकार, उपदेश, उपस्थिति — तीनों में 'उप' उपसर्ग है जिसका अर्थ पास, निकट अथवा सहायक है।

58. [d]

व्याख्या:-

(a) सभी में अति उपसर्ग
(b) सभी में परा उपसर्ग
(c) सभी में सु उपसर्ग
(d) परिणाम और परिक्रमा में 'परि' जबकि परामर्श में 'परा' है।

59. [a]

व्याख्या:-

- अभिलाषा → अभि = पास
- सुयश → सु = अच्छा
- अनंत → अन् = नहीं
- प्रतिकार → प्रति = विपरीत

60. [c]

व्याख्या:-

- सुगम, सुयश, सुजन, सुपुत्र आदि में 'सु' श्रेष्ठता या अच्छाई व्यक्त करता है।

61. [a]

व्याख्या:-

- अवनति = नीचे गिरना
- अवमानव = निम्न स्तर का मानव
- दोनों में 'अव' हीनता का भाव देता है।

62. [a]

व्याख्या:-

- (a) के चारों शब्दों में 'प्रति' उपसर्ग है।
  (b) में परिणाम = परि
  (c) में प्रगति = प्र
  (d) में प्रकाश = प्र
  इसलिए केवल (a) शुद्ध समूह है।

63. [d]

व्याख्या:-

- अनु = पीछे, अनुसरण
- प्रति = ओर, दिशा, प्रत्युत्तर
- दोनों किसी दिशा या संबंध का बोध करा सकते हैं।
- अनंत = अंत का अभाव
- अनुपम = उपमा का अभाव
- निर्भय = भय का अभाव
- निर्दोष = दोष का अभाव
- दोनों उपसर्ग कई शब्दों में अभाव व्यक्त करते हैं।
- सुयश, सुजन, सुमार्ग → श्रेष्ठता
- उत्कृष्ट, उद्भव, उत्कर्ष → ऊँचाई/श्रेष्ठता
- अतः तीनों कथन सही हैं।

♦♦♦♦

1. LAWFUL' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है -
(a) विधिसम्मत (b) वाद
(c) न्यायालय (d) कानून और व्यवस्था
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ LAWFUL = विधिसम्मत / कानूनी / वैध
➢ (a) विधिसम्मत = Lawful
➢ (b) वाद = Suit / Case / Litigation
➢ (c) न्यायालय = Court
➢ (d) कानून और व्यवस्था = Law and Order

2. 'CONCUR' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है -
(a) सहमत होना (b) समापन होना
(c) असहमति (d) असहज होना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ (a) सहमत होना = Concur / Agree
➢ (b) समापन होना = Conclude / Terminate
➢ (c) असहमति = Disagreement / Dissent
➢ (d) असहज होना = To be uneasy / Uncomfortable

3. 'CONSPECTUS' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है-
(a) संघटक (b) संगति
(c) समेकन (d) संदर्शिका
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ संघटक = घटक/element
➢ संगति = मेल/consistency
➢ समेकन = एकीकरण/integration
➢ अनुत्तरित प्रश्न = unanswered question

4. 'PLEAD' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है -
(a) पैरवी करना (b) प्रसाद
(c) तर्क (d) दलील
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ (a) पैरवी करना = Plead
➢ (b) प्रसाद = Favor / Grace (या भवन के लिए Palace)
➢ (c) तर्क = Argument / Logic
➢ (d) दलील = Plea / Argument

5. निम्नलिखित में से अंग्रेजी शब्द का संगत हिन्दी पारिभाषिक शब्द है:
(a) Regularize - विनियामक
(b) Reinstatement - पुनःस्थापन
(c) Reiterate - सुसंगत
(d) Reimburse - अस्वीकृति
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ Reinstatement = पुनःस्थापन / बहाल करना (संगत विकल्प)
➢ Regularize = नियमित करना (विनियामक = Regulatory)
➢ Reiterate = दोहराना / बार-बार कहना (सुसंगत = Consistent / Relevant)
➢ Reimburse = प्रतिपूर्ति करना / धन लौटाना (अस्वीकृति = Rejection / Disapproval)

6. किस विकल्प का पारिभाषिक शब्द सुमेलित नहीं है?
(a) Import – आयात (b) Gazetted - राजपत्र
(c) Immoral – अनैतिक (d) Gratuity - उपदान
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ Gazetted = राजपत्रित (असंगत विकल्प; राजपत्र = Gazette)
➢ Import = आयात
➢ Immoral = अनैतिक
➢ Gratuity = उपदान

7. 'ABETMENT' का हिंदी पारिभाषिक शब्द है -
(a) अपहरण (b) दुष्प्रेरण
(c) परित्याग (d) दुष्प्रेरक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ ABETMENT = दुष्प्रेरण (किसी को अपराध के लिए उकसाना)
➢ (a) अपहरण = Abduction / Kidnapping
➢ (c) परित्याग = Abandonment / Relinquishment
➢ (d) दुष्प्रेरक = Abettor (अपराध के लिए उकसाने वाला व्यक्ति)

8. 'नेकी कर और दरिया में डाल' लोकोक्ति का निकटतम अर्थ है -
(a) वास्तविक गुणियों का सम्मान नहीं होता।
(b) उपकार करते समय प्रत्युपकार की इच्छा नहीं रखनी चाहिए।
(c) भलाई का बदला बुराई
(d) बहुत चंचल और उपद्रवी
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **नेकी कर और दरिया में डाल** = उपकार करते समय प्रत्युपकार (बदले में उपकार) की इच्छा नहीं रखनी चाहिए।
➢ (a) **वास्तविक गुणियों का सम्मान नहीं होता** = 'जंगल में मोर नाचा किसने देखा' (या 'घर की मुर्गी दाल बराबर')।
➢ (c) **भलाई का बदला बुराई** = 'नेकी का बदला बदी'।
➢ (d) **बहुत चंचल और उपद्रवी** = 'एक तो बंदर, दूजे बिच्छू खाया' जैसी स्थिति।

9. 'झटपट की घानी, आधा तेल आधा पानी' लोकोक्ति का दिए गए विकल्पों में से निकटतम अर्थ है-
(a) मौका मिलते ही मिलावट करना।
(b) जल्दी का काम अच्छा नहीं होता।
(c) झूठ बोलने में कुछ खर्च नहीं होता।
(d) छोटी जगह में छोटे आदमी भी बड़े समझे जाते हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **झटपट की घानी, आधा तेल आधा पानी** = जल्दी का काम अच्छा नहीं होता (जल्दी में काम बिगड़ जाता है)।
➢ (a) **मौका मिलते ही मिलावट करना** = अवसरवादी होकर अनुचित लाभ उठाना (इस लोकोक्ति से संबंध नहीं है)।
➢ (c) **झूठ बोलने में कुछ खर्च नहीं होता** = 'झूठ के पैर नहीं होते' या बात बनाने में पैसा न लगने के भाव को दर्शाता है।
➢ (d) **छोटी जगह में छोटे आदमी भी बड़े समझे जाते हैं** = 'अंधों में काना राजा'।

10. 'हाथी के पाँव में सबका पाँव' लोकोक्ति का निकटतम अर्थ है -
(a) काम का अधिक भाग समाप्त हो गया।
(b) अपना भार अपने को भारी नहीं लगता।
(c) किसी की प्रकृति नहीं बदलती।
(d) बड़े लोगों के साथ छोटों की भी गुज़र हो जाती है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **हाथी के पाँव में सबका पाँव** = बड़े लोगों के साथ छोटों की भी गुज़र हो जाती है (या किसी बड़े आधार के अंतर्गत कई छोटी-छोटी बातों का स्वतः समावेश हो जाना)।
➢ (a) **काम का अधिक भाग समाप्त हो गया** = इसके लिए 'काम की रीढ़ टूटना' या 'आधा रास्ता पार करना' जैसे मुहावरे प्रयुक्त होते हैं।
➢ (b) **अपना भार अपने को भारी नहीं लगता** = अपनी चीज़ या अपनी जिम्मेदारी कभी बोझ नहीं लगती।
➢ (c) **किसी की प्रकृति नहीं बदलती** = 'नीम न मीठा होय चाहे सींचो गुड़ घी से' या 'कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती'।

11. 'WITNESS' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है -
(a) सार्वजनिक (b) साक्षी
(c) सक्षम (d) विवादी
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **WITNESS** = साक्षी / गवाह
➢ (a) **सार्वजनिक** = Public
➢ (c) **सक्षम** = Competent
➢ (d) **विवादी** = Litigant / Disputant

12. 'REALIZE' के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द नहीं है -
(a) अनुभव करना (b) एहसास
(c) वसूल करना (d) उगाहना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **REALIZE** = अनुभव करना, वसूल करना, उगाहना (राजस्व या धन प्राप्त करने के अर्थ में)
➢ **अनुभव करना** = Experience / Realize
➢ **एहसास** = Feeling / Perception (असंगत पारिभाषिक रूप)
➢ **वसूल करना** = To Realize / To Recover
➢ **उगाहना** = To Realize / To Collect

13. 'RESIDUARY' का हिन्दी पारिभाषिक शब्द है -
(a) उद्यमिता (b) अधिकार
(c) अधिकारिता (d) अवशिष्ट
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **RESIDUARY** = अवशिष्ट (बचा हुआ या शेष भाग)
➢ (a) **उद्यमिता** = Entrepreneurship
➢ (b) **अधिकार** = Right / Privilege
➢ (c) **अधिकारिता** = Jurisdiction

14. 'खल की दवा पीठ की पूजा' लोकोक्ति का निम्नलिखित में से निकटतम अर्थ है:
(a) दुष्ट व्यक्ति पीटने से ही ठीक रहते हैं।
(b) बेकार आदमी को खुराफ़ात सूझती है।
(c) कहना कुछ और करना कुछ और।
(d) दुआ, दवा का काम करती है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **खल की दवा पीठ की पूजा** = दुष्ट व्यक्ति पीटने से ही ठीक रहते हैं (यहाँ 'खल' का अर्थ दुष्ट और 'पीठ की पूजा' का अर्थ पिटाई करने से है)।
➢ (b) **बेकार आदमी को खुराफ़ात सूझती है** = 'खाली दिमाग शैतान का घर'।
➢ (c) **कहना कुछ और करना कुछ और** = 'हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और'।
➢ (d) **दुआ, दवा का काम करती है** = संकट के समय दुआ और आशीर्वाद के प्रभावी होने का सामान्य कथन।

15. निम्नलिखित में से किस मुहावरे का भावार्थ गलत है?
(a) कान भरना - पीठ पीछे शिकायत करना।
(b) कान में तेल डालना - कान दर्द होने पर तेल से ठीक करना।
(c) कान खड़े होना - होशियार होना।
(d) कान पर जूँ न रेंगना - ध्यान न देना।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **कान में तेल डालना** = बात सुनकर भी अनसुनी कर देना या उदासीन हो जाना (विकल्प में दिया गया भौतिक दर्द ठीक करने का अर्थ गलत है)।
➢ (a) **कान भरना** = पीठ पीछे शिकायत करना / बहका देना।
➢ (c) **कान खड़े होना** = होशियार होना / चौकन्ना होना।
➢ (d) **कान पर जूँ न रेंगना** = ध्यान न देना / कोई असर न होना।

16. 'नकेल हाथ में होना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है -
(a) अभिमानपूर्ण हाव-भाव दिखाना
(b) रूप तथा वेश में नवीनता दिखाना
(c) वश में होना
(d) खाली हाथ होना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **नकेल हाथ में होना** = पूर्ण नियंत्रण होना / वश में होना (जैसे ऊँट की नकेल जिसके हाथ में होती है, ऊँट उसी के नियंत्रण में चलता है)।
➢ (a) **अभिमानपूर्ण हाव-भाव दिखाना** = इसके लिए 'ऐंठ कर चलना' या 'आसमान पर दिमाग होना' जैसे मुहावरे प्रयुक्त होते हैं।
➢ (b) **रूप तथा वेश में नवीनता दिखाना** = इसके लिए 'कायापलट होना' या 'नया चोला बदलना' जैसे भाव आते हैं।
➢ (d) **खाली हाथ होना** = इसके लिए 'पाई-पाई को मोहताज होना' या 'हाथ तंग होना' मुहावरे उपयोग किए जाते हैं।

17. किस वाक्य में विराम चिह्नों का असंगत प्रयोग हुआ है?
(a) 'प्रदीप' एक हिन्दी दैनिक पत्र है।
(b) पानी बरसा, हवा चली, ओले गिरे।
(c) सूर्य अस्त हुआ; आकाश लाल हुआ; और जंगल में धीरे-धीरे अँधेरा फैलने लगा।
(d) लड़के ने कहा मैं, अभी आता हूँ!
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **लड़के ने कहा मैं, अभी आता हूँ!** = अशुद्ध विराम चिह्न (शुद्ध रूप: लड़के ने कहा, "मैं अभी आता हूँ!")
➢ (a) **'प्रदीप' एक हिन्दी दैनिक पत्र है।** = शुद्ध रूप (नाम इकहरे उद्धरण चिह्न में सही है)
➢ (b) **पानी बरसा, हवा चली, ओले गिरे।** = शुद्ध रूप (छोटे उपवाक्यों में अल्पविराम सही है)
➢ (c) **सूर्य अस्त हुआ; आकाश लाल हुआ...** = शुद्ध रूप (स्वतंत्र उपवाक्यों में अर्द्धविराम सही है)

18. 'अन्न-जल उठना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है -
(a) खाना-पीना मिलना
(b) किसी चीज़ को खराब करना
(c) किसी स्थान से संबंध समाप्त होना
(d) मोटा न होना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **अन्न-जल उठना** = रहने का स्थान बदलना या किसी स्थान से संबंध समाप्त होना (या मृत्यु के निकट होना)।
➢ (a) **खाना-पीना मिलना** = इसके लिए 'दाना-पानी मिलना' शब्द आता है।
➢ (b) **किसी चीज़ को खराब करना** = इसके लिए 'मिट्टी पलीद करना' या 'चौपट करना' मुहावरे प्रयुक्त होते हैं।
➢ (d) **मोटा न होना** = इसका इस मुहावरे के लाक्षणिक अर्थ से कोई संबंध नहीं है।

19. 'थाह लेना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है-
(a) किसी का भेद लेना (b) चोरी करना
(c) लूट लेना (d) खरीद लेना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **थाह लेना** = किसी का भेद लेना / मन की बात का पता लगाना (गहराई मापना)।
➢ (b) **चोरी करना** = इसके लिए 'हाथ साफ़ करना' या 'चम्पत होना' मुहावरे प्रयुक्त होते हैं।
➢ (c) **लूट लेना** = इसके लिए 'चूना लगाना' या 'जेब काटना' जैसे भाव आते हैं।
➢ (d) **खरीद लेना** = इसका इस मुहावरे के लाक्षणिक अर्थ से कोई संबंध नहीं है।

20. 'जितनी देग़ उतनी खुरचन' लोकोक्ति का निम्नलिखित में से निकटतम अर्थ है:
(a) बुरे कार्य का बुरा नतीजा होता है।
(b) कथनी और करनी में समानता का भाव।
(c) बुद्धिमान को सब समझ में आ जाता है।
(d) फायदा पूँजी के हिसाब से होना।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **जितनी देग़ उतनी खुरचन** = फायदा पूँजी के हिसाब से होना (बड़ी पूँजी से बड़ा लाभ)।
➢ (a) **बुरे कार्य का बुरा नतीजा** = बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होय।
➢ (b) **कथनी-करनी में समानता** = जैसा कहना वैसा करना।
➢ (c) **बुद्धिमान को समझ आना** = समझदार को इशारा ही काफी।

21. 'हाथ-पाँव फूलना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है-
(a) कंजूस होना (b) बीमार होना
(c) भयभीत होना (d) अपमानित होना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **अर्थ**: घबरा जाना या अत्यधिक डर जाना।
➢ **वाक्य प्रयोग**: अचानक सामने शेर को देखकर शिकारी के 'हाथ-पाँव फूल गए'।

22. यदि वाक्य में प्रयुक्त किसी व्यक्ति या वस्तु की विशिष्टता किसी संबंधवाचक सर्वनाम के माध्यम से बतानी हो, तो वहाँ किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जा सकता है?
(a) विस्मयादिबोधक चिह्न (b) अर्द्धविराम चिह्न
(c) अल्पविराम चिह्न (d) योजक चिह्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **अल्पविराम चिह्न (,)** = संबंधवाचक सर्वनाम वाले उपवाक्यों को मुख्य वाक्य से अलग करने और विशिष्टता दर्शाने के लिए प्रयुक्त होता है (जैसे- वह लड़का, जो कल आया था,बीमार है)।
➢ (a) **विस्मयादिबोधक चिह्न (!)** = हर्ष, शोक या आश्चर्य प्रकट करने के लिए।
➢ (b) **अर्द्धविराम चिह्न (;)** = पूर्णविराम से कम और अल्पविराम से अधिक देर रुकने के लिए।
➢ (d) **योजक चिह्न (-)** = दो शब्दों को आपस में जोड़ने (जैसे द्वंद्व समास या युग्म शब्दों) के लिए।

23. 'इक्कीस मील चौड़ी दुनिया की सबसे बड़ी नहर यही है।' इस वाक्य में 'चौड़ी' शब्द के बाद कौन सा विराम चिह्न प्रयुक्त होगा?
(a) अर्द्धविराम (b) तुल्यतासूचक
(c) अवतरण चिह्न (d) अल्पविराम
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **अल्पविराम (,)** = वाक्य में 'चौड़ी' शब्द के बाद थोड़ा रुकने या उपवाक्य के विस्तार को अलग करने के लिए अल्पविराम का प्रयोग होगा।
➢ (a) **अर्द्धविराम (;)** = पूर्णविराम से कम और अल्पविराम से अधिक ठहराव के लिए प्रयुक्त होता है।
➢ (b) **तुल्यतासूचक (=)** = दो समान अर्थ वाले शब्दों या गणितीय समानता को दर्शाने के लिए आता है।
➢ (c) **अवतरण चिह्न (' ' या " ")** = किसी के कथन या किसी विशेष नाम को उद्धृत करने के लिए लगाया जाता है।

24. किस विकल्प में शुद्ध वाक्य है?
(a) मैं इतना ही चाहता हूँ।
(b) वह अत्यंत ही सुन्दर है।
(c) ये बातें केवल दिखावा भर थीं।
(d) वह अवश्य ही हमसे मिलेगा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **मैं इतना ही चाहता हूँ।** = शुद्ध रूप (वाक्य में शब्दों का चयन और अर्थ पूरी तरह सही है)।
➢ (b) **वह अत्यंत ही सुन्दर है।** = अशुद्ध रूप ('अत्यंत' के साथ 'ही' निपात का प्रयोग अनुचित है; शुद्ध वाक्य: वह अत्यंत सुन्दर है)।
➢ (c) **ये बातें केवल दिखावा भर थीं।** = अशुद्ध रूप ('केवल' और 'भर' दोनों शब्दों का एक साथ प्रयोग गलत है; शुद्ध वाक्य: ये बातें केवल दिखावा थीं)।
➢ (d) **वह अवश्य ही हमसे मिलेगा।** = अशुद्ध रूप ('अवश्य' के साथ 'ही' का प्रयोग निरर्थक है; शुद्ध वाक्य: वह अवश्य हमसे मिलेगा)।

25. विराम चिह्न के प्रयोग के संबंध में असंगत कथन है -
(a) वाक्य के अंत में प्रश्न अथवा आश्चर्य का चिह्न आने पर पूर्ण विराम लगाया जाता है।
(b) प्रश्नचिह्न प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में लगाया जाता है।
(c) प्रश्नचिह्न ऐसे वाक्यों में नहीं लगाया जाता जिनमें प्रश्न आज्ञा के रूप में हो।
(d) जिन वाक्यों में प्रश्नवाचक शब्दों का अर्थ संबंधवाचक शब्दों का-सा होता है, उनमें प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जाता।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

- ➢ **असंगत कथन:** वाक्य के अंत में प्रश्न चिह्न (?) या विस्मयादिबोधक चिह्न (!) आने पर अलग से पूर्ण विराम (।) नहीं लगाया जाता है।
- ➢ (b) **संगत कथन:** प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में हमेशा प्रश्न चिह्न (?) का ही प्रयोग किया जाता है।
- ➢ (c) **संगत कथन:** यदि प्रश्न आज्ञा या प्रार्थना के रूप में हो (जैसे- "क्या आप चुप रहेंगे"), तो अंत में पूर्ण विराम लगाया जा सकता है।
- ➢ (d) **संगत कथन:** जब 'क्या, कौन, कहाँ' संबंधवाचक (जैसे- "वह कहाँ गया, मुझे नहीं पता") रूप में आएं, तो प्रश्न चिह्न नहीं लगता।

26. कौनसा विकल्प विराम चिह्न के प्रयोग की दृष्टि से दोषरहित है?

(a) कृपया यह बताने का कष्ट करें कि हम क्या पढ़ें।
(b) कृपया यह बताने का कष्ट करें, कि हम क्या पढ़ें!
(c) कृपया यह बताने का कष्ट करें कि हम क्या पढ़ें?
(d) कृपया, यह बताने का कष्ट करें कि हम क्या पढ़ें!
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

- ➢ **कृपया यह बताने का कष्ट करें कि हम क्या पढ़ें।** = दोषरहित (अनुरोध वाले वाक्यों के अंत में हमेशा पूर्णविराम ही आता है)।
- ➢ (b) **विकल्प (b) अशुद्ध है:** 'कि' से पहले अल्पविराम (,) और अंत में विस्मय चिह्न (!) का प्रयोग गलत है।
- ➢ (c) **विकल्प (c) अशुद्ध है:** अप्रत्यक्ष प्रश्न होने के कारण अंत में प्रश्न चिह्न (?) का प्रयोग अनुचित है।
- ➢ (d) **विकल्प (d) अशुद्ध है:** 'कृपया' के बाद अल्पविराम (,) और अंत में विस्मय चिह्न (!) लगाना सर्वथा अनुचित है।

27. किस विकल्प में अशुद्ध वाक्य नहीं है?

(a) हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया।
(b) आपने रचनाओं में यही बात कई बार कहा है।
(c) उन्होंने आँखे फेरना ही सीख रखी हैं।
(d) यह शरीर नष्ट हो जाएगा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

- ➢ **यह शरीर नष्ट हो जाएगा।** = शुद्ध रूप (इसमें किसी प्रकार की व्याकरणिक त्रुटि नहीं है)।
- ➢ (a) **विकल्प (a) अशुद्ध है:** 'शिक्षा' स्त्रीलिंग है, अतः क्रिया भी स्त्रीलिंग होगी (शुद्ध रूप: हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर **दी**)।
- ➢ (b) **विकल्प (b) अशुद्ध है:** 'बात' स्त्रीलिंग है, अतः क्रिया भी स्त्रीलिंग होगी (शुद्ध रूप: आपने रचनाओं में यही बात कई बार **कही** है)।
- ➢ (c) **विकल्प (c) अशुद्ध है:** क्रिया का लिंग कर्म के अनुसार होगा (शुद्ध रूप: उन्होंने आँखें फेरना ही सीख **रखा** है)।

28. किस विकल्प में अशुद्ध वाक्य है?

(a) किसी आगामी घटना की कल्पना मेरे मन में न थी।
(b) यह रोग चिन्ताजनक है।
(c) यह एक गंभीर समस्या है।
(d) इसका कुछ भी अर्थ नहीं है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

- ➢ **किसी आगामी घटना की कल्पना मेरे मन में न थी।** = अशुद्ध रूप ('कल्पना' की जगह 'आशंका' शब्द का प्रयोग होना चाहिए, क्योंकि भविष्य की अप्रिय घटना के लिए आशंका व्यक्त की जाती है)।
- ➢ (b) **यह रोग चिन्ताजनक है।** = शुद्ध रूप (इसमें शब्दों का चयन पूरी तरह सही है)।
- ➢ (c) **यह एक गंभीर समस्या है।** = शुद्ध रूप (समस्या के विशेषण के रूप में 'गंभीर' बिल्कुल उचित है)।
- ➢ (d) **इसका कुछ भी अर्थ नहीं है।** = शुद्ध रूप (इस वाक्य में कोई व्याकरणिक त्रुटि नहीं है)

29. शुद्ध वाक्य है -

(a) जहाँ तक हो सके आप इस बात का प्रयत्न करें।
(b) विद्यार्थियों की मेले में कई टोलियां थी।
(c) वह पुत्रवत् अपनी प्रजा का पालन करता था।
(d) आपने किसी छात्रों की सभा में कहा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

- ➢ **वह पुत्रवत् अपनी प्रजा का पालन करता था।** = शुद्ध रूप (शब्द-चयन और व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिहीन है)।
- ➢ (a) **विकल्प (a) अशुद्ध है:** 'हो सके' और 'प्रयत्न करें' एक साथ अनुचित हैं (शुद्ध रूप: यथासंभव आप इस बात का प्रयत्न करें)।
- ➢ (b) **विकल्प (b) अशुद्ध है:** बहुवचन रूप अशुद्ध लिखा है (शुद्ध रूप: मेले में विद्यार्थियों की कई **टोलियाँ थीं**)।
- ➢ (d) **विकल्प (d) अशुद्ध है:** कारक और वचन का तालमेल गलत है (शुद्ध रूप: आपने **किसी छात्र सभा** में कहा या **छात्रों की किसी सभा** में कहा)।

30. किस विकल्प में अशुद्ध वाक्य नहीं है?

(a) मैं उसे सब-कुछ समझा दूँगा।
(b) मैं वहाँ कई बार जा आया हूँ।
(c) वह आगे बढ़ सकने का प्रयत्न करता है।
(d) यह रुपया नहीं पा पाया।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

- ➢ **मैं उसे सब-कुछ समझा दूँगा।** = अशुद्ध वाक्य नहीं है (अर्थात यह पूरी तरह **शुद्ध वाक्य** है)।
- ➢ (b) **विकल्प (b) अशुद्ध है:** 'जा आया हूँ' का प्रयोग व्याकरण के अनुसार गलत है (शुद्ध रूप: मैं वहाँ कई बार **हो आया हूँ** या **जा चुका हूँ**)।
- ➢ (c) **विकल्प (c) अशुद्ध है:** 'बढ़ सकने' क्रिया रूप पदक्रम के लिहाज से अनुचित है (शुद्ध रूप: वह आगे **बढ़ने का प्रयत्न** करता है)।
- ➢ (d) **विकल्प (d) अशुद्ध है:** 'पा पाया' पुनरुक्ति दोष का उदाहरण है जो पढ़ने में अटपटा लगता है (शुद्ध रूप: यह रुपया **नहीं मिल पाया**)।

31. किस विकल्प में अशुद्ध वाक्य है?

(a) सब चिन्ता दूर होने से मन शान्त हो गया।
(b) देश के प्रति प्रेम न होने से वह टुकड़ों में बँट जाएगा।
(c) गाड़ी के नीचे दबने से लड़के की मृत्यु हो गई।
(d) आँसू गैस छोड़कर उपद्रवी पकड़े गये।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

- ➢ **आँसू गैस छोड़कर उपद्रवी पकड़े गये।** = अशुद्ध रूप (गैस उपद्रवियों ने नहीं छोड़ी थी; शुद्ध रूप: **'आँसू गैस छोड़े जाने पर उपद्रवी पकड़े गए'**)।
- ➢ (a) **मन शान्त हो गया।** = शुद्ध रूप (वाक्य रचना पूरी तरह सही है)।
- ➢ (b) **वह टुकड़ों में बँट जाएगा।** = शुद्ध रूप (व्याकरण की दृष्टि से त्रुटिहीन है)।
- ➢ (c) **गाड़ी के नीचे दबने से...** = शुद्ध रूप (कारक और क्रिया का तालमेल बिल्कुल उचित है)।

32. किस विकल्प में शुद्ध वाक्य है?
(a) तुम्हारे से कोई काम नहीं हो सकता।
(b) उन्हें समझ में आ जायेगा।
(c) मेरा और मेरे मित्रों का इस मेले में जाना हुआ।
(d) यह लोग क्या कहते हैं?
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **मेरा और मेरे मित्रों का इस मेले में जाना हुआ।** = शुद्ध रूप (इस वाक्य में सर्वनाम, पदक्रम और कारक का प्रयोग पूरी तरह दोषरहित है)।
➢ (a) **विकल्प (a) अशुद्ध है:** सर्वनाम का रूप गलत है; शुद्ध रूप: **'तुमसे'** कोई काम नहीं हो सकता।
➢ (b) **विकल्प (b) अशुद्ध है:** कारक चिह्न की त्रुटि है; शुद्ध रूप: **'उन्हें'** समझ में आ जाएगा या **'उनकी'** समझ में आ जाएगा।
➢ (d) **विकल्प (d) अशुद्ध है:** वचन संबंधी अशुद्धि है; 'लोग' बहुवचन है, इसलिए शुद्ध रूप: **'ये'** लोग क्या कहते हैं? होगा।

33. 'वहाँ मत खेलो।' अर्थ के आधार पर यह वाक्य है-
(a) संकेतवाचक (b) विधिवाचक
(c) इच्छावाचक (d) आज्ञावाचक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **कारण**: इस वाक्य में 'मत खेलो' कहकर किसी काम को न करने का आदेश या **निषेध** दिया जा रहा है।
➢ ऐसे वाक्य जिनसे आज्ञा, उपदेश, प्रार्थना या अनुमति का बोध हो, **आज्ञावाचक वाक्य** कहलाते हैं।

34. किसी वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो विधान किया जाता है, उसे सूचित करने वाले शब्दों को कहते हैं -
(a) निपात (b) उपवाक्य
(c) विधेय (d) संज्ञा वाक्यांश
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **आज्ञावाचक** = जिस वाक्य में किसी कार्य को करने या न करने की आज्ञा, अनुमति या निषेध/आदेश का बोध हो (जैसे- 'वहाँ मत खेलो')।
➢ (a) **संकेतवाचक** = जहाँ एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करे (जैसे- यदि तुम पढ़ोगे, तो पास हो जाओगे)।
➢ (b) **विधिवाचक** = जिससे किसी काम के होने या करने का सामान्य बोध हो (जैसे- राम खेलता है)।
➢ (c) **इच्छावाचक** = जिससे इच्छा, शुभकामना या आशीर्वाद का भाव प्रकट हो (जैसे- भगवान तुम्हारा भला करे)।

35. निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य नहीं है :
(a) राम घोड़ा लाता है। (b) मनोज चोर को पकड़ता है।
(c) मुझको मारा जाता है। (d) मोहन चित्र देखता है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **मुझको मारा जाता है** = कर्मवाच्य (इसमें क्रिया 'मारा जाता है' का मुख्य केंद्र कर्म यानी 'मुझको' है, कर्ता यहाँ अज्ञात है)।
➢ (a) **राम घोड़ा लाता है** = कर्तृवाच्य (क्रिया 'लाता है' कर्ता 'राम' के लिंग और वचन के अनुसार है)।
➢ (b) **मनोज चोर को पकड़ता है** = कर्तृवाच्य (क्रिया 'पकड़ता है' का मुख्य संबंध कर्ता 'मनोज' से है)।
➢ (d) **मोहन चित्र देखता है** = कर्तृवाच्य (क्रिया 'देखता है' कर्ता 'मोहन' के अनुसार प्रयुक्त हुई है)।

36. 'सुशील ने कहा कि मैं गाँव नहीं जाऊँगा।' वाक्य में प्रधान उपवाक्य है -
(a) गाँव नहीं जाऊँगा (b) सुशील ने कहा
(c) नहीं जाऊँगा (d) मैं गाँव नहीं जाऊँगा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **सुशील ने कहा** = प्रधान उपवाक्य (वाक्य का मुख्य हिस्सा जो स्वतंत्र अर्थ रखता है और जिस पर दूसरा आश्रित उपवाक्य निर्भर होता है)।
➢ (a) **गाँव नहीं जाऊँगा** = संज्ञा आश्रित उपवाक्य का हिस्सा है।
➢ (d) **मैं गाँव नहीं जाऊँगा** = आश्रित उपवाक्य (विशेषकर 'कि' योजक शब्द से जुड़े उपवाक्य हमेशा 'संज्ञा आश्रित उपवाक्य' होते हैं)।

37. संयुक्त वाक्य का उदाहरण है -
(a) पेड़ के जीवन का आधार केवल पानी ही नहीं है, वरन् कई और पदार्थ भी हैं।
(b) जब-जब मुझे काम पड़ा, तब-तब आपने सहायता दी।
(c) जहाँ अभी समुद्र है, वहाँ किसी समय जंगल था।
(d) वे लोग भी वहीं से आए, जहाँ से आर्य लोग आए थे।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **वरन् कई और पदार्थ भी हैं।** = संयुक्त वाक्य ('वरन्' अव्यय दो स्वतंत्र उपवाक्यों को जोड़ रहा है)।
➢ (b) **जब-जब... तब-तब...** = मिश्र वाक्य (क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य)।
➢ (c) **जहाँ... वहाँ...** = मिश्र वाक्य (स्थानवाचक आश्रित उपवाक्य)।
➢ (d) **वहीं से... जहाँ से...** = मिश्र वाक्य (आश्रित उपवाक्य की संरचना)।

38. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य नहीं है :
(a) जब अँधेरा हुआ, तब हम लोग सो गये।
(b) मैं तुम्हें वहाँ भेजूँगा, जहाँ श्याम गया है।
(c) यहाँ ऐसे कई लोग हैं, जो दूसरों की चिंता नहीं करते।
(d) विद्या से ज्ञान बढ़ता है और विचारशक्ति प्राप्त होती है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **विद्या से ज्ञान बढ़ता है और विचारशक्ति प्राप्त होती है।** = संयुक्त वाक्य ('और' अव्यय दो स्वतंत्र उपवाक्यों को जोड़ रहा है)।
➢ (a) **जब... तब...** = मिश्र वाक्य (कालवाचक आश्रित उपवाक्य)।
➢ (b) **वहाँ... जहाँ...** = मिश्र वाक्य (स्थानवाचक आश्रित उपवाक्य)।
➢ (c) **ऐसे लोग हैं, जो...** = मिश्र वाक्य (विशेषण आश्रित उपवाक्य)।

39. 'यह तेल खदान से निकलता होगा।' वाक्य में काल है-
(a) अपूर्ण भूतकाल (b) संभाव्य भविष्यत् काल
(c) सामान्य भविष्यत् काल (d) संदिग्ध वर्तमान काल
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **यह तेल खदान से निकलता होगा।** = संदिग्ध वर्तमान काल (जब क्रिया के वर्तमान काल में होने पर संदेह प्रकट हो। इसकी पहचान क्रिया के अंत में 'ता होगा / ती होगी / ते होंगे' से होती है)।
➢ (a) **अपूर्ण भूतकाल** = क्रिया भूतकाल में जारी थी (जैसे- तेल खदान से निकल रहा था)।
➢ (b) **संभाव्य भविष्यत् काल** = भविष्य में होने की संभावना (जैसे- शायद तेल खदान से निकले)।
➢ (c) **सामान्य भविष्यत् काल** = भविष्य में सामान्य रूप से होना (जैसे- तेल खदान से निकलेगा)।

40. किस वाक्य में सामान्य भूतकाल का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) श्रीकृष्ण ने गोवर्धन कैसे उठाया होगा।
(b) अब यह बेमौत मरा।
(c) आप चलिए, मैं अभी आया।
(d) गाड़ी सवेरे आई।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **श्रीकृष्ण ने गोवर्धन कैसे उठाया होगा।** = संदिग्ध भूतकाल (क्रिया के भूतकाल में होने पर संदेह व्यक्त किया गया है, अंत में 'आ होगा' आया है)।
➢ (b) **अब यह बेमौत मरा।** = सामान्य भूतकाल (भूतकाल की क्रिया सामान्य रूप से पूरी हुई है)।
➢ (c) **आप चलिए, मैं अभी आया।** = सामान्य भूतकाल (आसन्न/सामान्य भूतकाल की क्रिया जो अभी-अभी घटित हुई हो)।
➢ (d) **गाड़ी सवेरे आई।** = सामान्य भूतकाल (बीते समय में सामान्य रूप से क्रिया संपन्न हुई है)।

41. किस विकल्प में रेखांकित पद और उसके समक्ष लिखे पुरुष का प्रकार असंगत है?
(a) यही तो <u>हम</u> भी कहते हैं – अन्य पुरुष
(b) यह थैली <u>मुझे</u> मिली - उत्तम पुरुष
(c) <u>हम</u> वनवासियों ने ऐसे भूषण आगे कभी न -देखे थे - उत्तम पुरुष
(d) पर्वतायन, <u>तू</u> अपने काम में असावधानी मत करियो - मध्यम पुरुष
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ यही तो हम भी कहते हैं = उत्तम पुरुष (वाक्य में 'हम' शब्द वक्ता स्वयं के लिए प्रयोग कर रहा है, इसलिए यह अन्य पुरुष नहीं बल्कि उत्तम पुरुष का रूप है)।
➢ (b) यह थैली मुझे मिली = उत्तम पुरुष ('मुझे' शब्द वक्ता स्वयं के लिए प्रयोग कर रहा है जो पूरी तरह सही है)।
➢ (c) हम वनवासियों ने = उत्तम पुरुष ('हम' सर्वनाम स्वयं के समूह के लिए आ रहा है जो सही है)।
➢ (d) तू अपने काम में = मध्यम पुरुष (सुनने वाले के लिए 'तू' का प्रयोग किया गया है जो बिल्कुल सही है)।

42. 'वह विद्यालय जा चुका था।' वाक्य में पक्ष है-
(a) पूर्णकालिक पक्ष (b) नित्यताबोधक पक्ष
(c) सातत्यबोधक पक्ष (d) आवृत्तिमूलक पक्ष
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **पूर्णकालिक पक्ष** = क्रिया पूरी तरह समाप्त हो चुकी है (जैसे- 'वह विद्यालय जा चुका था' में 'जा चुका था' कार्य की पूर्णता को दर्शाता है)
➢ (b) **नित्यताबोधक पक्ष** = क्रिया हमेशा चलने वाली सच्चाई हो (जैसे- सूर्य पूर्व में उगता है)
➢ (c) **सातत्यबोधक पक्ष** = क्रिया वर्तमान में लगातार जारी हो (जैसे- वह विद्यालय जा रहा है)
➢ (d) **आवृत्तिमूलक पक्ष** = क्रिया बार-बार होने की आदत हो (जैसे- वह प्रतिदिन विद्यालय जाता है)

43. निम्नलिखित में से किस विकल्प में कर्मवाच्य नहीं है?
(a) राम से कैसे बैठा जायेगा।
(b) कलाकार द्वारा मूर्ति गढ़ी जाती है।
(c) यह काम मुझसे नहीं होगा।
(d) पुस्तक खरीदी जाती है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **राम से कैसे बैठा जाएगा।** = भाववाच्य (इसमें क्रिया अकर्मक 'बैठना' है और असमर्थता/भाव की प्रधानता है, इसलिए यहाँ कर्मवाच्य नहीं है)।
➢ (b) **कलाकार द्वारा मूर्ति गढ़ी जाती है।** = कर्मवाच्य ('गढ़ी जाती है' क्रिया का सीधा संबंध कर्म 'मूर्ति' से है)।
➢ (c) **यह काम मुझसे नहीं होगा।** = कर्मवाच्य ('होगा' क्रिया का संबंध कर्म 'यह काम' से है और कर्ता के साथ 'से' लगा है)।
➢ (d) **पुस्तक खरीदी जाती है।** = कर्मवाच्य (इसमें कर्ता लुप्त है और क्रिया का सीधा संबंध कर्म 'पुस्तक' से है)।

44. आज्ञार्थक वृत्ति का उदाहरण है -
(a) यदि मेरा भाई यहाँ होता, तो तुम ऐसे न कहते।
(b) संभव है, वह आया हो।
(c) तुम वहाँ न जाना।
(d) हो सकता है कि कहीं वर्षा हुई हो।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **तुम वहाँ न जाना।** = आज्ञार्थक वृत्ति (क्रिया से आदेश या निषेध का बोध हो रहा है)।
➢ (a) **यदि... तो...** = संकेतार्थक वृत्ति (एक क्रिया दूसरी पर निर्भर है)।
➢ (b) **संभव है...** = सम्भावनार्थक वृत्ति (कार्य होने की संभावना है)।
➢ (d) **हो सकता है...** = सम्भावनार्थक वृत्ति (अनुमान का भाव है)

45. किस विकल्प में अशुद्ध शब्द है?
(a) तन्त्रिक (b) क्षुधित
(c) दुष्यन्त (d) नैसर्गिक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **तन्त्रिक** = अशुद्ध रूप (इसका शुद्ध रूप **'तांत्रिक'** होता है, जिसमें 'तन्त्र' मूल शब्द में 'इक' प्रत्यय लगने से आदि स्वर 'अ' का 'आ' हो जाता है)।
➢ (b) **क्षुधित** = शुद्ध रूप (इसका अर्थ 'भूखा' होता है)।
➢ (c) **दुष्यन्त** = शुद्ध रूप (एक प्रसिद्ध पौराणिक राजा का नाम)।
➢ (d) **नैसर्गिक** = शुद्ध रूप (इसका अर्थ 'प्राकृतिक' होता है, 'निसर्ग' में 'इक' प्रत्यय से बना है)।

46. कौन से वाक्य में अधिकरण कारक के परसर्ग 'पर' का प्रयोग नहीं है?
(a) गाड़ी नौ बजकर पैंतालीस मिनट पर आती है।
(b) वह अपने पुरखों की चाल पर चलता है।
(c) बात पर बात तो निकलती ही है।
(d) तुम्हारे कौन से सुरखाब के पर लगे हैं।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **तुम्हारे कौन से सुरखाब के पर लगे हैं।** = इस वाक्य में 'पर' शब्द का अर्थ **'पंख'** (संज्ञा) है, न कि अधिकरण कारक का परसर्ग (विभक्ति चिह्न)।
➢ (a) **नौ बजकर पैंतालीस मिनट पर** = अधिकरण कारक (समय का आधार दर्शाने के लिए 'पर' का प्रयोग सही है)।
➢ (b) **पुरखों की चाल पर** = अधिकरण कारक (व्यवहार या तरीके के आधार के रूप में 'पर' का प्रयोग सही है)।
➢ (c) **बात पर बात** = अधिकरण कारक (विषय या क्रम के आधार को प्रकट करने के लिए 'पर' का प्रयोग सही है)।

47. कर्ता कारक के 'ने' परसर्ग के अनुपयुक्त प्रयोग वाला वाक्य है -

(a) उसने यही बात करनी थी।
(b) लड़के ने चिट्ठी लिखी।
(c) राम ने छींका।
(d) मैंने नौकर को बुलाया है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **उसने यही बात करनी थी।** = अनुपयुक्त प्रयोग (शुद्ध रूप: **'उसे यही बात करनी थी'**)।
➢ (b) **लड़के ने चिट्ठी लिखी।** = उपयुक्त प्रयोग (सकर्मक भूतकालिक क्रिया के साथ 'ने' सही है)।
➢ (c) **राम ने छींका।** = उपयुक्त प्रयोग ('छींकना' अपवाद स्वरूप भूतकाल में 'ने' लेता है)।
➢ (d) **मैंने नौकर को बुलाया है।** = उपयुक्त प्रयोग (भूतकाल की सकर्मक क्रिया के साथ 'ने' सही है)।

48. शुद्ध शब्द है-

(a) दृव्यमान (b) द्रवीभूत
(c) दुतावास (d) दुरागृह
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **द्रवीभूत** = शुद्ध रूप (इसका अर्थ पिघला हुआ होता है)।
➢ (a) **दृव्यमान** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **द्रव्यमान**)।
➢ (c) **दुतावास** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **दूतावास**)।
➢ (d) **दुरागृह** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **दुराग्रह**)।

49. निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग शब्द है :

(a) खड़ाऊँ (b) पक्षी
(c) पैसा (d) सेब
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **खड़ाऊँ** = स्त्रीलिंग शब्द (जैसे- खड़ाऊँ पुरानी है)
➢ (b) **पक्षी** = पुल्लिंग शब्द (जैसे- पक्षी उड़ता है)
➢ (c) **पैसा** = पुल्लिंग शब्द (जैसे- पैसा खर्च हो गया)
➢ (d) **सेब** = पुल्लिंग शब्द (जैसे- सेब मीठा है)

50. बहुधा एकवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द है -

(a) अनेक (b) तेल
(c) आप (d) सब
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **तेल** = सदा एकवचन (द्रव्यवाचक संज्ञाएँ जैसे तेल, पानी, दूध हमेशा एकवचन में प्रयुक्त होती हैं)।
➢ (a) **अनेक** = सदा बहुवचन ('एक' का बहुवचन रूप है)।
➢ (c) **आप** = सदा बहुवचन (आदरसूचक सर्वनाम होने के कारण बहुवचन में आता है)।
➢ (d) **सब** = सदा बहुवचन (समूह या अधिकता को दर्शाने के कारण बहुवचन रूप है)।

51. प्रायः बहुवचन क्रिया के साथ प्रयुक्त होने वाला संज्ञा शब्द है -

(a) घी (b) सोना
(c) आकाश (d) आँसू
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **आँसू** = सदा बहुवचन (यह शब्द हमेशा बहुवचन क्रिया के साथ प्रयुक्त होता है, जैसे- 'आँसू आ गए')।
➢ (a) **घी** = सदा एकवचन (द्रव्यवाचक संज्ञा होने के कारण)।
➢ (b) **सोना** = सदा एकवचन (धातु या द्रव्यवाचक संज्ञा होने के कारण)।
➢ (c) **आकाश** = सदा एकवचन (एकमात्र वस्तु या व्यक्तिवाचक/भाववाचक स्थिति के कारण)।

52. निम्नलिखित शब्दों में से पुल्लिंग शब्द का चयन कीजिए:

(a) सरकार (b) रात
(c) लात (d) बड़प्पन
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **बड़प्पन** = पुल्लिंग शब्द (भाववाचक संज्ञाओं के अंत में 'पन' प्रत्यय होने पर वे हमेशा पुल्लिंग होती हैं, जैसे- बड़प्पन, लड़कपन)।
➢ (a) **सरकार** = स्त्रीलिंग शब्द (जैसे- सरकार बदल गई)।
➢ (b) **रात** = स्त्रीलिंग शब्द (जैसे- रात हो गई)।
➢ (c) **लात** = स्त्रीलिंग शब्द (जैसे- लात मारना या लात लगी)।

53. 'सूची - सूजी' शब्द-युग्म का क्रमशः सही अर्थ है-

(a) पवित्र - चिन्ता (b) तालिका - गेहूँ का दरदरा आटा
(c) विवरण - पवित्र (d) प्रपत्र - गेहूँ का दरदरा आटा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **सूची** = तालिका / नामावली (Index / List)
➢ **सूजी** = गेहूँ का दरदरा आटा (Semolina)

54. किस विकल्प में सभी शब्द अशुद्ध हैं?

(a) अतिशयोक्ति, द्वारका, घुटना
(b) वयवृद्ध, अहिल्या, अभ्यर्थि
(c) चन्द्रिका, प्रदर्शनी, घनिष्ट
(d) अधीन, तात्कालिक, अष्टावक्र
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **वयवृद्ध, अहिल्या, अभ्यर्थि** = सभी शब्द अशुद्ध हैं।
➢ 'वयवृद्ध' का शुद्ध रूप **'वयोवृद्ध'** होता है।
➢ 'अहिल्या' का शुद्ध रूप **'अहल्या'** होता है।
➢ 'अभ्यर्थि' का शुद्ध रूप **'अभ्यर्थी'** होता है।
➢ (a) **अतिशयोक्ति, द्वारका, घुटना** = सभी शुद्ध शब्द हैं।
➢ (c) **चन्द्रिका, प्रदर्शनी, घनिष्ट** = 'चन्द्रिका' और 'प्रदर्शनी' शुद्ध हैं, परन्तु 'घनिष्ट' अशुद्ध है (शुद्ध: घनिष्ठ)।
➢ (d) **अधीन, तात्कालिक, अष्टावक्र** = 'अधीन' और 'तात्कालिक' शुद्ध हैं, परन्तु 'अष्टावक्र' अशुद्ध है (शुद्ध: अष्टावक्र या अष्टावक्र ऋषि के संदर्भ में 'अष्टावक्र')।

55. किस विकल्प में शब्द-युग्म का क्रमशः सही अर्थ नहीं है?

(a) विनिमय - विनियम = अदला-बदली - नियंत्रण
(b) सुरति – सुरती = अनुराग - तंबाकू
(c) सुरभि – सुरभी = छोटी माला - सुपारी
(d) सुभग – सुभट = सुंदर - भारी योद्धा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **सुरभि – सुरभी** = इसका क्रमशः सही अर्थ **सुगंध – गाय** होता है (विकल्प में दिया गया 'छोटी माला - सुपारी' अर्थ पूरी तरह गलत है)।
➢ (a) **विनिमय - विनियम** = अदला-बदली (Exchange) - नियम/नियंत्रण (Regulation)।
➢ (b) **सुरति – सुरती** = याद/अनुराग - तंबाकू (क्षेत्रीय भाषा में)।
➢ (d) **सुभग – सुभट** = सुंदर/भाग्यशाली - वीर/भारी योद्धा।

56. अशुद्ध शब्द है-

(a) दुराशय (b) अनन्या
(c) अनधिक्रत (d) अन्तरात्मा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **अनधिक्रत** = अशुद्ध रूप (इसका शुद्ध रूप **'अनधिकृत'** होता है, जो 'अन्' उपसर्ग और 'अधिकृत' के मेल से बनता है)।

➢ (a) **दुराशय** = शुद्ध रूप (दुः + आशय = दुराशय, जिसका अर्थ बुरा इरादा होता है)।

➢ (b) **अनन्या** = शुद्ध रूप (जिसका अर्थ किसी एक के ही प्रति निष्ठा रखने वाली स्त्री होता है)।

➢ (d) **अन्तरात्मा** = शुद्ध रूप (अन्तः + आत्मा = अंतरात्मा, जिसका अर्थ आंतरिक मन होता है)।

57. शुद्ध शब्द है -

(a) स्वेच्छिक (b) रणनिति
(c) तीर्थाटन (d) पुर्नप्राप्ति
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **तीर्थाटन** = शुद्ध रूप (तीर्थ + अटटन, जिसका अर्थ तीर्थों में घूमना या यात्रा करना होता है)।

➢ (a) **स्वेच्छिक** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **स्वैच्छिक**; 'स्वेच्छा' मूल शब्द में 'इक' प्रत्यय लगने से बना है)।

➢ (b) **रणनिति** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **रणनीति**; इसमें 'नीति' की 'ती' बड़ी होती है)।

➢ (d) **पुर्नप्राप्ति** = अशुद्ध रूप (शुद्ध रूप: **पुनर्प्राप्ति**; इसमें 'र' की मात्रा 'प्' के ऊपर आएगी)।

58. अशुद्ध शब्द है -

(a) परिप्रेक्ष्य (b) स्रष्टा
(c) सिंदूर (d) नुपुर
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **नुपुर** = अशुद्ध रूप (इसका शुद्ध रूप **'नूपुर'** होता है, जिसमें 'नू' बड़ा और 'पु' छोटा होता है)।

➢ (a) **परिप्रेक्ष्य** = शुद्ध रूप (इसका अर्थ संदर्भ या दृष्टिकोण होता है)।

➢ (b) **स्रष्टा** = शुद्ध रूप (इसका अर्थ निर्माण करने वाला या सृष्टि रचने वाला होता है)।

➢ (c) **सिंदूर** = शुद्ध रूप (इसमें 'दू' बड़ा होता है)।

59. अशुद्ध शब्द है -

(a) कैलास (b) अध्यात्मिक
(c) अनुगृहीत (d) लालित्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **अध्यात्मिक** = अशुद्ध रूप (इसका शुद्ध रूप **'आध्यात्मिक'** होता है, क्योंकि 'अध्यात्म' मूल शब्द में 'इक' प्रत्यय जुड़ने पर पहला अक्षर 'अ' से 'आ' हो जाता है)।

➢ (a) **कैलास** = शुद्ध रूप (व्याकरणिक दृष्टि से 'स' वाला रूप शुद्ध माना जाता है, 'कैलाश' अशुद्ध है)।

➢ (c) **अनुगृहीत** = शुद्ध रूप (इसमें 'गृ' और 'ही' का प्रयोग पूरी तरह सही है)।

➢ (d) **लालित्य** = शुद्ध रूप (ललित + य प्रत्यय से बना शुद्ध शब्द)।

60. किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं?

(a) फेंकना, मंजूषा (b) अनाधिक, त्यौहार
(c) धराशायी, उत्तरदाई (d) न्योछावर, ओपन्यासिक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **फेंकना, मंजूषा** = सभी शब्द शुद्ध हैं।

➢ (b) **अनाधिक, त्यौहार** = दोनों अशुद्ध हैं (शुद्ध रूप: **अनधिक** और **त्योहार**)।

➢ (c) **धराशायी, उत्तरदाई** = 'उत्तरदाई' अशुद्ध है (शुद्ध रूप: **धराशायी** और **उत्तरदायी**)।

➢ (d) **न्योछावर, ओपन्यासिक** = 'ओपन्यासिक' अशुद्ध है (शुद्ध रूप: **न्योछावर** और **औपन्यासिक**)।

61. असंगत विलोम शब्द है-

(a) अर्पण – ग्रहण (b) उन्नति - अवनति
(c) अनादर – निरादर (d) आविर्भूत - तिरोभूत
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **अनादर – निरादर** = असंगत विलोम (ये दोनों एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं, जिनका अर्थ 'अपमान' होता है; अनादर का सही विलोम **'आदर'** होता है)

➢ (a) **अर्पण – ग्रहण** = संगत विलोम (अर्पण का अर्थ देना और ग्रहण का अर्थ लेना)

➢ (b) **उन्नति - अवनति** = संगत विलोम (उन्नति का अर्थ आगे बढ़ना और अवनति का अर्थ गिरावट)

➢ (d) **आविर्भूत - तिरोभूत** = संगत विलोम (आविर्भूत का अर्थ प्रकट होना और तिरोभूत का अर्थ गायब होना)

62. 'प्रतियोगिता आदि में किसी से होड़ लेने की इच्छा' वाक्यांश हेतु उपयुक्त सार्थक शब्द है-

(a) स्पृहणीय (b) शिरोधार्य
(c) ईर्ष्यालु (d) स्पर्द्धा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **स्पर्द्धा** = प्रतियोगिता आदि में किसी से होड़ लेने की इच्छा।

➢ (a) **स्पृहणीय** = जो चाहने योग्य हो या जिसकी इच्छा की जाए।

➢ (b) **शिरोधार्य** = जिसे आदरपूर्वक सिर पर धारण किया जाए या स्वीकार किया जाए।

➢ (c) **ईर्ष्यालु** = दूसरों की उन्नति देखकर जलने वाला व्यक्ति

63. किस विकल्प में वाक्यांश के लिए प्रयुक्त शब्द उपयुक्त नहीं है?

(a) गृहस्थ का धर्म – गार्हस्थ्य (b) जाना और आना - गमनागमन
(c) गुणों का पारखी – गुणक (d) बड़ा पर्वत - गिरिराज
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **गुणों का पारखी** = इसका उपयुक्त सार्थक शब्द **'गुणज्ञ'** होता है (विकल्प में दिया गया 'गुणक' शब्द अनुचित है, जिसका अर्थ गणित में गुणा करने वाली संख्या ।

➢ (a) **गृहस्थ का धर्म – गार्हस्थ्य** = पूरी तरह उपयुक्त शब्द है।

➢ (b) **जाना और आना - गमनागमन** = गमन (जाना) + आगमन (आना) के मेल से बना उपयुक्त शब्द है।

➢ (d) **बड़ा पर्वत - गिरिराज** = पर्वतों का राजा या विशाल पर्वत के लिए उपयुक्त शब्द है।

64. 'शाश्वत' का विलोम शब्द है-
(a) अविनश्वर (b) अनश्वर
(c) क्षणिक (d) अविनाशी
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **शाश्वत** = इसका अर्थ 'हमेशा रहने वाला' होता है और इसका सही विलोम **क्षणिक** (कुछ ही पल रहने वाला) है।
➢ (a) **अविनश्वर** = यह 'शाश्वत' का ही पर्यायवाची है, जिसका अर्थ जिसका नाश न हो।
➢ (b) **अनश्वर** = यह भी 'शाश्वत' का पर्यायवाची शब्द है।
➢ (d) **अविनाशी** = यह भी 'शाश्वत' का ही समानार्थी शब्द है।

65. निम्नलिखित में से किस शब्द-युग्म का क्रमशः सही अर्थ है?
(a) अपेक्षा - उपेक्षा = चाह - परित्याग
(b) परुष - पुरुष = आदमी - कोमल
(c) दिवा - दीवा = दीया - दिवस
(d) तरंग - तुरंग = हिरण - लहर
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **अपेक्षा - उपेक्षा** = चाह / आवश्यकता - परित्याग / अवहेलना (यह पूरी तरह सही अर्थ-युग्म है)।
➢ **परुष - पुरुष** = कोमल नहीं बल्कि **कठोर - आदमी** (यहाँ अर्थ उलट दिया गया है)।
➢ **दिवा - दीवा** = **दिवस (दिन) - दीया** (यहाँ भी अर्थ विपरीत क्रम में लिखा गया है)।
➢ **तरंग - तुरंग** = **लहर - घोड़ा** (हिरण नहीं होता)।

66. किस समश्रुत शब्द-युग्म का क्रमशः अर्थ सुमेलित नहीं है?
(a) तक्र - तर्क = छाछ - दलील
(b) अंत - अंत्य = समाप्ति - अंतिम
(c) कांति - क्लांति = दीप्ति - थकावट
(d) टुक - टूक = टुकड़ा - थोड़ा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **टुक - टूक** = इसका सही अर्थ क्रमशः **थोड़ा - टुकड़ा** होता है (विकल्प में अर्थ का क्रम उलट दिया गया है; 'टुक' का अर्थ थोड़ा और 'टूक' का अर्थ टुकड़ा होता है)।
➢ (a) **तक्र - तर्क** = छाछ - दलील (पूरी तरह सही सुमेलित है)।
➢ (b) **अंत - अंत्य** = समाप्ति - अंतिम (पूरी तरह सही सुमेलित है)।
➢ (c) **कांति - क्लांति** = दीप्ति/चमक - थकावट (पूरी तरह सही सुमेलित है)।

67. किस विकल्प में वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द नहीं है?
(a) लिखने योग्य - आलेख्य
(b) गुण-दोष आदि का विवेचन करने वाला - आलोच्य
(c) किसी कृति के गुण-दोषों का निरूपण - आलोचना
(d) जिसकी आलोचना की गई हो - आलोचित
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[*]**

व्याख्या:-
➢ सही उत्तर विकल्प (b) है। 'गुण-दोष आदि का विवेचन करने वाला' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द 'आलोचक' होता है, न कि 'आलोच्य'।

68. 'शाबाश!' निम्न में से विस्मयादिबोधक अव्यय के किस भेद का उदाहरण है?
(a) संबोधनद्योतक (b) शोकबोधक
(c) स्वीकारबोधक (d) हर्षबोधक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **'शाबाश!'** शब्द से मन के आनंद, उत्साह और प्रशंसा का भाव प्रकट होता है, इसलिए यह **हर्षबोधक** अव्यय है।
➢ विस्मयादिबोधक अव्यय वक्ता के हर्ष, शोक, विस्मय और घृणा जैसे अचानक उत्पन्न होने वाले भावों को दर्शाते हैं।
➢ 'शाबाश!' के अतिरिक्त **वाह-वाह!** और **अहा!** भी हर्षबोधक श्रेणी के प्रमुख उदाहरण माने जाते हैं।
➢ अन्य विकल्प जैसे 'हे' (संबोधन), 'हाय' (शोक) और 'हाँ' (स्वीकार) अलग-अलग मनोभावों को प्रकट करते हैं।

69. इनमें से कौनसा वाक्य निपात रहित है?
(a) गाड़ी तो धीरे चल रही है। (b) और भी लोग आने वाले हैं।
(c) मैं तुम्हारा सिर फोड़ दूँगा। (d) हाँ, मैं वहाँ गया था।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **'मैं तुम्हारा सिर फोड़ दूँगा'** वाक्य में किसी भी **निपात शब्द** का प्रयोग नहीं हुआ है, इसलिए यह निपात रहित है।
➢ निपात वे सहायक शब्द होते हैं जो किसी शब्द या पद के बाद लगकर उसके अर्थ में विशेष बल पैदा करते हैं।
➢ विकल्प (a) में **'तो'**, विकल्प (b) में **'भी'** और विकल्प (d) में **'हाँ'** निपात शब्द हैं जो वाक्य में बल दे रहे हैं।
➢ हिंदी में मुख्यतः नौ प्रकार के निपात होते हैं, जिनमें ही, भी, तो, तक, मात्र, भर, हाँ, जी आदि प्रमुख हैं।

70. संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है-
(a) नौकर गाँव तक गया।
(b) गाड़ी समय से पहले आई।
(c) मैं विदेश कदापि न जाऊँगा।
(d) मेरे पास एक घड़ी है।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **'मैं विदेश कदापि न जाऊँगा'** वाक्य में **'कदापि'** और **'न'** शब्द क्रिया-विशेषण अव्यय हैं, यहाँ किसी संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे शब्दों से बताने वाला कोई संबंधसूचक अव्यय नहीं है।
➢ संबंधसूचक अव्यय वे शब्द होते हैं जो संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जोड़ते हैं।
➢ विकल्प (a) में **'तक'** (गाँव तक), विकल्प (b) में **'से पहले'** (समय से पहले) और विकल्प (d) में **'के पास'** (मेरे पास) संबंधसूचक अव्यय के रूप में प्रयुक्त हुए हैं।
➢ पहचान के लिए संबंधसूचक अव्यय के साथ प्रायः विभक्ति चिह्न (जैसे- के, से, की) या परसर्ग जुड़े होते हैं।

71. निम्नलिखित में से 'जूठन' का पर्यायवाची नहीं है:
(a) भुक्त (b) भुक्ति
(c) अवशिष्ट (d) उच्छिष्ट
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-
➢ **'भुक्ति'** शब्द का अर्थ 'भोग', 'भोजन' या 'कब्ज़ा' होता है, इसलिए यह 'जूठन' का पर्यायवाची नहीं है।
➢ **'जूठन'** का तात्पर्य भोजन करने के बाद बचे हुए जूठे हिस्से या अवशेष से होता है।
➢ विकल्प (a) **भुक्त** (खाया हुआ), (c) **अवशिष्ट** (बचा हुआ) और (d) **उच्छिष्ट** (जूठा भोजन) इसके सही पर्यायवाची हैं।
➢ 'उच्छिष्ट' शब्द जूठन के लिए हिंदी व्याकरण और तत्सम शब्दावली में सबसे मुख्य पर्यायवाची माना जाता है।

72. निम्नलिखित में से 'ध्वज' का पर्यायवाची नहीं है:
(a) केतन (b) केतु
(c) पताका (d) पल्लव
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **'पल्लव'** शब्द का अर्थ 'कोमल पत्ता' या 'किस्लय' होता है, इसलिए यह 'ध्वज' का पर्यायवाची नहीं है।
➢ **'ध्वज'** का तात्पर्य किसी राष्ट्र, संस्था या दल के प्रतीक चिन्ह स्वरूप फहराए जाने वाले झंडे से है।
➢ विकल्प (a) **केतन**, (b) **केतु** और (c) **पताका** तीनों शब्द झंडे या ध्वज के ही प्रसिद्ध पर्यायवाची हैं।
➢ ध्वज के अन्य प्रमुख पर्यायी शब्दों में 'झंडा', 'निशान' और 'वैजयंती' का नाम भी शामिल किया जाता है।

73. किस विकल्प में असंगत विलोम शब्द है?
(a) स्पंदित – निष्पंद (b) शोषक - पोषक
(c) अचेष्ट – निश्चेष्ट (d) साधक - बाधक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **'अचेष्ट' और 'निश्चेष्ट'** परस्पर विलोम न होकर एक-दूसरे के समानार्थी हैं, दोनों का अर्थ 'चेष्टारहित' या 'बेहोश' होता है।
➢ 'अचेष्ट' या 'निश्चेष्ट' का सही विलोम शब्द **'सचेष्ट'** (चेष्टा सहित या सक्रिय) होता है।
➢ विकल्प (a) **स्पंदित का निष्पंद**, (b) **शोषक का पोषक** और (d) **साधक का बाधक** बिल्कुल सही विलोम युग्म हैं।
➢ विलोम शब्दों का चयन करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तत्सम शब्द का विलोम सदैव तत्सम ही हो।

74. कौनसे विकल्प में सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं?
(a) धवल, शुभ्र, सित (b) उपवन, उद्यान, वाटिका
(c) सहोदरा, अग्रजा, भगिनी (d) शारदा, कमला, रमा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **'शारदा, कमला, रमा'** परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं; 'शारदा' सरस्वती जी का और 'कमला व रमा' लक्ष्मी जी के नाम हैं।
➢ विकल्प (a) में **धवल, शुभ्र, सित** सफ़ेद रंग के तथा (b) में **उपवन, उद्यान, वाटिका** बगीचे के पर्यायवाची हैं।
➢ विकल्प (c) में **सहोदरा, अग्रजा, भगिनी** सभी शब्द बहन (सहोदरा-सगी बहन, अग्रजा-बड़ी बहन) के सूचक हैं।
➢ इस प्रकार केवल विकल्प (d) में ही अलग-अलग देवियों के नाम होने के कारण असंगति पायी गई है।

75. निजवाचक सर्वनाम 'आप' का उदाहरण नहीं है-
(a) आप भला तो जग भला।
(b) मैं आप वहाँ गया था।
(c) मुनि आप मुझसे मिले थे।
(d) मैं आप से फिर निवेदन करूँगा।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **'मैं आप से फिर निवेदन करूँगा'** वाक्य में 'आप' शब्द **मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम** है, निजवाचक नहीं।
➢ यहाँ 'आप' का प्रयोग सामने वाले व्यक्ति (श्रोता) को आदर देने के लिए सम्मानसूचक रूप में किया गया है।
➢ विकल्प (a), (b) और (c) में 'आप' का प्रयोग स्वयं के अर्थ में (खुद के लिए) होने से **निजवाचक सर्वनाम** है।
➢ जब 'आप' शब्द का अर्थ 'खुद' या 'स्वयं' निकले तो वह निजवाचक और जब 'तुम' के अर्थ में हो तो पुरुषवाचक होता है।

76. 'वह लड़का, जो कल आया था, पढ़ने में तेज़ है।' वाक्य में रेखांकित पद में किस सर्वनाम का प्रयोग हुआ है?
(a) निजवाचक सर्वनाम (b) पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) संबंधवाचक सर्वनाम (d) निश्चयवाचक सर्वनाम
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-
➢ **'वह लड़का, जो कल आया था'** वाक्य में प्रयुक्त **'जो'** शब्द **संबंधवाचक सर्वनाम** का सटीक उदाहरण है।
➢ संबंधवाचक सर्वनाम वे शब्द होते हैं जो दो वाक्यों या उपवाक्यों के बीच संबंध जोड़ने का कार्य करते हैं।
➢ यहाँ 'जो' शब्द पहले उपवाक्य के 'लड़के' का संबंध दूसरे उपवाक्य 'पढ़ने में तेज़ है' से जोड़ रहा है।
➢ हिंदी व्याकरण में 'जो-सो', 'जैसा-वैसा' और 'जिसकी-उसकी' जैसे युग्म शब्द संबंधवाचक सर्वनाम की मुख्य पहचान हैं।

77. सार्वनामिक विशेषण रहित वाक्य है-
(a) देखो, कौन आया है। (b) कौन आदमी आया है?
(c) कोई सज्जन आए हुए हैं। (d) इनमें से क्या चीज़ तुम लोगे?
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ **'देखो, कौन आया है।'** वाक्य सार्वनामिक विशेषण से रहित है क्योंकि यहाँ 'कौन' शब्द संज्ञा के बिना आकर **प्रश्नवाचक सर्वनाम** बना है।
➢ जब कोई सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा से ठीक पहले आकर उसकी विशेषता बताता है, तब उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।
➢ विकल्प (b) में **'कौन आदमी'**, (c) में **'कोई सज्जन'** और (d) में **'क्या चीज़'** संज्ञा से पहले आने के कारण सार्वनामिक विशेषण हैं।
➢ विकल्प (a) में 'कौन' के तुरंत बाद कोई संज्ञा पद नहीं है, इसलिए वह विशेषण न होकर शुद्ध सर्वनाम पद है।

78. निम्न में व्यक्तिवाचक संज्ञा है:
(a) ईश्वर (b) मनुष्य
(c) घर (d) नदी
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-
➢ दिए गए विकल्पों में से आधिकारिक उत्तर कुंजी के अनुसार **'ईश्वर'** शब्द को **व्यक्तिवाचक संज्ञा** के रूप में स्वीकार किया गया है।
➢ सामान्यतः व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी एक विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के निश्चित नाम का बोध कराती है।
➢ अन्य तीनों विकल्प **मनुष्य, घर और नदी** अपनी पूरी जाति का बोध कराने के कारण **जातिवाचक संज्ञा** के उदाहरण हैं।
➢ दार्शनिक या विशिष्ट संदर्भों में जब 'ईश्वर' शब्द को एक अद्वितीय सत्ता का सूचक माना जाता है, तब इसे व्यक्तिवाचक संज्ञा माना जाता है।

79. सकर्मक क्रिया के प्रयोग का उदाहरण है-
(a) आप मेरे मित्र ठहरे। (b) मैं गया।
(c) पक्षी उड़ते हैं। (d) मैं तुम्हें उपाय बतलाता हूँ।
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-
➢ **'मैं तुम्हें उपाय बतलाता हूँ'** वाक्य सकर्मक क्रिया का उदाहरण है क्योंकि इसमें 'उपाय' और 'तुम्हें' दो कर्म मौजूद हैं।
➢ सकर्मक क्रिया वह होती है जिसके कार्य का फल या प्रभाव कर्ता पर न पड़कर सीधे कर्म पर पड़ता है।
➢ विकल्प (a), (b) और (c) में प्रयुक्त क्रियाएँ (ठहरे, गया, उड़ते हैं) **अकर्मक क्रियाएँ** हैं क्योंकि इनमें कोई कर्म नहीं है।
➢ क्रिया के साथ 'क्या' या 'किसको' प्रश्न करने पर यदि उत्तर मिलता है (जैसे: क्या बतलाता हूँ? -> उपाय), तो वह सकर्मक होती है।

80. प्रेरणार्थक क्रिया है-

(a) चमकना (b) गलाना
(c) करना (d) चरना
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **'गलाना'** एक **प्रेरणार्थक क्रिया** है जो मूल धातु 'गलना' में 'आना' प्रत्यय लगाने से (प्रथम प्रेरणार्थक) बनी है।
➢ जब कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी अन्य को कार्य करने की प्रेरणा देता है, तो उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
➢ विकल्प (a) चमकना, (c) करना और (d) चरना सामान्य या मूल क्रियाएँ हैं जहाँ कर्ता स्वयं क्रिया को संपन्न करता है।
➢ प्रेरणार्थक क्रियाएँ दो रूपों में होती हैं: प्रथम प्रेरणार्थक (जैसे- गलाना) और द्वितीय प्रेरणार्थक (जैसे- गलवाना)।

81. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण है-

(a) एकाएक (b) शायद
(c) इसलिए (d) सर्वथा
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **'सर्वथा'** शब्द **परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण** है, जिसका अर्थ 'पूरी तरह से' या 'सब प्रकार से' (मात्रा या सीमाबोधक) होता है।
➢ परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण वे अव्यय शब्द होते हैं जो क्रिया की मात्रा, नाप-तौल या परिमाण का बोध कराते हैं।
➢ विकल्प (a) **एकाएक** रीतिवाचक, (b) **शायद** कालवाचक/रीतिवाचक (संभावना) और (c) **इसलिए** कारणवाचक क्रिया-विशेषण के अंतर्गत आते हैं।
➢ सर्वथा के अन्य समानार्थक परिमाणवाचक शब्द 'बिलकुल', 'अति', 'सर्वथा' और 'पूर्णतः' माने जाते हैं।

82. किस विकल्प में दोनों शब्द विशेषण हैं?

(a) कटाक्ष, प्रेम (b) धमकी, धर्मान्ध
(c) गोपनीय, गोलोक (d) रोगी, भविष्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **'गोपनीय, गोलोक'** आधिकारिक उत्तर कुंजी के अनुसार सही विकल्प माना गया है, जिसमें 'गोपनीय' (गुप्त रखने योग्य) विशेषण है।
➢ विशेषण वे शब्द होते हैं जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता, गुण, दोष या दशा प्रकट करते हैं।
➢ विकल्प (a) में **कटाक्ष, प्रेम** दोनों शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं, विशेषण नहीं।
➢ विकल्प (b) में **धमकी** भाववाचक संज्ञा है और विकल्प (d) में **भविष्य** कालसूचक संज्ञा शब्द है।

83. 'य' प्रत्यय के योग से बना शब्द नहीं है-

(a) शांडिल्य (b) वाणिज्य
(c) पांडित्य (d) पाश्चात्य
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **'शांडिल्य'** शब्द 'य' प्रत्यय के योग से नहीं बल्कि **'इय' या 'अयन'** प्रत्यय के नियमों के अंतर्गत आता है (शांडिल + य नहीं, बल्कि शांडिलि से निर्मित है)।
➢ 'य' प्रत्यय जुड़ने पर शब्द के प्रथम स्वर में वृद्धि (जैसे अ का आ, इ का ऐ) होती है और अंतिम वर्ण आधा हो जाता है।
➢ विकल्प (b) **वाणिज्य** (वणिज + य), (c) **पांडित्य** (पंडित + य) और (d) **पाश्चात्य** (पश्चात + य) तीनों शुद्ध रूप से 'य' प्रत्यय से बने हैं।
➢ 'पंडित' में 'य' जुड़ने से 'पांडित्य' और 'पश्चात' में 'य' जुड़ने से 'पाश्चात्य' शब्द का निर्माण व्याकरण सम्मत है।

84. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द नहीं है:

(a) थाप (b) खल
(c) वत्स (d) काल
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **'थाप'** शब्द एक **तद्भव शब्द** है (जिसका मूल संस्कृत रूप 'थापा' या 'स्थापन' से प्रभावित है), इसलिए यह तत्सम नहीं है।
➢ तत्सम शब्द संस्कृत भाषा के वे शब्द होते हैं जो हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के मूल रूप में प्रयुक्त होते हैं।
➢ विकल्प (b) **खल** (दुष्ट), (c) **वत्स** (बच्चा/बेटा) और (d) **काल** (समय/मृत्यु) तीनों शुद्ध संस्कृत अर्थात् तत्सम शब्द हैं।
➢ 'वत्स' का तद्भव 'बच्चा' या 'बछड़ा' होता है और 'खल' का प्रयोग सीधे तत्सम रूप में ही किया जाता है।

85. किस विकल्प में सभी शब्द तत्सम हैं?

(a) संधि, सोना (b) सूर्य, चम्पा
(c) सुगंध, हींग (d) हरित, छादन
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **'हरित, छादन'** विकल्प के दोनों शब्द शुद्ध **तत्सम शब्द** हैं; 'हरित' का अर्थ हरा और 'छादन' का अर्थ ढकना होता है।
➢ विकल्प (a) में **सोना** (तद्भव - तत्सम 'स्वर्ण'), (b) में **चम्पा** (तद्भव) और (c) में **हींग** (तद्भव - तत्सम 'हिंगु') अशुद्ध युग्म हैं।
➢ 'हरित' शब्द का तद्भव रूप 'हरा' होता है, जो हिंदी में व्यापक रूप से रंग के लिए प्रयुक्त होता है ।
➢ अतः केवल विकल्प (d) ही ऐसा समूह है जिसमें कोई भी तद्भव या देशी शब्द शामिल नहीं है।

86. 'अगिन' शब्द है-

(a) तत्सम (b) तद्भव
(c) अर्द्धतत्सम (d) देशज
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **'अगिन'** शब्द एक **अर्द्धतत्सम शब्द** है, जो संस्कृत के मूल शब्द 'अग्नि' का प्राकृत या अपभ्रंश रूप है।
➢ अर्द्धतत्सम वे शब्द होते हैं जो संस्कृत से प्राकृत भाषा में आते-आते थोड़े बदल गए और हिंदी में वैसे ही प्रयुक्त होने लगे।
➢ इस शब्द का मूल तत्सम रूप **'अग्नि'** होता है और इसका पूरी तरह बदला हुआ तद्भव रूप **'आग'** है।
➢ 'अगिन' शब्द मूल तत्सम और तद्भव के बीच की कड़ियाँ होते हैं, जैसे 'कार्य' से 'कारज' या 'अक्षर' से 'अच्छर'।

87. 'इष्ठ' प्रत्यय के योग से बना शब्द नहीं है-

(a) ज्येष्ठ (b) श्रेष्ठ
(c) स्वादिष्ठ (d) लब्धप्रतिष्ठ
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **'लब्धप्रतिष्ठ'** शब्द में 'इष्ठ' प्रत्यय नहीं लगा है, यह 'लब्ध' (प्राप्त) और 'प्रतिष्ठा' शब्दों से बना एक बहुब्रीहि समास का पद है।
➢ 'इष्ठ' प्रत्यय का प्रयोग अतिशयता या श्रेष्ठता (Superlative degree) दर्शाने के लिए मूल शब्दों के अंत में किया जाता है।
➢ विकल्प (a) **ज्येष्ठ** (वृद्ध + इष्ठ), (b) **श्रेष्ठ** (प्रशस्य + इष्ठ) और (c) **स्वादिष्ठ** (स्वाद + इष्ठ) इसके शुद्ध रूप हैं।
➢ ध्यान रहे कि मानक हिंदी वर्तनी के अनुसार 'स्वादिष्ठ' (ठ) को शुद्ध माना जाता है, जिसमें 'इष्ठ' प्रत्यय का योग स्पष्ट है।

88. निम्न में से तद्भव शब्द नहीं है:

(a) बिजली (b) घुण
(c) मछली (d) बैल
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **'घुण'** (या घुन) शब्द तद्भव नहीं बल्कि एक **तत्सम शब्द** है, जिसका प्रयोग लकड़ी या अनाज को खाने वाले कीड़े के लिए होता है।
➢ तद्भव शब्द वे होते हैं जो संस्कृत के मूल शब्दों से विकृत या परिवर्तित होकर हिंदी भाषा में प्रचलित हुए हैं।
➢ विकल्प (a) **बिजली** (तत्सम - विद्युत), (c) **मछली** (तत्सम - मत्स्य) और (d) **बैल** (तत्सम - बलीवर्द) तीनों शुद्ध तद्भव शब्द हैं।
➢ 'घुण' शब्द में 'ण' वर्ण का प्रयोग भी इसके तत्सम (संस्कृत) मूल का होने का एक प्रमुख व्याकरणिक संकेत है।

89. इनमें से देशज शब्द है-

(a) पेटी (b) पेठा
(c) डंडा (d) डंक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

➢ **'पेठा'** (एक प्रकार की प्रसिद्ध मिठाई या सब्जी) आधिकारिक उत्तर कुंजी के अनुसार इस समूह में **देशज शब्द** माना गया है।
➢ देशज शब्द वे होते हैं जिनकी उत्पत्ति के मूल स्रोत का पता नहीं होता और जो स्थानीय बोलियों या क्षेत्रीय प्रभाव से बने होते हैं।
➢ विकल्प (a) **पेटी** और (c) **डंडा** (दण्ड से) भाषा विकास के क्रम में तद्भव या अन्य प्रभावित रूपों में गिने जाते हैं।
➢ क्षेत्रीय भाषाओं में कद्दू या एशगार्ड प्रजाति से बनने वाली इस मिठाई (पेठा) का नाम विशुद्ध रूप से स्थानीय लोक भाषा की देन है।

90. इनमें से विदेशी शब्द नहीं है-

(a) राख (b) पुदीना
(c) चुकन्दर (d) अमीर
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

➢ **'राख'** शब्द विदेशी नहीं बल्कि एक **तद्भव (भारतीय) शब्द** है, जिसका मूल तत्सम रूप संस्कृत का **'क्षार'** होता है।
➢ विदेशी शब्द वे होते हैं जो अरबी, फ़ारसी, तुर्की, अंग्रेज़ी या पुर्तगाली आदि भाषाओं से आकर हिंदी में घुल-मिल गए हैं।
➢ विकल्प (b) **पुदीना** (फ़ारसी), (c) **चुकन्दर** (फ़ारसी) और (d) **अमीर** (अरबी) तीनों विदेशी भाषाओं के शब्द हैं।
➢ 'क्षार' शब्द समय के साथ प्राकृत रूप से परिवर्तित होते हुए आधुनिक हिंदी शब्दावली में 'राख' के रूप में स्थापित हुआ।

91. भाववाचक संज्ञा शब्द 'गरमी' निर्मित हुआ है-

(a) सर्वनाम से (b) जातिवाचक संज्ञा से
(c) विशेषण से (d) क्रिया से
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ भाववाचक संज्ञा शब्द **'गरमी'** का निर्माण मूल **विशेषण शब्द 'गरम'** (या गर्म) में **'ई'** प्रत्यय जोड़ने से हुआ है।
➢ भाववाचक संज्ञाएँ पाँच प्रकार के शब्दों से बनती हैं: जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय।
➢ 'गरम' एक गुणवाचक विशेषण है (जैसे- गरम पानी), जिससे उत्पन्न अवस्था या भाव को 'गरमी' कहा जाता है।
➢ इसी प्रकार विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनने के अन्य उदाहरण 'सफ़ेद' से 'सफ़ेदी' और 'मीठा' से 'मिठास' हैं।

92. निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द है:

(a) कटोरा (b) प्रिय
(c) चौपाई (d) घोर
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **'चौपाई'** एक **तद्भव शब्द** है, जिसका मूल तत्सम (संस्कृत) रूप **'चतुष्पादिका'** या **'चतुष्पदी'** होता है।
➢ तद्भव शब्द वे होते हैं जो संस्कृत के मूल शब्दों से रूप बदलकर प्राकृत और अपभ्रंश के माध्यम से हिंदी में आए हैं।
➢ विकल्प (a) **कटोरा** देशज शब्द है, जबकि (b) **प्रिय** और (d) **घोर** शुद्ध तत्सम (संस्कृत) शब्द हैं।
➢ 'चौपाई' का अर्थ चार चरणों वाला छंद होता है, जो 'चतुष्पदी' के भाषाई विकास का परिणाम है।

93. संधि की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है-

(a) अभि + आगत = अभ्यागत (b) वाक् + मय = वाङ्मय
(c) सप्त + ऋषि = सप्तर्षि (d) एक + एक = एकेक
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[d]**

व्याख्या:-

➢ **एक + एक = एकेक** संधि रूप त्रुटिपूर्ण है; **वृद्धि स्वर संधि** के नियमानुसार इसका शुद्ध रूप **'एकैक'** होगा।
➢ नियम के अनुसार जब 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आता है, तो दोनों मिलकर 'ऐ' (ै) हो जाते हैं।
➢ विकल्प (a) में **अभ्यागत** (यण संधि), (b) में **वाङ्मय** (व्यंजन संधि) और (c) में **सप्तर्षि** (गुण संधि) बिल्कुल सही हैं।
➢ अतः त्रुटिपूर्ण मात्रा (ए के स्थान पर ऐ होना चाहिए था) होने के कारण विकल्प (d) गलत है।

94. निम्नलिखित में से सही संधि विच्छेद नहीं है:

(a) अमृतेश = अमृत + ईश (b) किन्नर = किम् + नर
(c) परीक्षा = परी + ईक्षा (d) अनुच्छेद = अनु + छेद
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **परीक्षा = परी + ईक्षा** संधि-विच्छेद गलत है; इसका शुद्ध विच्छेद उपसर्ग के नियमानुसार **'परि + ईक्षा'** होता है।
➢ **दीर्घ स्वर संधि** के नियम से 'परि' (इ) + 'ईक्षा' (ई) मिलकर बड़ी 'ई' बनते हैं, जिससे 'परीक्षा' शब्द बनता है।
➢ विकल्प (a) **अमृतेश** (गुण संधि), (b) **किन्नर** (व्यंजन संधि) और (d) **अनुच्छेद** (व्यंजन संधि - च् का आगम) बिल्कुल सही हैं।
➢ संस्कृत में 'परि' एक प्रसिद्ध उपसर्ग है जिसकी इकार छोटी (इ) होती है, इसलिए 'परी' लिखना अशुद्ध है।

95. कौनसे विकल्प में गलत संधि-विच्छेद है?

(a) महोदय = महा + उदय (b) वेदोक्त = वेद + उक्त
(c) यथेष्ट = यथा + ईष्ट (d) वर्षांत = वर्षा + अंत
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

➢ **यथेष्ट = यथा + ईष्ट** गलत संधि-विच्छेद है; इसका शुद्ध रूप **'यथा + इष्ट'** (छोटी 'इ' के साथ) होता है।
➢ **गुण स्वर संधि** के नियमानुसार 'आ' + 'इ' मिलकर 'ए' बनते हैं, जिससे 'यथेष्ट' शब्द सिद्ध होता है।
➢ विकल्प (a) **महोदय** (गुण संधि), (b) **वेदोक्त** (गुण संधि) और (d) **वर्षांत** (दीर्घ संधि) के विच्छेद पूरी तरह सही हैं।
➢ 'इष्ट' (चाहकर या पूजनीय) शब्द में हमेशा ह्रस्व 'इ' का प्रयोग होता है, दीर्घ 'ई' का नहीं।

96. संधि से निर्मित गलत शब्द है-

(a) महा + ओजस्वी = महोजस्वी
(b) ईश्वर + इच्छा = ईश्वरेच्छा
(c) जिह्वा + अग्र = जिह्वाग्र
(d) तमस + आच्छन्न = तमसाच्छन्न
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[a]**

व्याख्या:-

- **महा + ओजस्वी = महोजस्वी** संधि पद अशुद्ध है; **वृद्धि स्वर संधि** के नियमानुसार 'आ' + 'ओ' मिलकर 'औ' बनते हैं, जिससे शुद्ध शब्द **'महौजस्वी'** बनता है.
- विकल्प (b) **ईश्वरेच्छा** (गुण संधि: अ + इ = ए), (c) **जिह्वाग्र** (दीर्घ संधि: आ + अ = आ) और (d) **तमसाच्छन्न** (व्यंजन संधि: च् का आगम) पूरी तरह शुद्ध हैं.
- 'महोजस्वी' में ओ की मात्रा (ो) दी गई है जो कि गलत है, नियम सम्मत रूप से यहाँ औ की मात्रा (ौ) होनी अनिवार्य है.
- वृद्धि संधि का एक अन्य प्रसिद्ध नियमबद्ध उदाहरण 'महा + औषधि = महौषधि' होता है।

97. अव्ययीभाव समास का उदाहरण है-

(a) अन्याय (b) निडर
(c) अतिक्रम (d) प्रगति
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

- **'अतिक्रम'** शब्द में 'अति' अव्यय/उपसर्ग का प्रयोग हुआ है, आधिकारिक उत्तर कुंजी के अनुसार इसे **अव्ययीभाव समास** माना गया है।
- अव्ययीभाव समास में प्रथम पद प्रधान और अव्यय होता है, जिससे बना समस्त पद भी अव्यय की भाँति कार्य करता है।
- विकल्प (a) **अन्याय** नञ् तत्पुरुष समास का और (b) **निडर** को भी कई संदर्भों में अव्ययीभाव माना जाता है, किंतु मुख्य वरीयता 'अतिक्रम' को दी गई है।
- 'अतिक्रम' का विग्रह 'क्रम का उल्लंघन' या 'क्रम से परे' के रूप में अव्ययीभाव के लक्षणों को स्पष्ट करता है।

98. किस शब्द में दो उपसर्ग प्रयुक्त हुए हैं?

(a) समकालीन (b) समाचार
(c) अपलक (d) उनसठ
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

- **'समाचार'** शब्द दो उपसर्गों के योग से निर्मित हुआ है; इसका सही विच्छेद **सम + आ + चार** (मूल शब्द 'चर' या 'चार') होता है।
- इस शब्द में पहला उपसर्ग **'सम'** (मकार हलंत) तथा दूसरा उपसर्ग **'आ'** स्पष्ट रूप से जुड़े हुए हैं।
- विकल्प (a) **समकालीन** में केवल 'सम', (c) **अपलक** में केवल 'अ' और (d) **उनसठ** में केवल 'उन' उपसर्ग प्रयुक्त है।
- हिंदी में दो उपसर्गों से बने अन्य उदाहरणों में 'सुरक्षित' (सु + वि + रक्षित) और 'व्याकरण' (वि + आ + करण) प्रमुख हैं।

99. शब्द में निहित उपसर्ग की दृष्टि से संगत विकल्प है-

(a) स्वल्प – स्व (b) अनुवाद - अन्
(c) वैवाहिक – वि (d) निरस्त - नि
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[c]**

व्याख्या:-

- **वैवाहिक – वि** उपसर्ग की दृष्टि से पूर्णतः संगत है; 'वि' उपसर्ग में 'विवाह' मूल शब्द और 'इक' प्रत्यय जुड़ने से आदि-वृद्धि होकर 'वैवाहिक' बनता है।
- विकल्प (a) **स्वल्प** में 'स्व' नहीं बल्कि **'सु'** उपसर्ग है (सु + अल्प = स्वल्प, यण संधि)।
- विकल्प (b) **अनुवाद** में 'अन्' (हलंत) नहीं बल्कि पूरा **'अनु'** उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है (अनु + वाद)।
- विकल्प (d) **निरस्त** में 'नि' नहीं बल्कि **'निर'** (या निः) उपसर्ग समाहित होता है (निर + अस्त = निरस्त)।

100. 'मझधार' निम्नलिखित में से किस समास का उदाहरण है?

(a) द्विगु (b) कर्मधारय
(c) द्वन्द्व (d) अव्ययीभाव
(e) अनुत्तरित प्रश्न **[b]**

व्याख्या:-

- 'मझधार' शब्द कर्मधारय समास का उदाहरण है, जिसका समास विग्रह 'मझ (मध्य/बीच) है जो धार (धारा)' होता है।
- कर्मधारय समास में पूर्वपद और उत्तरपद के बीच विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय का संबंध पाया जाता है।
- यहाँ 'मझ' (मध्य) शब्द धारा की विशेषता बता रहा है कि वह बीच की धारा है, इसलिए यह विशेषतावाचक कर्मधारय है.
- हिंदी भाषा के अन्य विशेषण-पूर्वपद कर्मधारय उदाहरणों में 'कालीमिर्च' (काली है जो मिर्च) और 'नीलगाय' (नीली है जो गाय) शामिल हैं

♦♦♦♦

विज्ञापन

अब सरकारी अफसर बनने की
राह हुई और भी आसान।

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

RAS

PRELIMS 2026

मरुधर RAS BATCH

LIVE FROM CLASSROOM
AND RECORDED BATCH

OFFLINE
नए बैच
प्रारंभ

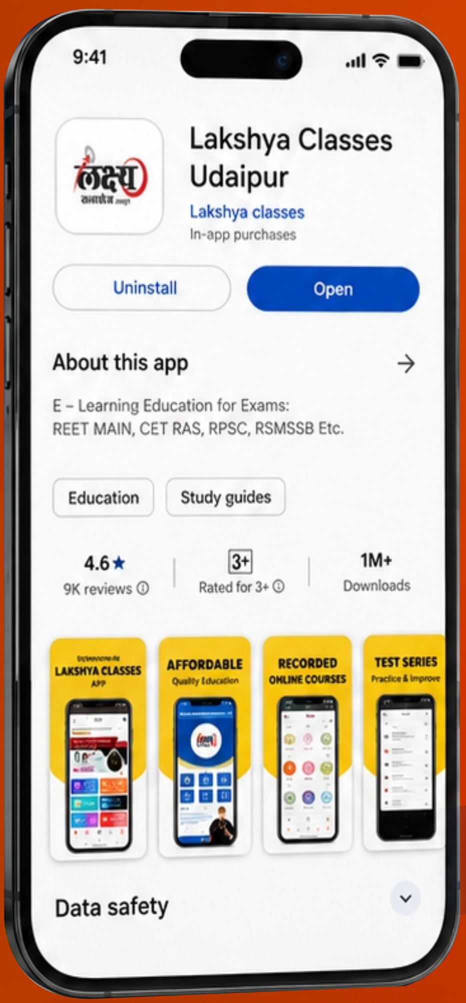

Scan to Download
Lakshya App Now

Google play

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

MRP : ₹349

राजस्थान की अनुभवी टीम, अब एक ही प्लेटफार्म पर

S.No.AP0117 CODE : APDO(35) NRT

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान
लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur